@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 26 मई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 201 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

रायगढ़ में खाई में वाहन गिरने से 8 लोगों की मौत

सीएम फडणवीस ने जताया दुख

एजेंसी

रायगढ़ । महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में कोंकण क्षेत्र से सतारा जा रहे एक पर्यटक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। इसकी जानकारी सोमवार को अधिकारियों ने दी। अधिकारियों के मुताबिक, वाहन अनियंत्रित होकर रायगढ़ जिले के पहाड़ी क्षेत्र में लगभग 1,000 फीट गहरी घाटी में जा गिरा। बचाव दल ने अब तक तीन शव बरामद किए हैं, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि अन्य लोगों की तलाश और उन्हें निकालने के प्रयास जारी हैं। इस हादसे में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''रायगढ़ जिले के अम्बेनाली घाट पर हुए भीषण हादसे में 8 लोगों की जान चली गई, यह बेहद दुखद घटना है। मैं उनके परिवार को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम उनके परिवारों के दुख में उनके साथ हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'ये आठ दोस्त एक यात्रा पर जा रहे थे। इस दौरान उनका वाहन 1,500 फीट गहरी घाटी में गिर गया, जिसके परिणामस्वरूप शव अलग-अलग स्थानों पर बिखरे पड़े हैं। जिला प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया है और 7-7 कर्मियों की 5 टीमें गठित की हैं। शवों को निकालने के प्रयास युद्धस्तर पर चल रहे हैं और अब तक 3 शव बरामद किए जा चुके हैं। शेष शवों को भी जल्द ही निकाल लिया जाएगा। एनडीआरएफ से भी सहायता ली जा रही है। अन्य स्वयंसेवी बचाव दल भी मदद कर रहे हैं। मृतकों में से 1 रत्नागिरी जिले का है, जबकि शेष 7 सतारा जिले के हैं। रायगढ़ और सतारा पुलिस बल भी समन्वय में काम कर रहे हैं।' अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, स्थानीय प्रशासन और आपदा राहत इकाइयों की टीमें दुर्घटनास्थल पर तैनात कर दी गई हैं। बचावकर्मी रस्सियों और विशेष उपकरणों की मदद से खाई तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्गम क्षेत्र और घाटी की अत्यधिक गहराई के कारण बचाव अभियान में मुश्किल आ रही है। मृतकों की पहचान अभी तक आधिकारिक तौर पर नहीं हो पाई है। वहीं, धुले से सोमवार सुबह एक और भीषण सड़क दुर्घटना की खबर मिली है, जिसमें मुंबई-आगरा राजमार्ग पर कई वाहनों की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

लालिंग घाट पर तीन वाहनों की टक्कर में छह की मौत, 26 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के धुले जिले में मुंबई-आगरा हाइवे लालिंग घाट पर सोमवार तड़के हुई तीन वाहनों की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज धुले के भाऊसाहेब हीरे सरकारी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इस घटना की छानबीन मोहाडी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज तड़के करीबतीन बजे लालिंग घाट पर विपरीत दिशा में चल रहे एक रेती भरे डंपर ने शराब ले जा रहे एक ट्रक में ज़ोरदार टक्कर मार दी। इस घटना के बाद टोल प्लाज़ा के कर्मचारी और वहां मौजूद लोग घायलों को बचाने का प्रयास कर रहे थे।

असम विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश

• मुख्यमंत्री बोले-समय की जरुरत है यह विधेयक

एजेंसी

दिसपुर । असम सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया। असम के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से विधेयक पेश किया। विपक्षी विधायकों ने विधेयक का विरोध करते हुए अध्यक्ष से इसे पेश न करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा, 'असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता 2026 विधेयक पेश होने से इस बात पर खुलकर चर्चा का मार्ग प्रशस्त हुआ है कि यूसीसी असम समय की आवश्यकता क्यों है और यह हमारे संस्थापकों द्वारा निर्धारित मार्ग को साकार करने में कैसे मदद करेगा?' वहीं, मंत्री अतुल बोरा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से मैंने आज विधानसभा में असम समान नागरिक संहिता विधेयक- 2026 प्रस्तुत किया।'

असम मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह समान नागरिक संहिता के मसौदे को मंजूरी दी थी। सूत्रों के अनुसार, असम विधानसभा का कार्यकाल एक दिन बढ़ाकर 27 मई तक कर दिया गया है, जबकि विधेयक पर चर्चा मंगलवार को होने की संभावना है। मंत्रिमंडल का यह निर्णय नव निर्वाचित असम विधानसभा के पहले सत्र से पहले आया है। सरकार का कहना है कि यूसीसी का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए, चाहे उनका कोई भी धर्म हो, विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने से संबंधित व्यक्तिगत कानूनों का एक एकल, एकीकृत समूह लागू करना है। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य विवाह की कानूनी उम्र, बहुविवाह, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मुद्दों का समाधान करना है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि राज्य के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों को भी प्रस्तावित कानून के प्रावधानों से छूट दी जाएगी।

असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद समान नागरिक संहिता विधेयक पेश करने और पारित करने वाला तीसरा राज्य बनने जा रहा है। समान नागरिक संहिता भारत में नागरिकों के व्यक्तिगत कानूनों को तैयार करने और लागू करने का एक प्रस्ताव है, जो सभी नागरिकों पर, उनके धर्म की परवाह किए बिना, समान रूप से लागू होते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनावी जोखिम प्रबंधन कार्यशाला का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज 12 देशों के प्रतिनिधियों के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। यह कार्यशाला जोखिम प्रबंधन और चुनावी सुदृढ़ता विषय पर इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में आयोजित की गई है। इसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रियाओं में संस्थागत तैयारी और लचीलेपन को मजबूत करना है। यह कार्यशाला 25 से 29 मई तक चलेगी। इसका आयोजन भारत निर्वाचन आयोग ने इंटरनेशनल आइडिया के सहयोग से किया है। यह भारत के अध्यक्षीय कार्यक्रम 2026 के तहत हो रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उनके साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी मौजूद थे। कार्यशाला का लक्ष्य चुनावी प्रबंधन निकायों (ईएमबी) को संरचित चुनावी जोखिम प्रबंधन ढांचे विकसित करने में सहायता करना है। इसमें नीतियां और परिचालन प्रणालियां भी शामिल हैं। प्रतिभागियों में 12 देशों के चुनाव आयुक्त और ईएमबी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इसमें चुनावी प्रबंधक, जोखिम प्रबंधन और प्रौद्योगिकी प्रोफेशनल भी भाग ले रहे हैं। संकट प्रबंधन और चुनावी अखंडता पहलों से जुड़े अधिकारी भी इसमें शामिल हैं। कार्यशाला में कई महत्वपूर्ण विषयगत क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इनमें चुनावी जोखिम प्रबंधन की नींव, चुनावी अखंडता और सुरक्षा उपाय शामिल हैं। जोखिम की पहचान और मूल्यांकन, लचीलापन और संकट प्रबंधन भी इसमें शामिल हैं।

मार्को रूबियो ने पत्नी जेनेट के साथ किया ताजमहल का दीदार

एजेंसी

आगरा । अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत दौरे के तीसरे दिन दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताज महल का दीदार करने पहुंचे। उनके साथ पत्नी जेनेट डी. रूबियो, अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल और भारत स्थित अमेरिकी दूतावास के राजदूत सर्जियो गोर भी थे। गोर ने ताज के सामने खिंचवाई तीन तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें रूबियो दंपति और गैब्रियल को भी देखा जा सकता है। इन तस्वीरों के साथ गोर ने लिखा मार्को रूबियो, जेनेट डी रूबियो और रॉबर्ट गैब्रियल के साथ आइकॉनिक ताजमहल पर वापस आकर शानदार अनुभूति हुई। उन्होंने ताजमहल को भारत की असाधारण विरासत और कारीगरी का अद्भुत प्रतीक बताया और कहा कि इसकी खूबसूरती हमेशा मंत्रमुग्ध कर देती है।

बीजद राज्यसभा सांसद देबाशीष सामंतराय ने पार्टी से इस्तीफा दिया

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत राज्यसभा सांसद देबाशीष सामंतराय ने सोमवार को बीजू जनता दल (बीजद) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में उन्हें पार्टी के भीतर 'व्यवस्थित रूप से अनदेखा' किया गया और ऐसा महसूस कराया गया कि पार्टी को अब उनकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है।बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक को संबोधित अपने इस्तीफा पत्र में सामंतराय ने उन्हें राज्यसभा भेजने तथा अविभाजित कटक जिले के लोगों की सेवा करने और राष्ट्रीय स्तर पर ओडिशा के मुद्दों को उठाने का अवसर देने के लिए आभार व्यक्त किया। पत्र में उन्होंने लिखा, 'मुझे राज्यसभा के लिए नामित करने के लिए मैं आपका सदैव ऋणी रहूंगा। आपने मुझे अविभाजित कटक जिले के लोगों की सेवा करने और राष्ट्रीय मंच पर ओडिशा के मुद्दों को उठाने का जो अवसर दिया।

मणिपुर में पांच उग्रवादी गिरफ्तार
हथियार और गोला-बारूद बरामद

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर और इंफाल क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि चलाए गए एक अभियान में सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के एडेंथर रेंगकाई गांव निवासी जेहोवा राजा दत्ता (24) को उसके घर से गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से एक इंसास राइफल, चार मैगजीन, 5.56 मिमी के 36 जिंदा कारतूस, एक कैमोफ्लाज बुलेटप्रूफ जैकेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। वहीं, अन्य अभियान में मणिपुर रिवोल्यूशनरी आर्मी (एमआरए) के दो सक्रिय कैडरों को वांगखेई आयंगपल्ली रोड से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान कोंगबा नांदेइबाम लैकाई, इंफाल ईस्ट निवासी निंगथौजाम विक्की सिंह उर्फ मुनाल (30) तथा लाफुपत तेरा मयाई लैकाई, इंफाल वेस्ट निवासी निंगथौजाम ईश्वरचंद्र सिंह उर्फ लोइया उर्फ थावाइलकपा (24) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में लांगजिंग माखा लैकाई में रह रहा था। उनके पास से तीन मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया।

एनटीए की कार्यशैली पर सवालिया निशान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें : कांग्रेस

रांची(एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने नीट परीक्षा विवाद को सिर्फ पेपर लीक तक सीमित नहीं बताते हुए पूरे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ नीट घोटाला नहीं, बल्कि एनटीए घोटाला है। इसकी सीबीआई एवं ईडी से जांच करायी जानी चाहिये साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर अंबा प्रसाद ने कहा कि एनटीए देश में केवल नीट ही नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और वैज्ञानिक क्षेत्रों सहित 21 से अधिक परीक्षाएं आयोजित करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 में पारदर्शिता और केंद्रीकरण के नाम पर गठित एनटीए अब छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 23 लाख छात्र नीट परीक्षा से प्रभावित हुए हैं, लेकिन अब तक जवाबदेही तय नहीं हुई है उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक मामले में कुछ कोचिंग संचालकों, दलालों और छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई हुई, लेकिन शिक्षा मंत्रालय और एनटीए प्रबंधन पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। सुश्री प्रसाद ने कहा कि यदि नीट जैसी परीक्षा प्रभावित हो सकती है, तो एनटीए द्वारा आयोजित अन्य परीक्षाओं की निष्पक्षता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है कांग्रेस नेता ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कानून बनाया जाना चाहिए और पेपर लीक मामलों की जांच विशेषज्ञ एजेंसी से करायी जानी चाहिये। दोषियों के लिए कठोर सजा का प्रावधान भी होना चाहिये। प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनल शांति समेत अन्य नेता उपस्थित थे।

जिला जेल दंतेवाड़ा परिसर एवं परिसर के आस-पास के क्षेत्र को ''नो फ्लाई जोन'' घोषित

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। कार्यालय अधीक्षक जिला जेल जारी विज्ञप्ति अनुसार जिला जेल दंतेवाड़ा के संपूर्ण परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र को सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय सुरक्षा संहिता-2023 की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं स्थानीय पुलिस तथा सुरक्षा एजेंसियों से परामर्श उपरांत जिला जेल दंतेवाड़ा के सम्पूर्ण परिसर के चारों दिशाओं में 200 मीटर की दूरी तक के क्षेत्र को ''नो फ्लाई जोन'' घोषित किया जाता है। क्योंकि बिना अनुमति ड्रोन का संचालन जेल परिसर क्षेत्र में सुरक्षा उल्लंघन एवं अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है। तदनुसार - कोई भी व्यक्ति बिना पूर्व लिखित अनुमति जिला दण्डाधिकारी अथवा सक्षम सुरक्षा प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त किए बिना इस क्षेत्र में किसी प्रकार के ड्रोन मानवरहित विमान का संचालन नहीं करेगा। अधिसूचित क्षेत्र मंत किसी भी प्रकार की अनाधिकृत ड्रोन गतिविधि दण्डनीय अपराध मानी जाएगी एवं संबंधित व्यक्ति के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जाएगी। यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी तथा आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी।

14 साल लड़की ने अस्पताल के बाथरूम में बच्ची को दिया जन्म

-पुलिस ने करीबी रिश्तेदार को किया गिरफ्तार, पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह जिले में एक किशोरी ने सरकारी अस्पताल में बच्ची को जन्म देने के बाद रेप के आरोप में एक युवक को रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की ने शुक्रवार शाम को अस्पताल के बाथरूम में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसके बाद अस्पताल कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। संभागीय पदाधिकारी ने बताया कि पीड़िता के पिता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई और शनिवार को बेंगाबाद पुलिस थाना क्षेत्र से लड़की के एक करीबी रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि लड़की का बयान एक महिला पुलिस अधिकारी ने दर्ज किया और पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के तुरंत बाद लड़की बाथरूम गई, जहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि बाद में उसने अस्पताल परिसर से निकलने की कोशिश की, लेकिन कर्मचारियों ने उसे रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कहा कि माँ और नवजात शिशु को बाद में एम्बुलेंस से दूसरे चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया। दोनों स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में हैं।

ट्विशा शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, मीडिया से संयम बरतने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मीडिया और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। मामले की सुनवाई तीन सदस्यीय पीठ कर रही है, जिसकी अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कर रहे हैं। अदालत ने कहा कि मामले को लेकर मीडिया में आ रहे बयानों और चर्चाओं से जांच प्रभावित हो सकती है, इसलिए किसी भी पक्ष को सार्वजनिक बयानबाजी से बचना चाहिए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि मृतका की सास एक पूर्व जिला न्यायाधीश हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायपालिका पर ट्रायल में देरी के आरोप लगा जा रहे हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वह रिश्तेदारों और परिचितों के बयानों को सनसनीखेज तरीके से पेश न करें। अदालत ने यह भी कहा कि जांच प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में पूरा होने दिया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकार ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी। नोएडा निवासी ट्विशा शर्मा 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स क्षेत्र स्थित अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया है, जबकि ट्विशा के परिवार ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के आरोप में ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी माँ गिरिबाला सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। भोपाल की एक अदालत ने समर्थ सिंह को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं गिरिबाला सिंह ने कहा है कि पुलिस ने अब तक इस मामले में उनका बयान दर्ज नहीं किया है। मामले को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करें और मीडिया रिपोर्टिंग तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए।

एथेनॉल आधारित स्टोव से सस्ता होगा खाना बनाना

– नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

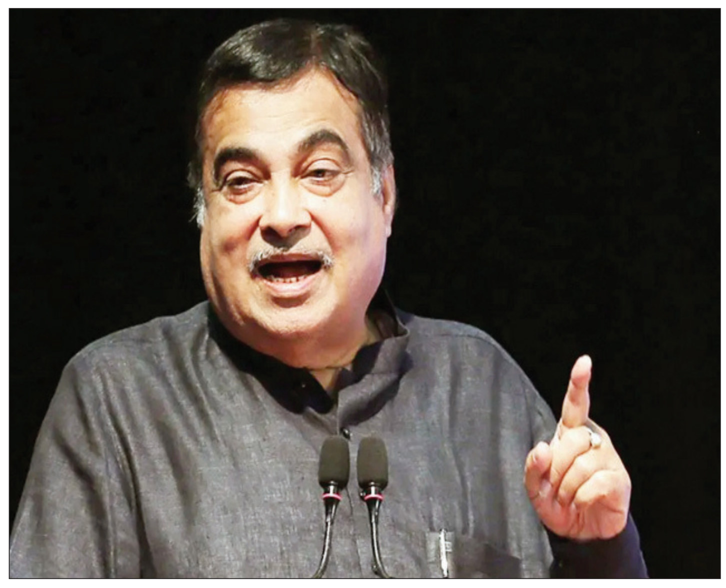

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में विकसित एथेनॉल आधारित स्वदेशी कुकिंग स्टोव तकनीक का अनावरण करते हुए दावा किया है कि इस तकनीक से खाना बनाने की लागत एलपीजी गैस की तुलना में कम होगी। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल घरेलू ऊर्जा खर्च को कम करने में मदद करेगी, बल्कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित हो सकती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं में विज्ञान और नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए 40 करोड़ रुपये की नई परियोजना शुरू करने की भी घोषणा की। गडकरी ने बताया कि इस नए स्टोव में एथेनॉल और पानी के मिश्रण का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि केवल 7 प्रतिशत एथेनॉल को पानी में मिलाकर ऐसी लौ तैयार की जा सकती है, जो खाना पकाने के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। उनके अनुसार यह तकनीक पूरी तरह स्वदेशी है और भारतीय वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों द्वारा विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि यदि इसे बड़े स्तर पर लागू किया जाता है, तो यह एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता कम कर सकता है और आम लोगों के लिए रसोई गैस का सस्ता विकल्प बन सकता है।

केंद्रीय मंत्री लंबे समय से एथेनॉल को वैकल्पिक ईंधन के रूप में बढ़ावा देते रहे हैं। उनका मानना है कि एथेनॉल के इस्तेमाल से भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होगी और किसानों को भी आर्थिक लाभ मिलेगा। वर्तमान में भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी कारण केंद्र सरकार लगातार पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। वर्ष 2014 में जहां पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण का स्तर केवल 1.53 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। गडकरी ने कहा कि एथेनॉल आधारित स्टोव तकनीक घरेलू रसोई के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है। देश के करोड़ों परिवार आज भी एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर हैं और लगातार बढ़ती कीमतों से प्रभावित होते हैं। ऐसे में यह तकनीक सस्ती, पर्यावरण अनुकूल और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विकल्प प्रदान कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। इसी उद्देश्य से 40 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की जा रही है, जिससे बच्चों और युवाओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और नवाचार की भावना विकसित की जा सके।

गुजरात से पहली बार कांग्रेस का नहीं होगा कोई राज्यसभा सांसद

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में कांग्रेस पार्टी के लिए एक और बेहद चिंताजनक खबर है। राज्य में लगातार घटते जनाधार के बीच अब देश के सर्वोच्च सदन (राज्यसभा) में भी पार्टी का वजूद पूरी तरह सिमटने जा रहा है। गुजरात से कांग्रेस के एकमात्र राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल आगामी 21 जून को समाप्त हो रहा है। इसके बाद इतिहास में ऐसा पहली बार होगा, जब राज्यसभा में गुजरात से कांग्रेस का एक भी प्रतिनिधि नहीं बचेगा। गुजरात की 4 राज्यसभा सीटों के लिए आगामी 18 जून को चुनाव होने जा रहे हैं। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखें तो इन सभी सीटों पर भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में भाजपा के पास 162 विधायकों का भारी बहुमत है। वहीं, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सिमटकर महज 12 विधायकों पर आ गई है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के 5, समाजवादी पार्टी का 1 और दो निर्दलीय विधायक हैं। इस संख्या बल के कारण कांग्रेस के पास नया सांसद चुनने की कोई उम्मीद नहीं बची है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, इन सीटों के लिए 1 जून को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 8 जून है, जबकि 9 जून को पर्चों की जांच होगी। उम्मीदवार 11 जून तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक गांधीनगर स्थित विधानसभा परिसर में मतदान होगा और उसी दिन शाम 5 बजे से मतों की गिनती शुरू हो जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक संपन्न कर ली जाएगी। गौरतलब है कि गुजरात में राज्यसभा की कुल 11 सीटें हैं। इनमें से वर्तमान में 10 सीटों पर भाजपा का कब्जा है और एकमात्र सीट कांग्रेस के पास थी, जो अब हाथ से निकल जाएगी। शक्तिसिंह गोहिल के अलावा जिन अन्य तीन सांसदों का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा है, उनमें भाजपा के नरहरि अमीन, रमीला बारा और राम मोकारिया शामिल हैं।

अपराधियों के सम्राट जवाब दें कि पिछले 1 महीने में ही बिहार से 8 हजार 681 बच्चे गायब क्यों हुए?- नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव

पटना(एजेंसी)। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की सम्राट सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, आज समूचे बिहार की महिलाएं, बच्चे और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। डायलॉग बाजी से ही बिहार सम्भालने की गलतफहमी पाले बैठे 'बयान बहादुर' की सरकार में बिहार की कानून व्यवस्था इतनी बुरी तरह खराब हो चुकी है कि पिछले 1महीने में ही बिहार से 8 हजार 681 बच्चों के गायब हुए है, जिसमें 85 फीसद लड़कियां हैं। बिहार में प्रतिदिन अनेकों दुष्कर्म की जघन्य घटनाएं घटती है। घर में घुसकर महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया जाता है। चंद दिनों में 75 से अधिक दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। स्वर्णकारों के साथ दिनदहाड़े लूट की घटनाएँ होती है। हर जिले में हर दिन हत्या, लूट और चोरी की वारदात हो रही है। लेकिन इसके बावजूद पूरे जीवन में बार-बार राजनीतिक गमछा और चश्मा बदलने वाले असहाय मुख्यमंत्री 'एआई तकनीकयुक्त कैमरा' का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि आर्टिफिशियल बातें करने वाले आर्टिफिशियल सीएम को न तो बिहार की फिक्र है और न ही बिहारवासियों की। बिहार की एनडीए सरकार में पहले रेप पीड़िता नीट छात्रा की हत्या और अब पॉलिटेक्निक परीक्षा देने पटना आई नाबालिग छात्रा के साथ होटल में छेड़छाड़ और अपहरण का प्रयास, बिहार में 'अपराधियों के सम्राट रूप धारण करने का प्रमाण है।' बिहार के अलग-अलग जिलों की छात्राएं पटना में रहकर पढ़ाई करती है लेकिन एनडीए राज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बेहद चिंताजनक है। नारी 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, पटना महिलाओं के लिए देश का सबसे असुरक्षित शहर है। तेजस्वी यादव कहते कि पाताल से अपराधियों को ढूंढ़ने का दावा कर डायलॉग बांचने वाले कृत्रिम तरीके से नॉमिनेटेड मुख्यमंत्री बने 'अपराधियों के सम्राट' की सरकार में पुलिस और कानून का डर पूरी तरह से खत्म हो चुका है। बड़बोले मुख्यमंत्री से आग्रह है कि टपोरियों की तरह सड़कछाप डायलॉगबाजी छोड़, रीलबाजी से फुर्सत निकाल कर बिहार की मातृशक्ति की सुरक्षा के लिए कारगर उपाय करें। हम महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होने देंगे।

अचानक सिद्धारमैया को दिल्ली बुलावा, नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें शुरू

आज होने वाली बैठक के एजेंडे में संगठनात्मक और चुनावी रणनीतियां शामिल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में सीएम पद को लेकर चल रही अंदरूनी कलह और खींचतान के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। मंगलवार को सीएम सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया है, जहां वे कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अपनी इस यात्रा के दौरान सिद्धारमैया कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात कर सकते हैं। बुलावे के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

आधिकारिक तौर पर इस बैठक के एजेंडे में आगामी संगठनात्मक और चुनावी रणनीतियां शामिल हैं। माना जा रहा है कि सिद्धारमैया आलाकमान के साथ बैठक में इन मुख्य विषयों पर चर्चा कर सकते हैं जिसमें आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन और रणनीति पर बात होना तय है। कर्नाटक में होने वाले आगामी विधान परिषद चुनावों की तैयारियों और टिकट बंटवारे को लेकर भी मंथन होगा। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इन चुनावों के बहाने असली बातचीत राज्य सरकार के नेतृत्व और सीएम की कुर्सी को लेकर होना है।

बता दें इससे पहले 20 मई को, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ बातचीत की थी। सूत्रों के मुताबिक खड़गे तिरुवनंतपुरम से सिद्धारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बेंगलुरु आए थे। बाद में सोमवार को उन्होंने राज्य के ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज के आवास पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में राज्य में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और सीएम पद को लेकर चल रही लगातार अटकलों पर चर्चा हुई।

यह घटनाक्रम कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के बाद सामने आया। साथ ही, यह सीएम पद को लेकर सिद्धारमैया और उनके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच चल रही लंबी सत्ता की खींचतान के बीच हुआ है। पिछले साल नवंबर में जब कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल का आधा सफर पूरा कर लिया, तो नेतृत्व-साझेदारी का मुद्दा और भी जोर पकड़ गया। इससे इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच रोटेशनल मुख्यमंत्री की व्यवस्था को लेकर अटकलें फिर से तेज हो गईं हैं।

बता दें पिछले 18 महीनों से शिवकुमार के समर्थक दावा करते आ रहे हैं कि वह जल्द ही सीएम का पद संभाल लेंगे, हालांकि अभी तक ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पिछले तीन सालों से एक ही बात दोहराई जा रही है। राज्य इकाई के भीतर असंतोष बढ़ रहा है। कई नेता आलाकमान से आग्रह कर रहे हैं कि इस भ्रम को जल्द से जल्द खत्म किया जाए। उनका तर्क है कि यह लंबी अनिश्चितता कर्नाटक में पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रही है। अब तक केंद्रीय नेतृत्व ने कई कारणों का हवाला देते हुए इस पर कोई अंतिम फैसला लेने से परहेज़ किया है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की चेतावनी – सबका हिसाब होगा

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पर हुए कथित हमलों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा की कानूनी जांच कराई जाएगी और पीड़ितों को न्याय दिलाया जाएगा। नंदीग्राम में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हुए हमलों का पूरा रिकॉर्ड रखा गया है और समय आने पर कानून के तहत कार्रवाई होगी। हालांकि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कानून हाथ में न लेने की भी अपील की। मुख्यमंत्री के रूप में जीत के बाद पहली बार नंदीग्राम पहुंचे शुभेंदु अधिकारी ने इस क्षेत्र को अपनी राजनीतिक यात्रा का केंद्र बताते हुए भावुक अंदाज में कहा कि यहां के लोगों ने उन्हें हमेशा समर्थन दिया और कई लोगों ने उनके लिए संघर्ष भी किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कई भाजपा समर्थकों के घर तोड़े गए और अनेक लोगों पर हमले हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे किसी प्रकार की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई न करें, क्योंकि भाजपा इस तरह की राजनीति में विश्वास नहीं करती। अधिकारी ने कहा कि उन्हें हर घटना याद है और किसी भी पीड़ित को न्याय से वंचित नहीं किया जाएगा।

सड़कों पर जानवर चलते हैं और लोग थूकते, पेशाब भी करते हैं वहां नमाज जायज नहीं

–मौलाना रशीदी ने सीएम योगी का किया समर्थन, मुस्लिमों को पिटवाना चाहती हैं पार्टियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन (एआईआईए) के प्रमुख मौलाना साजिद रशीदी ने सड़क पर नमाज को लेकर शिफ्ट में नमाज को जायज ठहराते हुए कहा कि सड़क नापाक होती है और इसलिए वहां मुसलमानों के इबादत नहीं करनी चाहिए। रशीदी ने कहा कि सड़क पर जानवर भी चलते हैं और लोग थूकते, पेशाब भी करते हैं। उन्होंने मुसलमानों को उकसाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ पार्टियां उन्हें पिटवाना चाहती हैं।

एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में मौलाना रशीदी ने सड़क पर नमाज ना पढ़ने का सीएम योगी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सीएम का बयान बिलकुल सही है। हमने कोरोना काल में भी नमाजे शिफ्ट में पढ़ी हैं। उन्हें पता है कि शिफ्ट में नमाज हो सकती है, इसलिए उन्होंने ऐसा बयान दिया है। पूरे देश और प्रदेश में किसी मौलवी ने उनका खंडन नहीं किया। कोई खंडन कर रहा है तो वह कांग्रेस-सपा के लोग या उनसे जुड़े नेता हैं। उनको पता नहीं दीन के बारे में कि नमाज शिफ्ट में भी पढ़ी जा सकती है।

मौलाना रशीदी ने इस्लाम के दो सिद्धांतों का जिक्र करते हुए बताया कि क्यों सड़क पर नमाज पढ़ना जायज नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लाम का बुनियादी सिद्धांत है कि नमाज नापाक जगह पर नहीं पढ़ी जा सकती है। सड़क पाक नहीं हो सकती है, कैसे पाक होगी जब उस पर लोग, जानवर चलते हैं, थूकते हैं और पेशाब भी करते हैं। सबकुछ होता है तो कैसे नमाज हो सकती है। दूसरा सिद्धांत यह है कि वह मुसलमान नहीं हो सकता है जिससे किसी दूसरे को तकलीफ पहुंचे। अगर आप सड़क जाम करते हैं तो लोगों तकलीफ भी हो सकती है।

मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि कुछ समय पहले तक कुछ मुसलमान अपराधों में लिप्त थे, लेकिन बीजेपी सरकार आने के बाद अब वे शिक्षा की राह पर चल रहे हैं। रशीदी ने कहा कि पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने जो फ्री हैंड दिया था मुसलमानों को उससे कई कमियां आ गईं। उससे मुसलमानों का भला नहीं हुआ, शिक्षा से दूर हो गए। कई बुराइयां उनमें आ गईं। आज मुसलमान 15-20 साल से और जब से बीजेपी सरकार आई है मुसलमानों ने बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया है। चाहे गरीब मजदूर है वह भी पढ़ा रहा है।

रशीदी ने कहा कि बुलडोजर ऐक्शन को लेकर कहा कि यह उन लोगों के खिलाफ रहा है जो गलत काम में शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि अक्लमंदी इसी में है कि हवा के खिलाफ मत चलो। सपा से जुड़े एक सवाल पर रशीदी ने कहा कि हमें नहीं चाहिए ऐसी पार्टी जिसका मकसद यह हो कि मुसलमान नमाज के लिए सड़क पर उतरे, उनकी पिटाई हो, मुकदमे लगे, जेल जाएं और उनके घर टूटे। क्या अखिलेश यादव बनवा देंगे घर किसी का। आजम खान को तो बचा नहीं पाए।

बीजेपी के माननीय दिखावटी चिट्ठियां लिखकर अपनी राजनीतिक जमीन बचा रहे

–सपा अध्यक्ष अखिलेश ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट पर सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट और भीषण गर्मी को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता के बढ़ते आक्रोश से भयभीत बीजेपी विधायक और सांसद अब दिखावटी चिट्ठियां लिखकर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने में जुटे हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह जनहित की चिंता नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले डूबती बीजेपी से दूरी बनाकर अपनी सियासत सुरक्षित करने की कोशिश है, जबकि बिजली संकट और अव्यवस्था का खामियाजा आम जनता भुगत रही है।

अखिलेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि यूपी में असहनीय 'महा विद्युत आपदा' की वजह से लगातार बढ़ते आक्रोश से बचने के लिए भयभीत भाजपाई विधायक-सांसद दिखावटी चिट्ठियों के रूप में जिस 'कागजी कवच' से खुद को बचाना चाह रहे हैं, वह चिट्ठी दरअसल अपनी सरकार को लिखा कोई 'जनहित का पत्र' नहीं, बल्कि बीजेपी रूपी डूबते जहाज को छोड़कर आगामी चुनावों में विपक्ष से टिकट पाने के लिए लिखा गया 'आवेदन पत्र' है। उन्होंने लिखा कि हमारे गठबंधन में ऐसे नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है, जो जनता को दुख-दर्द और दिक्कतों के सिवा कुछ नहीं देते। इस जानलेवा गर्मी में परिवारों के बड़े-बुजुर्गों, बीमारों, बच्चों और खाने-पानी की व्यवस्था में जुटी महिलाओं की क्या दुर्दशा हो रही है, यह केवल परिवार वाले ही समझ सकते हैं। अखिलेश ने कहा कि कभी आपदा में अवसर ढूंढने वालों ने अवसर की जगह जिस 'अफसर' को ढूंढा था, वही अफसर अब स्वयं आपदा साबित हो रहा है। समस्या का समाधान पूछने पर दोनों हाथ खड़े करके नारे लगाकर बच निकलने वालों के रहते समस्या नहीं सुलझेगी। अखिलेश ने कहा कि यूपी की बीजेपी सरकार भी जानती है कि अब वह कभी वापस नहीं आएगी, इसलिए वह जनता की मुश्किलों और मांगों को पूरी तरह नजरअंदाज करके बस अपने खजाने भरने में लगी है।

जैसलमेर में डंपिंग यार्ड में मिलीं सैकड़ों मृत गायें, वायरल वीडियो के बाद प्रशासन पर उठे सवाल

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले से सामने आई एक दर्दनाक घटना ने गौ संरक्षण और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है। नगर परिषद क्षेत्र के कचरा डंपिंग यार्ड में बड़ी संख्या में मृत गायों के सड़े हुए शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों और गौ सेवकों में भारी आक्रोश फैल गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में खुले मैदान में सैकड़ों गायों के शव पड़े दिखाई देने के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। घटना के सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जैसलमेर जिला मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर दूर रामगढ़ मार्ग पर नगर परिषद का डंपिंग यार्ड स्थित है। रविवार को वायरल हुए वीडियो में वहां बड़ी संख्या में मृत गायों के शव दिखाई दिए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लंबे समय से मृत पशुओं के उचित निस्तारण की व्यवस्था नहीं की जा रही थी, जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बदबू और गंदगी का माहौल बना हुआ था, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

बताया जा रहा है कि नगर परिषद ने मृत पशुओं के निस्तारण का कार्य एक अधिकृत हड्डी ठेकेदार को सौंप रखा था। आरोप है कि समय पर शवों को हटाने और उनका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण नहीं किए जाने के कारण बड़ी संख्या में मृत पशु डंपिंग यार्ड में जमा होते गए। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय नागरिकों और गौ प्रेमियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जैसलमेर जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। वहीं नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया है। प्रशासन का कहना है कि घटना की जानकारी मिलते ही डंपिंग यार्ड से मृत पशुओं को हटाकर उनका निस्तारण कराया गया है। साथ ही पूरे मामले की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने गौ संरक्षण को लेकर सरकार और प्रशासन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि केवल मंचों से गौ सेवा और गौ रक्षा की बातें करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए जमीनी स्तर पर मजबूत व्यवस्थाएं तैयार करनी होंगी। लोगों ने गौशालाओं में बेहतर सुविधाएं, पर्याप्त चारे-पानी और पशुओं के समय पर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। स्थानीय गौ सेवकों ने दावा किया कि जब वे मौके पर पहुंचे तो वहां का दृश्य बेहद भयावह था। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शव खुले में पड़े थे और दुर्गंध के कारण वहां खड़ा रहना मुश्किल हो रहा था। गौ सेवक हुक्मदान ने कहा कि जिस समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, वहां इस तरह की घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जवाबदेही तय करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। यह मामला अब प्रदेश में गौ संरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं और उनकी वास्तविक स्थिति पर बड़ा सवाल बनकर उभरा है।

कठोर नियमों से दुनिया के कई देशों ने प्रदूषण पर पाया काबू

दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर और सिंधु-गंगा के मैदानी इलाके इन दिनों जानलेवा वायु प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। लेकिन दुनिया में कई ऐसे देश रहे हैं जिन्होंने बिल्कुल इसी तरह के दमघोंटू संकट का सामना किया और नीति-निर्माताओं की वैज्ञानिक व कठोर कदमों से हालात बदल दिए। अब यही चुनौती दिल्ली-एनसीआर के लिए हैं जो शहरवासियों को दमघोंटू और जहरीली हवा से निजात दिलाए। अंतराष्ट्रीय विशेषज्ञों के पैनल की ओर से तैयार नेशनल अर्बन क्लीन एयर स्ट्रैटेजी स्टडी रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में 1952 के ग्रेट स्मॉग के बाद व्यापक क्लीन एयर प्लान लागू किया गया था। इस स्मॉग ने लगभग 12,000 लोगों की जान ले ली थी। इसके बाद लागू क्लीन एयर एक्टङ्क1956 के तहत कोयले से चलने वाले घरेलू बॉयलर और उद्योगों पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए। नतीजतन 1970 के दशक तक लंदन में पीएम2.5 और सल्फर डाइऑक्साइड का स्तर लगभग 70% तक घट गया। सिंगापुर ने 'शून्य-सहनशीलता नीति' और पॉल्यूटेड-पेयर प्रिंसिपल अपनाया। दक्षिण-पूर्व एशिया में जंगल की आग से उठे धुएं ने हैज संकट को जन्म दिया था। इसके जवाब में सिंगापुर ने अत्यधिक प्रदूषण वाले दिनों में स्कूलों और उद्योगों को स्वचालित रूप से बंद करने का कठोर नियम लागू किया। इससे बच्चों और बुजुर्गों पर प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों में उल्लेखनीय कमी आई और शहर दुनिया के सबसे स्वच्छ महानगरों में शामिल हो गया। दुनिया में कई और देश ऐसे हैं, जिन्होंने कठोर पर्यावरणीय कानून और अनुशासित शहरी नीति अपनाकर वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया। जापान ने 1970 के दशक के बाद औद्योगिक प्रदूषण संकट के बाद जीरो-टॉलरेंस एयर पॉल्यूशन कंट्रोल कोड लागू किया। दक्षिण कोरिया में एयर क्वालिटी प्रोटोकॉल लागू है, जिसके तहत एक्यूआई बढ़ने पर उद्योग लो-एमिशन मोड में चले जाते हैं। यूरोप में जर्मनी, फिनलैंड और स्वीडन वायु प्रबंधन के सफल मॉडल हैं। जर्मनी में ग्रीन इंडस्ट्री ट्रांजिशन के तहत भारी उद्योगों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और वाहनों में उत्सर्जन मानकों के कड़े पालन के लिए बाध्य किया गया है। फिनलैंड और स्वीडन में लकड़ी और कूड़ा जलाने पर प्रतिबंध है, साथ ही शहरों में धूल रोकथाम व कचरा प्रबंधन के लिए लाइव ट्रैकिंग सिस्टम और स्पॉट-फाइन प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

थाइलैंड से डिपोर्ट किया गया गैंगस्टर हरसिमरन आईजीआई से गिरफ्तार

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ (स्पेशल सेल) ने थाईलैंड से डिपोर्ट किए गए गैंगस्टर हरसिमरन उर्फ बादल उर्फ सिमरन को आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। ये जनवरी में फर्जी पासपोर्ट पर भारत से फरार हो गया था। आरोपी पहले भी जबरन वसूली, हत्या, हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के 23 मामलों में शामिल रहा है। प्रकोष्ठ के पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक ने बताया कि वह गोल्डी ढिल्लों के साथ इंटरनेशनल गैंगस्टर बनने और यूएस/यूरोप से काम करने की प्लानिंग कर रहा था। उपायुक्त ने बताया कि विशेष प्रकोष्ठ ने नवंबर, 2024 में उजागर सिंह, जिला मैनपुरी, यूपी निवासी महेंद्र सिंह उर्फ सतेंद्र सिंह को गैर-कानूनी हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया था। प्रकोष्ठ में उसके खिलाफ 20 नवंबर, 2024 में आर्म्स का मामला दर्ज किया गया था। आरोपी महेंद्र सिंह 2010 से थाना छावला, दिल्ली में हत्या के केस में फरार था। आरोपी महेंद्र सिंह ने बताया कि जब्त किए गए हथियार हरसिमरन से लिए गए थे। यह भी पता चला कि आरोपी हरसिमरन शातिर गैंगस्टर है और 23 केस में शामिल है। जमानत पर रिहा होने के बाद 14 केस में ट्रायल कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था। सुरक्षा एजेंसियों को जांच में पता लगा कि वह मुलजिम हरसिमरन राजेश सिंह पुत्र विनोद सिंह निवासी गोरखपुर, यूपी के नाम से नकली पहचान पर पासपोर्ट बनवाया और जनवरी, 2025 में इसी पासपोर्ट पर लखनऊ से बैंकॉक गया था। उसने वहां से अपने केस के गवाह को कोर्ट के सामने मुकरने और प्रोटेक्शन मनी के तौर पर 50 लाख रुपये देने की धमकी दी थी। इसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया था।उसे बैंकाक पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। उसे 26 नवंबर 2025 को भारत वापस भेज दिया गया। जब हरसिमरन दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा तो उसे पकड़ लिया गया। इसके बाद उसे इंस्पेक्टर संजय गुप्ता व पंकज की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली के शालीमार बाग के रहने वाले हरविंदर सिंह ने बचपन में ही दिल्ली के अलग-अलग अखाड़ों में जाकर कुश्ती शुरू कर दी थी। कुश्ती की ट्रेनिंग लेने के लिए वह कोल्हापुर, महाराष्ट्र भी गया था। यहां वे अखाड़े में सिकंदर के संपर्क में आया। उसने हार्डकोर क्रिमिनल समुंदर से संपर्क किया। ये बदमाश बुराड़ी, दिल्ली में सक्रिय था और उसे 10 साल की कड़ी कैद की सजा हुई थी। हरसिमरन भी मनोज नाम के एक हार्डकोर क्रिमिनल और विजय उर्फ नॉटी नाम के एक बीसी के साथ शामिल हो गया। ये सागरपुर इलाके में सक्रिय था। हरसिमरन ने गैंग बनाकर नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली इलाके में लोकल लेवल पर एक्सटॉर्शन शुरू कर दिया। उसने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और नॉर्थ दिल्ली में कई जघन्य मामलों में शामिल रहा। जब कोई पीड़ित पैसे देने से मना करता था तो वह और उसके साथी पीड़ित को धमकाने, पीटने या उस पर या उसके ठिकानों पर गोलियां चलाने से भी नहीं हिचकिचाते थे। 2005 से आरोपी हरसिमरन पर जबरन वसूली, हत्या की कोशिश, हत्या और आर्म्स एक्ट के 23 केस दर्ज हैं। यूरोप में बैठा गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने उसे दुबई आने को कहा और भरोसा दिलाया कि उसे यूएसए भेजा जाएगा और वहां से अपना गैंग ऑपरेट करेंगे। कुछ समय बैंकॉक में रहने के बाद वह यूएसए जाने के लिए दुबई चला गया। दुबई पहुंचने के बाद, गोल्डी ढिल्लों के निर्देश पर, वह दुबई में स्थित एक कबूतरबाज से मिला। उसे अजरबैजान भेजा गया, जहां से उसने अमेरिका के लिए उड़ान भरने की कोशिश की। लेकिन कागजातों में कमी के कारण उसे वापस दुबई वापस भेज दिया गया। इसके बाद गोल्डी ढिल्लों ने उसे यूरोप आने के लिए कहा। जब वह बेलारूस सीमा के माध्यम से यूरोप में प्रवेश करने की कोशिश की तो बैंकॉक में, सेंट्रल एजेंसियों के साथ लोकल अधिकारियों की सक्रिय और दिल्ली पुलिस के दिए गए डोजियर से उसे बैंकॉक में हिरासत में लिया गया था।

लू की तपिश से दो दिन झुलसेगी दिल्ली, सहना पड़ेगा 45 डिग्री टॉर्चर, मौसम विभाग का यलो अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी में गर्मी की तपिश के बीच अब लू का सितम भी राजधानीवासियों को झेलना पड़ेगा। मौसम विभाग ने 18 से 23 मई के बीच मौसम गर्म और शुष्क रहने के आसार जताने के साथ ही अधिकतम तापमान के 42 से 45 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान जताया है। 19 और 20 मई के लिए लू का यलो अलर्ट भी जारी कर दिया है। मौसम विभाग के एक वैज्ञानिक ने बताया कि इस अवधि में लगातार तेज और गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति सामान्य तौर पर 10 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। मौसम शुष्क बने रहने के चलते लगातार तापमान में इजाफा होगा और लोगों को सूरज की तेज तपिश महसूस होगी। लू के रूप में चलने वाली गर्म हवाएं सड़क पर चलने वाले राहगीरों की परेशानी बढ़ाएंगी। रविवार को अधिकतम तापमान 41.9 और न्यूनतम तापमान 25.9 डिग्री दर्ज हुआ। बीते दो दिन से पारा 40 के ऊपर बना हुआ है। दिल्ली में हवा की दिशा बदलने से फिजा मध्यम श्रेणी में बरकरार है। ऐसे में रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 174 दर्ज किया गया। यह हवा की मध्यम श्रेणी है। इसमें शनिवार की तुलना में दो सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 260 दर्ज किया गया, यह हवा की खराब श्रेणी है। वहीं, गाजियाबाद में 205, फरीदाबाद में 183 और नोएडा में 175 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा, गुरुग्राम की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 172 दर्ज किया गया। यह हवा की मध्यम श्रेणी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, हवा पश्चिम दिशा से 20 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 4500 मीटर रही। इसके अलावा, वेंटिलेशन इंडेक्स 30000 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, दोपहर तीन बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 190.8 और पीएम2.5 की मात्रा 65 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई।

ऐसे में सीपीसीबी का पूर्वानुमान है कि सोमवार से हवा खराब श्रेणी में पहुंच सकती है

गर्मी में दिल्ली की बिजली मांग 8231 मेगावाट पहुंची

नई दिल्ली। बढ़ती गर्मी के बीच बिजली की मांग इस सीजन के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। बृहस्पतिवार को दिल्ली की अधिकतम बिजली मांग 8231 मेगावाट दर्ज की गई। इस साल पहली बार बिजली की मांग 8000 मेगावाट के पार पहुंची है। राजधानी में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज गर्मी के कारण लोगों ने कूलर, पंखे और एयर कंडीशनर का अधिक उपयोग किया, जिससे बिजली की खपत बढ़ गई। बिजली वितरण कंपनियों के अनुसार, उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में बढ़ी हुई मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया। अधिकारियों के अनुसार, इस साल मई में बिजली की मांग पिछले सालों की तुलना में अधिक रही है, जो समय से पहले और ज्यादा पड़ रही गर्मी का असर है। इससे पहले 27 अप्रैल को ही दिल्ली में बिजली मांग 7000 मेगावाट के पार पहुंच गई थी, जो पिछले कई सालों में मई महीने में पहुंचती थी। राज्य लोड डिस्पैच केंद्र (एसएलडीसी) के अनुमान के अनुसार, इस साल दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग 9000 मेगावाट से भी अधिक हो सकती है। इससे पहले साल 2025 में दिल्ली की अब तक की सबसे अधिक बिजली मांग 8656 मेगावाट दर्ज की गई थी।

कॉलेज कैंपस में रील, वीडियो बनाने पर रोक, हो सकती है कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज ने परिसर में रील, शॉर्ट वीडियो या सोशल मीडिया कंटेंट बनाने पर रोक लगा दी है। कॉलेज ने छात्रों द्वारा रील और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करने की बढ़ती प्रवृति को गंभीरता से लिया है। कॉलेज के आदेश के अनुसार छात्र बिना पूर्व अनुमति के कॉलेज परिसर में किसी प्रकार की रील, शॉर्ट वीडियो या सोशल मीडिया कंटेंट तैयार नहीं कर सकते हैं। यदि कोई छात्र बिना अनुमति के ऐसा करते पाया जाता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मैत्रेयी कॉलेज की प्राचार्य प्रो. हरित्मा चोपड़ा की ओर से इस संबंध में नोटिस जारी कर कहा गया है कि कॉलेज केवल शिक्षा, शोध और संस्थागत गतिविधियों का केंद्र है। ऐसे किसी भी कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, जिससे कॉलेज की गरिमा, अनुशासन और शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो। कुछ छात्र कॉलेज परिसर के विभिन्न हिस्सों-कक्षाओं गलियारों, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं और कार्यालयों में रील एवं वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर रहे थे। छात्रों के रील बनाने से न केवल पढ़ाई का माहौल प्रभावित हो रहा था, बल्कि कई बार अन्य छात्रों और शिक्षकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। इस कारण कॉलेज प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। कॉलेज प्रशासन ने कहा कि अब कोई भी छात्र बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के कॉलेज परिसर में किसी प्रकार की रील, शॉर्ट वीडियो या सोशल मीडिया कंटेंट तैयार नहीं करेगा।

मणिपुर से कच्चा अफीम से हेरोइन तैयार कर दिल्ली-एनसीआर में करते थे सप्लाई, नौ गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ ने मणिपुर से कच्चा अफीम लाकर उससे हेरोइन तैयार कर दिल्ली एनसीआर में सप्लाई करने वाले सिंडिकेट का खुलासा किया है। पुलिस ने छह सप्लायर समेत नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहचान समीर अहमद, आशीष सोनी, मनोज सोनी उर्फ विक्की, संध्या, महनाज उर्फ बेजी, यूनुस, सब्बीर, मो. इस्तफाम और फुंड्रेइमयुम अमजद अली के रूप में हुई है। इनके कब्जे से पुलिस ने 1568 ग्राम हेरोइन और 506 ग्राम कच्चा अफीम बरामद किया है। इसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामद अफीम से 1.5 से 2 किलोग्राम हेरोइन बनाई जा सकती है। जिला पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने बताया कि निरीक्षक संदीप गोदारा के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ की टीम ने 17 अप्रैल को बुध विहार से समीर अहमद और आशीष सोनी को 300 ग्राम हेरोइन के साथ पक ?ा। इनके निशानदेही पर पुलिस ने गाजियाबाद से मनोज सोनी को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ में पता चला कि इनके साथ कई अन्य लोग जुड़े हुए हैं। पुलिस ने उसके निशानदेही पर 21 अप्रैल को तिलक नगर से 30 साल की संध्या को 278 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि संध्या का पूरा परिवार नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त है। उसका पति विक्की पर 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं और मादक द्रव्य अधिनियम के तहत वह और उसकी मां सीमा भी जेल में बंद है। पुलिस ने संध्या से पूछताछ करने के बाद बरेली यूपी में छापा मारकर 51 साल के मेहनाज को 58 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा। इसके निशानदेही पर पुलिस ने शाहजहांपुर यूपी में छापा मारकर यूनुस को गिरफ्तार किया। उसने बताया कि वह मणिपुर से कच्चा अफीम मंगाता था और फिर उसे अपने घर पर रिफाइन करके दिल्ली-एनसीआर में आगे सप्लाई के लिए हेरोइन बनाता था। वहीं मणिपुर से 28 साल के मोहम्मद इस्तफाम और 34 साल के फुंड्रेइमायुम अमजद अली को पकड़ा गया।

बच्चे की महिला केयर टेकर ने फांसी लगाकर दी जान

नई दिल्ली। शालीमार बाग इलाके में 18 साल की युवती की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। 18 साल की राधिका शालीमार बाग के एक घर में बच्चे का केयर टेकर थी। उसका शव मालिक के घर के एक कमरे में फंदा से लटका मिला है। परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने बताया कि जिस कमरे में राधिका ने खुदकुशी की है, वह कमरा अंदर से बंद मिला है। शुरुआती जांच में पता चला कि वह एक लड़के से शादी करना चाहती थी, लेकिन उसका परिवार इसको लेकर राजी नहीं था, इस वजह से वह काफी परेशान थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के मुताबिक 18 साल की राधिका अपने परिजनों के साथ आजादपुर इलाके में रहती थी। वह शालीमार बाग के एडी ब्लॉक में एक इमारत में बच्चे का केयर टेकर का काम करती थी। उसकी बहन लक्ष्मी ने बताया कि सुबह नौ बजे राधिका काम पर गई थी।

NAME CHANGE

I, REETU GARG W/o Jai Gopal R/o 603A, Tower-5, Panchseel Wellington Crossing Republic Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh-201016 have changed the name of my minor daughter PUSHTI aged 16 years and she shall hereafter be known as PUSHTI GARG.

NAME CHANGE

I, GAUTAM SINGH S/O KALYAN SINGH R/O Dhaurau, PO: Chhatary, District Bulandshahr, Uttar Pradesh-202397, have changed the name of my minor daughter GUNNU aged 17 years and she shall hereafter be known as GUNGUN YADAV.

NAME CHANGE

I hitherto known as GAYATRI DEVI alias ARAJU VERMA D/o Shiv Lal Singh, and W/o Late Talayver Singh, R/o 149, Gali No.-1, Shanti Nagar, Dundaheda Vijay Nagar, Ghaziabad, PO- Vijay Nagar, Distt.-Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, have changed my name and shall hereafter be known as ARAJU VERMA, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MUKAMMIL KHAN S/O NOORZAMA KHAN R/O 281, Umarpur, Bulandshahr, Uttar Pradesh-245405, have changed the name of my minor daughter IFSHA KHANAM aged 15 years and she shall hereafter be known as KULSUM FATIMA.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Ravi Kumar in respect **Entire Ground and First Floor without Roof Rights, Part of Built-Up Property bearing No. 7, are ameasuring 150 Sq. yards, in Block-A-2, Out of Khasra no. 86, 88, 89, 92 TO 99, 101 to 106, Situated in the area of Village Dadhora Kalan, Delhi and Abadi Known as Satyawati Nagar, Delhi-110052** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Bajaj Housing Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 15 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Smt. Mamta** w/o Mr. Umesh is the owner of land admeasuring 120 Sq. yards, out of Khata no. 129, Gata no.185 situated at Village Biswana, Pargana & Tehsil, Sikanderabad, Distt. Bulandsehar, U.P. vide **Gift Deed** dated 07.03.2025 which is registered as doc. no. 3667, book no.1, vol. no. 11783, Page no. 299 to 310,on 07.03.2025, SRO-Sikanderabad, Bulandsehar read with **Correction Deed** dated 17.02.2026 registered as doc. no. 2545, on 17.02.2026, SRO-Sikanderabad, Bulandsehar & **Gift Deed** dated 20.03.2026 which is registered as doc. no. 4115, book no.1, Vol. no. 12318, Page no. 327 to 338,on 20.03.2026, SRO-Sikanderabad, Bulandsehar read with **Correction Deed** dated 24.04.2026 which is registered as doc. no. 5851, on 24.04.2026, SRO- Sikanderabad, Bulandsehar and Intend to mortgage the said property with **Motilal Oswal Home Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, Chandan Goswami S/O, ganga giri R/O, K-151, street no-43, near baghel chowk, sadatpur extn. dayalpur, North East Delhi, Delhi-110094 has changed my name to chandan giri for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किलगण सुनील कुमार पुत्र स्व0 सूरजभान एंव अन्जू गोयल पत्नी सुनील कुमार निवासी-आर0 जेड-7-एल/15, मकान न0 822, मेन सागरपुर, नई दिल्ली-110046 ने अपने पुत्र गौतम गोयल एंव उनकी पत्नी श्रीमती प्रीति गौयल पता-मकान न0 134, संगम विहार, नजफगढ़, नई दिल्ली-110043 को उनके नियन्त्रण में न होने और घर का माहोल बनाए रखने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से उनको बेदखल कर रहे हैं और उनसे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति उनके साथ किसी प्रकार का कोई लेन-देन व व्यवहार रखता हैं तो उसके लिए वह स्वंय जिम्मेदार होगा।

KARAN RAJ ADVOCATE
SEAT NO.22
LAWYERS CHAMBER
DISTRICT COURT DWARKA
NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Rohan Jha S/o Mr. R.K. Jain is the owner of Freehold Residential Built-up Upper Ground Floor without roof rights (Back Side Portion) on Property Bearing Plot No.27-A area measuring 100 Sq. Yds. out of Portion of Plot No.10 & 27 total area measuring 200 Sq. Yds. out of Khasra No.246 Situated in the revenue estate of Village Nawada, Delhi State Delhi in the Abadi Known as Laxmi Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Regd. GPA dated 15.12.2011Vide Doc no.3343, Book No.4, Volume No.620, on Page Nos.329-344, in S.R-I Noida., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mr. Virender Singh S/o Mr. Dalel Singh had died on 16.09.1990., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mrs. Meenu Jha and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, H S Chaudhary S/O, M S Chaudhary R/O, Flat No- 395, L.I.G, Opposite G.T.K Depot, Sanjay Enclave, Jahangir Puri, North West Delhi, Delhi, 110033 has changed my name to Harpreet Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ARGAM JAIN, S/O VIBHAV KUMAR JAIN, R/O B-2/10, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051, have changed my name and shall hereafter be known as ARGHAM JAIN. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, PRAHLAD SINGH S/O: Ram Swaroop R/O 166 RAHUL GARDEN behata hajipur Loni Dehat Loni Ghaziabad Ghaziabad Uttar Pradesh 201102, have changed my name and shall hereafter be known as OM PRAKASH.

NAME CHANGE

I, ANJANA W/o Mahendra Singh R/o 31, First Floor, LHS, Flat No.101, T Extn., Solanki Road, Near Lala Ram Halwai, Jain Colony Part-2, Uttam Nagar, Delhi-110059 have changed my name to ANJANA BISHT permanently

NAME CHANGE

I, PRAVEEN ARORA W/o Vipin Arora R/o H.No.625, First Floor, Arunvihar, Sector-29, Noida, Gautam Budh Nagar, U.P-201301, have changed my name to PARVEEN ARORA permanently

NAME CHANGE

I, NIKHIL SHANKAR S/o Vinay Kumar R/o 3990/1, GALI NO.31, Regar Pura, Karol Bagh, Delhi-10005, have changed my name to NIKHIL KUMAR SHANKAR permanently.

NAME CHANGE

I, TARAVANTI Mother of No-151906664N Rank-NK (OPR) Name-ANIL KUMAR residing at WARD NO-11, 42 SSW, PO-DABLI RATHAN, TEHSIL & DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335801, have changed my name from TARAVANTI to TARO DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I INDUBAI Legally mother of Army no -JC-462662Y, Rank - NB/SUB, Name - PHADATARE MANIK TUKARAM, At - KUMTHE(NAGACHE) Post- KUMTHE(NAGACHE) Teh - KHATAV, Dist - SATARA, State- MAHARASTRA, Pin - 415527 have changed my name from INDUBAI to INDUBAI TUKARAM PHADATARE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 18/07/1946, instead of my correct date of birth as 01/01/1962, Vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Naresh Kumar to inform to the public at large that Mrs. Preeti W/o Mr. Naresh is purchasing the Residential Freehold House No.68, Admeasuring 64.00 Sq. Yds., Out Of Khasra No. 1356, Block-B, Panchkula-III, Situated At Village Chapraula, Pargana & Tahsil Dadri, Distt:-Gautam Budh Nagar, U.P. from Mrs. Sunita Devi who owned the said property vide Sale Deed dated 03.04.2019 (Document No.6808) executed by Mr. Surender Singh and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Loni. That, Original Sale Deed dated 10.09.2018 executed by Mr. Ravinder Kumar in favour of Mr. Surender Singh in respect of the said property are not available/lost. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT, MR. HITESH TOKAS SON OF MR. KRISHAN TOKAS, R/O 92-F, MUNIRKA, DELHI IS THE SOLE AND LEGAL OWNER OF "PROPERTY BEARING NO. 40, AREA MEASURING 177 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO. 727, LAL DORA ABADI 1908-09, SITUATED AT VILLAGE MUNIRKA, NEW DELHI." AND ACQUIRED THE SAME VIDE GIFT DEED DATED 24.03.2026 EXECUTED BY MR. KRISHAN KUMAR TOKAS IN FAVOUR OF MR. HITESH TOKAS VIDE DOCUMENT NO. 2026/8/I/1837, IN BOOK NO. 1, VOLUME NO. 4678, ON PAGE NO. 85-100, ON DATED 27.03.2026, SR-VIIA SAROJINI NAGAR, NEW DELHI/DELHI. THE FEW BACKS CHAIN OF THE SAID PROPERTY HAVE LOST BY OWNER AND IN THIS REGARD OWNER I.E. MR. HITESH TOKAS HAD LODGED LOST REPORT VIDE LR. NO. 306368/2026. NOW MR. HITESH TOKAS GOING TO MORTGAGE THE SAID PROPERTY WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK,
MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA,
DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

NAME CHANGE

I, NASIR KALEEM S/O SHARAFAT HUSAIN R/O 2388, GALI IMLI WALI KHARI BAOLI TILAK BAZAR PHATAK HABASH KHAN NORTH DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO NASIR KALIM.

NAME CHANGE

I, No-16014094W Rank-HAV Name-RAVI KUMAR legal father of SURKSHA residing at- VILL-ARUNODAYA WARD NO-06 KHUDLPA, PO-KHUDEPANI, TEHSIL-DAMULI, DIST-TANAHUN, GANDAKYI (NEPAL), have changed my minor daughter's name from SURKSHA to SURAKSHA SIGDEL for all future purposes vide affidavit dated 25/05/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I SHEHRIN S/0 Naeem R/0.R - 234 2nd Floor Gali No 7 Zakir Nagar Jamia Nagar Delhi 110025 Changed my name to SHEHREEN

NAME CHANGE

I EKTA ARORA W/0 Supreet Singh Madan R/0 KM -20 Flat No 804 Jaypee Kos Mos Jaypee Wish Town Sector 134 Noida Uttar Pradesh 201304 Changed my name to EKTA KAUR

NAME CHANGE

I, Yashasavi D/o Ashwani Kumar R/o House No. 360, Dhaka Village (Johar) Near Anglo Indian Public School, Dr, Mukherjee Nagar, North West Delhi-110009 have changed my name to Yashshvi for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SUNANDA mother of NO-JC393447A Rank-NB SUB Name INGWALE SACHIN B R/o VILL-RISWAD, PO-RISWAD, TEH-KARAD, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415106, have changed my name from SUNANDA to SUBHADRA BALKRISHNA INGWALE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01 July 1952 instead of my correct date of birth as 01 June 1950 Vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I GRISH SHARMA S/O ROSHAN LAL SHARMA R/O U-103 ANUPAM APARTMENT EAST ARJUN NAGAR SHAHDRA DELHI-110032 HAVE CHANGED MY NAME TO GIRISH SHARMA

NAME CHANGE

I, BALKRISHNA Father of NO-JC393447A Rank-NB SUB Name-INGWALE SACHIN B R/o VILL-RISWAD, PO-RISWAD, TEH-KARAD, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415106, have changed my name from BALKRISHNA to BALKRISHNA YASHAWANT INGWALE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01 July 1942 instead of my correct date of birth as 01 January 1941Vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE

I, KAMLESH mother of No.-14657060F, Rank-HAV, Name-RAVINDER KUMAR residing at-VILL-BHOTWAS BHONDU, PO-JATUSANA, TEHSIL-KOSLI, DIST-REWARI, HARYANA-123401, have changed my name from KAMLESH to KAMLESH DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 25/05/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as DEEPANSHU S/O MUKESH R/O W-189/20, SADAR BAZAR, DELHI-110010 have changed my name and shall hereafter be known as DEEPANSHU SINGH. I have changed only my name not my religion. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I hitherto known as LEESHA BATRA D/O MANOJ BATRA R/O 1530 Outram Lane GTB Nagar, Model Town, North West Delhi, Delhi-110009 have changed my name and shall hereafter be known as AAYUSHI BATRA

NAME CHANGE

I, MAHAVIR SHARMA S/o SATYA NARAYAN SHARMA R/o H NO-206 SHIVA KHAND, JHILMIL COLONY, Delhi-110095 have changed my name to MAHAVIR PRASAD SHARMA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as YOGENDRA SINGH BHADAURIA S/o BAJRANG SINGH R/o H.No-746, Sibba Kunj, Sector-1, Kamna, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 have changed my name and shall hereafter be known as YOGENDRA SINGH.

NAME CHANGE

I, R P SAINI S/o RAM NARAYAN SAINI R/o H NO-9858 GALI NO-311, SANJAY COLONY, FARIDABAD SEC-22, HARYANA-121005 have changed my name to RAMESH PRSHAD SAINI.

NAME CHANGE

I BALASAHEB legally father of Army no -2806567A, Rank-Hav, Name - KAUTHAKAR CHANDRAKANT BALASAHEB, Presently Residing, At - Annapur Post - Amdabad, Tel-Shirur Dist- Pune, State - Maharashtra - Pin - 412218 have changed my name from BALASAHEB to BALASAHEB MARUTI KAUTHKAR for all future purposes, In my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 17/01/1957, instead of my correct date of birth as 02/06/1956, Vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I ARVIND SHANKAR Son of Yogendra Thakur residing at E-306/1 Gali No.9 Khajoori Khas Delhi-110094 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as VAISHNAVI in my service book. The actual name of my minor daughter is VAISHNAVI SHANKAR respectively which may be amended accordingly. It is certified that I have completed with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I NIRMALA legally mother of Army No - 2806567A, Rank - Hav, Name - KAUTHAKAR CHANDRAKANT BALASAHEB, Presently Residing, At - Annapur Post -Amdabad, Tel-Shirur Dist- Pune, State - Maharashtra - Pin - 412218 have changed my name from NIRMALA to NIRMALA BALASAHEB KAUTHKAR for all future purposes, In my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 17/01/1962, instead of my correct date of birth as 01/06/1965, Vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I SUBHASH PATIL legally father of Army No - 2816495P, Rank - L/Hav Name - ARJUN SUBHASH PATIL, Presently Residing, At - Managutti, Post- Managutti, Teh - hukkeri Dist - Belgaum, Pin - 591243 State-Karnataka, have changed my name from SUBHASH PATIL to SUBHASH SANTU PATIL for all future purposes, Vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I MANGAL PATIL legally mother of Army No - 2816495P, Rank - L/Hav Name - ARJUN SUBHASH PATIL, Presently Residing, At - Managutti, Post- Managutti, Teh - hukkeri Dist - Belgaum, Pin - 591243 State-Karnataka, have changed my name from MANGAL PATIL to MANGAL SUBHASH PATIL for all future purposes, Vide Affidavit dated 25/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Puja Bareja W/O Jitender Khanna R/O C-5/109, 2nd Floor, Block-C, Pocket-5, Sector-11, Raja Pur Kalan, Rohini Sector-7, North West Delhi, Delhi 110085 I, Have Changed My name To Pooja Khanna

NAME CHANGE

I, Ajender, S/O Sukhapal Singh R/O, House No-505, Ladan Pana, Mungesh Pur, North West Delhi, Delhi, 110039 has changed my name to Ajendra Dhama for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Laxmi, W/O the Late Vinod Kumar R/O, VPO PANDWALA KALAN, SOUTH WEST DELHI, NAJAFGARH, DELHI -110043 have changed my name to Hema for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री राहुल बंसल एवं श्रीमती आंचल बंसल, संपत्ति/प्लॉट संख्या 216, क्षेत्रफल 175 वर्ग मीटर, ब्लॉक-ए, स्थित सेक्टर-8, द्वारका रेजिडेंशियल स्कीम, द्वारका, नई दिल्ली पर निर्मित सम्पूर्ण द्वितीय तल (बिना छत अधिकार सहित) को श्री आदित्य कुमार एवं श्री प्रदीप से खरीदना चाहते हैं। उक्त सम्पत्ति के प्रारम्भिक मूल स्वामी श्री मनन नारंग थे, जिन्होंने यह सम्पत्ति Delhi Development Authority से दिनांक 05.08.2008 की Conveyance Deed के माध्यम से खरीदी थी। तत्पश्चात उन्होंने उक्त सम्पत्ति को दिनांक 19.02.2011 की Sale Deed के माध्यम से श्री संजीव अग्रवाल (HUF) एवं श्री राजीव अग्रवाल (HUF) को विक्रय कर दिया। इसके बाद श्री संजीव अग्रवाल (HUF) एवं श्री राजीव अग्रवाल (HUF) ने उक्त सम्पत्ति को दिनांक 16.08.2019 की Sale Deed के माध्यम से श्री सचिन कुमार गेरा को विक्रय किया। तत्पश्चात श्री सचिन कुमार गेरा ने उक्त सम्पत्ति को दिनांक 21.02.2022 की Sale Deed के माध्यम से श्रीमती राम मूर्ति (34% अविभाजित हिस्सा), श्री आदित्य कुमार (33% अविभाजित हिस्सा) एवं श्री प्रदीप (33% अविभाजित हिस्सा) को विक्रय किया। दुर्भाग्यवश, श्रीमती राम मूर्ति का निधन दिनांक 08.07.2022 को हो गया, जिनके पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारी श्री आदित्य कुमार एवं श्री प्रदीप हैं। फलस्वरूप, श्री आदित्य कुमार एवं श्री प्रदीप उक्त सम्पत्ति के स्वामी बन गए। उक्त सम्पत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, चार्ज अथवा दावों से मुक्त बताई गई है। कृपया यह भी नोट करें कि उक्त सम्पत्ति का वित्तपोषण Bajaj Housing Finance Limited द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सुपवा के छात्रों ने अपनी प्लानिंग व आर्किटेक्चर प्रतिभा से कराया रूबरू

एजेंसी

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर के छात्रों ने पढ़ाई के दौरान सीखी अपनी प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर की प्रतिभा से ज्यूरी में पहुंचे एक्सटर्नल एक्सपर्ट्स को रूबरू कराया। छात्रों ने ज्यूरी के दौरान ऐतिहासिक संरचना व जलवायु संवेदी वास्तुकला को ध्यान में रखते हुए, शहरी संरचना मॉडल प्रस्तुत किए। जिनसे उनकी शैक्षणिक व रचनात्मक सीख नजर आई और ज्यूरी सदस्यों ने इसकी सराहना भी की। प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर फैकल्टी के एफसी अजयबाहू जोशी ने बताया कि बैचलर इन आर्किटेक्चर द्वितीय वर्ष के छात्रों ने ग्राफिकल प्रस्तुतियों व वास्तुकला डिजाइन के जरिए गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया। ज्यूरी सदस्य प्रमुख वास्तुकार खुर्रम अली ने छात्रों द्वारा प्रयोग वॉटरकलर रेंडरिंग, पेंसिल रंग अनुप्रयोगों और पर्सपेक्टिव व्यूज के लिए डायनामिक पेन स्केचिंग विधियों की सराहना की। उन्होंने बताया कि बैचलर इन आर्किटेक्चर के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन व मेटेरियल्स ज्यूरी लेने आर्किटेक्ट डॉ प्रभजोत सिंह सग्गा पहुंचे। उनके अनुसार इस सेमेस्टर के छात्रों का पूरा ध्यान स्टील को निर्माण सामग्री के रूप में और अधिक बढ़ाने पर रहा। छात्रों ने ट्रस, मेजानाइन फ्लोर, रोलिंग शटर व कोलेप्सिबल डोर डिजाइन आदि का प्रदर्शन किया।

कलेसर में हजारों खैर वृक्षों की हुई अवैध कटाई, वन्यजीव निरीक्षक निलंबित

यमुनानगर। यमुनानगर के कलेसर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्य जीव विहार क्षेत्र में खैर के हजारों पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने प्रशासनिक कार्रवाई की है। विभागीय जांच में व्यापक स्तर पर अवैध कटान की पुष्टि होने पर संबंधित क्षेत्र के वन्यजीव निरीक्षक लीलू राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद विभागीय हलकों में हलचल तेज हो गई है। वन विभाग को पिछले कुछ समय से कलेसर क्षेत्र में खैर के पेड़ों की अवैध कटाई संबंधी लगातार शिकायतें मिल रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, हरियाणा के निर्देश पर मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव), गुरुग्राम की अध्यक्षता में विशेष जांच समिति गठित की गई थी। समिति ने क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण करने के बाद 4 मई 2026 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। जांच रिपोर्ट में कुल 3253 खैर के पेड़ों की अवैध कटाई की पुष्टि की गई। इनमें 1473 नए कटान तथा 1780 पुराने कटान के मामले पाए गए हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि संबंधित क्षेत्र की निगरानी और संरक्षण की जिम्मेदारी वन्यजीव निरीक्षक लीलू राम के पास थी। इतने बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई सामने आने के बाद विभाग ने इसे गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए हरियाणा सिविल सेवा नियमों के तहत उन्हें निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय पंचकूला निर्धारित किया गया है।

बिजली संकट पर फूटा ग्रामीणों का आक्रोश, आधी रात को पावर हाउस का घेराव

यमुनानगर। भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही बिजली कटौती से नाराज ग्रामीणों ने रात यमुनानगर के व्यासपुर स्थित बिजली पावर हाउस के बाहर प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पावर हाउस का घेराव कर बिजली निगम के खिलाफ नारेबाजी की और आपूर्ति व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग उठाई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। ग्रामीणों के अनुसार कपरी, मारवा तथा आसपास के गांवों में पिछले कई दिनों से अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। देर रात विभिन्न गांवों के लोग व्यासपुर पावर हाउस पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। इसी प्रकार मिर्जापुर क्षेत्र में भी ग्रामीणों ने बिजली कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि पहले सीमित समय के लिए कट लगाए जाते थे, लेकिन पिछले एक सप्ताह से स्थिति अधिक खराब हो गई है। दिनभर काम के बाद रात में भी बार-बार बिजली बाधित होने से लोगों की नींद और दिनचर्या प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने कहा कि तेज गर्मी में छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को सबसे अधिक दिक्कत उठानी पड़ रही है।

सोनीपत के भटगांव हत्याकांड में दो सगे भाई पुलिस मुठभेड़ बाद गिरफ्तार

सोनीपत। सोनीपत के गांव भटगांव के पास युवक की हत्या कर फरार हुए दो सगे भाइयों को पुलिस ने अल सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए खानपुर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया है। मामले में पुरानी रंजिश सामने आ रही है। गांव भटगांव निवासी नवीन ने सदर थाना में दर्ज शिकायत में बताया कि उनका भाई बिट्टू रात अपने साथी सागर के साथ बाइक पर गांव लौट रहा था। दोनों फैक्टरी से वापस आ रहे थे। जैसे ही वे गांव से पहले लुहारी टिब्बा रोड पर पहुंचे, तभी बाइक सवार मोहित और प्रिंस ने उनकी आंखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया। इसके बाद आरोपियों ने बिट्टू पर गोली चला दी। गोली उनके हाथ और सिर में लगी। हमले के दौरान सागर किसी तरह जान बचाकर मौके से भाग निकला। भटगांव गांव के प्रवीण ने आरोपियों की बहन के साथ लव-मैरिज की थी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कश्यप समाज के लिए खोला घोषणाओं का पिटारा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि कैथल में महर्षि कश्यप के नाम से धर्मशाला बनाने के लिए समाज द्वारा प्रस्ताव देने पर उचित स्थान उपलब्ध करवाया जायेगा और इंद्री में महर्षि कश्यप के नाम से चौक का नामकरण करके वहां पर महर्षि कश्यप की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महर्षि कश्यप के नाम से चेयर स्थापित करने हेतु उचित फंड उपलब्ध करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री सैनी आज चंडीगढ़ में संत कबीर कुटीर में महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य-स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महर्षि कश्यप जी को नमन करते हुए कहा कि महर्षि कश्यप महान परोपकारी और प्रजापालक थे। उन्होंने समाज को एक नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। उन्होंने कश्यप समाज के इतिहास को गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे बलशाली राजा दिये। राजा निषाद् ने ही वनवास

के समय प्रभु श्री रामचंद्र जी को अपने यहां आश्रय दिया था। भक्त प्रह्लाद भी इस समाज की देन हैं। दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पंच प्यारों में भाई हिम्मत सिंह कश्यप जी भी इसी समाज से थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कश्यप समाज को साहसी, वीर, परिश्रमी और स्वाभिमानी बताया और कहा कि आप लोगों में अपार क्षमताएं हैं। आपको अभी बहुत आगे बढ़ना है। अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करके आप न केवल अपनी कौम का भला कर सकते हैं बल्कि पूरे समाज के विकास में रचनात्मक भूमिका निभा सकते है। उन्होंने समाज के लोगों से अपने बच्चों को नशा जैसी कुप्रवृति से दूर रखने की अपील की। उन्होंने देश एवं प्रदेश में विपक्ष को मुद्दाविहीन बताते हुए कहा कि वे केवल दुष्प्रचार कर रहे हैं, क्योंकि जनता ने उनको नकार दिया है। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा कश्यप समाज सहित अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचे। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का मूल मंत्र इसी भावना से प्रेरित है।

मुख्यमंत्री सैनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पिछड़ा वर्ग का सबसे बड़ा हितैषी बताया और कहा कि मोदी जी ने केंद्रीय ओ.बी.सी कमीशन को संवैधानिक दर्जा दिलवाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का विजन है। आज आवश्यकता है कि इस विजन को साकार करने के लिए हम जाति, क्षेत्र, भाषा जैसे भेदभावों को मिटाकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।

नीट अभ्यर्थियों को 20 और 21 जून को मिलेगी मुफ्त रोडवेज बस सेवा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

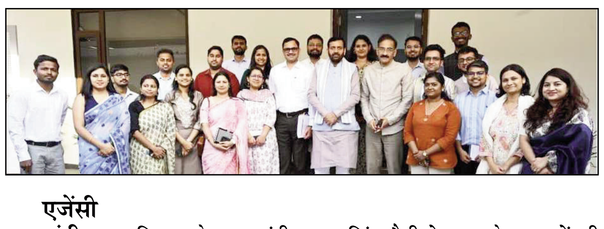

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य के युवाओं की सुविधा और उनकी परीक्षा संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 21 जून को आयोजित होने वाली नीट की परीक्षा के मद्देनजर 20 और 21 जून को पूरे हरियाणा में परीक्षार्थियों के लिए मुफ्त रोडवेज बस सेवा उपलब्ध करवाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा और उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी नीट अभ्यर्थी अपना एडमिट कार्ड दिखाकर 20 और 21 जून को किसी भी हरियाणा रोडवेज बस में निशुल्क यात्रा कर सकेंगे, ताकि उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले राज्य सरकार द्वारा सीईटी अभ्यर्थियों के लिए भी मुफ्त बस सेवा की सुविधा दी गई थी। इसी प्रकार अब नीट परीक्षार्थियों को भी मुफ्त बस सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी परीक्षार्थी लगन से परीक्षा में भाग लें और अच्छे से तैयारी करें। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की।

कांग्रेस नेताओं की मानसिकता हो चुकी है खराब: देवेंद्र अत्री

एजेंसी

जींद। उचाना विधायक देवेंद्र अत्री ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नही है, वो मुद्दाविहीन हो चुकी है। कांग्रेस हाशिये पर है। कांग्रेस के नेताओं की मानसिकता खराब हो चुकी है। हमारे देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने जो निर्णय लिए हैं वो देश हित में लिए हैं। कोरोना जैसी महामारी को भी हमने हराने का काम किया है। विश्व स्तर पर ईंधन की परेशानी है। जो पीएम नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया है, उसके साथ हम खड़े है। उचाना विधायक देवेंद्र अत्री पीएम नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाओ आह्वान के बाद हलके के गांव में इलेक्ट्रिक गाड़ी चला कर अपने साथियों के साथ पहुंचे। यहां पत्रकारों से बातचीत में विधायक ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाओ आह्वान पर मीडिया के माध्यम से देश, प्रदेशवासियों से अपील करता हैं कि ईंधन बचाते हुए डीजल, पेट्रोल की बचत करते हुए आगे बढ़ें। पीएम नरेंद्र मोदी के जो निर्णय होते हैं वो राष्ट्रहित के लिए होते हैं। ये कोई बड़ी बात नही है, ऐसा हम कर भी सकते हैं। पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह से सफा खेड़ी, डूमरखां के रास्ते झील पहुंचे। उचाना की सड़कों पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा खुद गाड़ी चलाते हुए ईवी (इलेक्ट्रिक) कार को दौड़ाई।

विधायक ने आमजन को ईंधन बचाने का पीएम नरेंद्र मोदी का संदेश देते हुए बस, ट्रेन से सफर करने के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहन का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। पीएम नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाने के आह्वान के बाद निरंतर विधायक पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सीएमजीजीए के साथ बैठक कर सुशासन और जनकल्याण योजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत कबीर कुटीर पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियों (सीएमजीजीए) के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को धरातल पर साकार करने की दिशा में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का मूल उद्देश्य आमजन के जीवन को सरल बनाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनता की छोटी से छोटी समस्या का भी संवेदनशीलता के साथ समाधान होना चाहिए और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना ही सुशासन की वास्तविक पहचान है। बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत अलग

अलग बैच के सीएमजीजीए ने अपने-अपने फील्ड अनुभव मुख्यमंत्री के समक्ष साझा किए। मुख्यमंत्री ने सभी सहयोगियों को निर्देश दिए कि वे अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित विस्तृत ब्रीफ नोट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में यह उल्लेख किया जाए कि फील्ड में कार्य करते समय किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, संबंधित अधिकारियों का सहयोग किस प्रकार मिला, कौन-कौन से प्रोजेक्ट प्रभावी रूप से आगे बढ़े तथा किन क्षेत्रों में अभी और कार्य किए जाने की आवश्यकता है। इस दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ सुझाव भी प्रस्तुत किए गए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फील्ड स्तर से प्राप्त अनुभव सरकार की नीतियों और योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिकारियों एवं सहयोगियों से जमीनी स्तर पर सक्रिय संवाद बनाए रखने तथा समस्याओं के समाधान के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान शिक्षा व्यवस्था, दीनदयाल योजना, स्वास्थ्य सेवा, जनसंवाद, जल प्रबंधन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही उन्होंने जनसंवाद के तहत आने वाली शिकायतों पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, उप प्रधान सचिव यशपाल यादव, ओएसडी राजेश संधू सहित विभिन्न विभागों के साथ कार्यरत मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी (सीएमजीजीए) उपस्थित रहे।

डॉ. वंदना पोपली की अध्यक्षता में संपन्न हुआ भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान

एजेंसी

रेवाड़ी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला रेवाड़ी द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' का समापन आज अटूट राष्ट्रनिष्ठा और संगठनात्मक संकल्प के साथ हुआ। जिला अध्यक्षा डॉ. वंदना पोपली की गरिमामयी अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत सुबह के सत्र में एक विशेष योगासन शिविर से हुई, जिसमें उपस्थित योग प्रशिक्षकों ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को मानसिक व शारीरिक दृढ़ता के लिए योग का गहन अभ्यास कराया। नाश्ते के उपरांत शुरू हुए प्रथम वैचारिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए सुमित्रा चौहान ने संगठन से जुड़े अपने गहरे व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और कार्यकर्ताओं को मूल मंत्र दिया कि किस प्रकार आपसी बेहतर समन्वय बनाकर मतदाताओं को पार्टी की विचारधारा से लगातार जोड़े रखना है। इस सत्र में स्वयं जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली ने सुमित्रा चौहान जी के साथ मंच साझा करने के साथ-साथ उनका गर्मजोशी से

स्वागत-सत्कार किया। इसके बाद के सत्रों में वरिष्ठ नेता ऋषिपाल जी और मनीष यादव ने संगठन की मजबूती तथा समसामयिक चुनौतियों पर अपनी बात रखी। मनीष यादव ने आज के बदलते डिजिटल और सामाजिक दौर में संगठन के स्वरूप को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार ढालने और नए लोगों को पार्टी के साथ जोड़कर उनके दिलों में जगह बनाने के गुर सिखाए। वहीं, आगामी सत्र में डॉ. सतीश खोला जी ने भी मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत कर संगठन निर्माण पर अपने महत्वपूर्ण संगठनात्मक सुझाव व प्रशिक्षण दिया। डॉ. सतीश खोला ने अपने वक्तव्य में 'फैमिली आईडी' परिवार पहचान पत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार सरकार इसके माध्यम से आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ निष्पक्ष व प्रभावी ढंग से पहुँचा रही है और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' के विचार को जमीन पर उतार रही है। इस प्रशिक्षण शिविर में नवनियुक्त चेयरमैन रेवाड़ी विनीता पीपल ने भी सभी नवनियुक्त पार्षदों के साथ विशेष रूप से शिरकत की व संगठन के कड़े अनुशासन के साथ-साथ इसकी बारीकियां सीखीं। इस प्रशिक्षण महाअभियान में 'डिजिटल इंडिया' की अद्भुत झलक भी देखने को मिली, जब भाजपा की आईटी IT टीम द्वारा एक विशेष तकनीकी सत्र का संचालन किया गया। इसके तहत एक लाइव ऑनलाइन क्विज प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों, कार्यकर्ताओं व वरिष्ठ पदाधिकारियों ने डिजिटल माध्यम से अपनी सहभागिता दर्ज कर अपनी राजनीतिक व सामान्य समझ को परखा।

आगामी नौ जून को वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और यूनियन पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज सदैव जनता को समर्पित रहते हैं और इसी का उदाहरण आज तब देखने को मिला जब हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के सैकड़ों सदस्य अम्बाला छावनी में उनकी कालोनी के बाहर अपनी मांगों को लेकर पहुंचे तो मंत्री अनिल विज स्वयं उनके बीच पहुंच गए और यूनियन सदस्यों को संबोधित किया। परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि कर्मचारी यदि उन्हें चिट्ठी भी भेज देते तो भी वह उस पर कार्रवाई करते। परिवहन मंत्री अनिल विज राज्यभर से आए रोडवेज कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने यूनियन पदाधिकारियों की बात सुनी है और ज्ञापन ले लिया है। उन्होंने चंडीगढ़ में विभागीय अधिकारियों से भी इस संबंध में बातचीत की है। उन्होंने बताया कि आगामी नौ जून को वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और यूनियन पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे तथा एक-एक बिंदु पर विचार करेंगे। इससे पहले, परिवहन मंत्री अनिल विज ने यूनियन के पदाधिकारियों से ज्ञापन भी लिया।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले

भी ऑल हरियाणा पॉवर कारपोरेशन वर्कर यूनियन के हजारों सदस्य मांगों को लेकर अम्बाला छावनी में पहुंचे थे जहां मंत्री अनिल विज ज्ञापन लेने प्रदर्शनस्थल पर ही पहुंच गए थे।

राष्ट्रवाद, संगठन और जनसमर्थन भाजपा के प्रमुख स्तंभ: डा. सतीश पूनिया

एजेंसी

चंडीगढ़। पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के तहत दूसरे दिन पंचकूला में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने दीप प्रज्वलित कर पहले सत्र का शुभारंभ किया। सत्र की अध्यक्षता मेयर श्याम लाल बंसल ने की। इतिहास और विकास विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डा. पूनिया ने कहा कि भाजपा की मूल विचारधारा राष्ट्रवाद है और संगठन की रीति-नीति कार्यकर्ताओं के माध्यम से आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं का न केवल व्यक्तित्व निखरता है, बल्कि उनकी संगठनात्मक क्षमता भी कई गुना बढ़ जाती है। कार्यक्रम में जिला प्रभारी रवि बतान, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा के अलावा वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। डा. पूनिया ने कहा कि भाजपा की यात्रा तीन प्रमुख स्तंभों संगठन, विचार और जनसमर्थन पर आधारित है। डॉ. पूनिया ने कहा कि दुनिया के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार हुआ जब किसी राजनीतिक दल के संरक्षक डा. श्यामा प्रसाद

मुखर्जी ने पार्टी और राष्ट्रहित में शहादत दी। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद करते हुए कहा कि एकात्म मानववाद की विचारधारा आज भी भाजपा सरकारों की नीतियों में दिखाई देती है। डॉ. पूनिया ने कहा कि वर्ष 1952 में जनसंघ को केवल तीन प्रतिशत वोट और तीन सीटें मिली थी, जबकि 2019 में भाजपा 303 सीटों तक पहुंची। उन्होंने इस संगठन और विचार की जीत बताते हुए कहा कि भाजपा आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बन चुकी है। उन्होंने आपातकाल और राम मंदिर आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश के बड़े जनआंदोलनों में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में राजनीतिक और विकासात्मक परिवर्तन आया है तथा अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बनना करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान है।

पशुपालकों के लिए बड़ी सौगात : टोल-फ्री नंबर 1962 पर कॉल करते ही 30 मिनट में घर पहुंचेगी मोबाइल वैन, मुख्यमंत्री ने दिए 24 घंटे सेवा के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पशुपालकों को बड़ी राहत देते हुए सरकार जल्द ही घर बैठे पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने जा रही है। अब पशु चिकित्सा विशेषज्ञों और सहायकों से लैस मोबाइल वैन टोल-फ्री नंबर 1962 के माध्यम से रात 10 बजे के बीच

से रात 10 बजे के बीच पशुपालकों के द्वार पर पहुंचेगी। इस योजना के तहत जैसे ही कोई पशुपालक टोल-फ्री नंबर पर कॉल करेगा, मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (रैपिड रिस्पॉन्स वैन) 30 मिनट के भीतर सीधे लाभार्थी के घर पहुंचेगी। इससे बीमार या घायल पशुओं को समय पर इलाज और आपातकालीन चिकित्सा देखभाल मिल सकेगी, जिससे पशुधन की हानि को रोका जा सकेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस महत्वाकांक्षी सुविधा की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आपातकालीन सेवा को केवल दिन तक सीमित न रखकर धीरे-धीरे 24 घंटे (24×7) की सेवा में बदला जाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य भर में पशुओं को रात के समय भी किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और सस्ती पशु चिकित्सा सहायता मिल सके।

इस कदम से राज्य के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले पशुपालकों को अपने बीमार पशुओं को अस्पताल ले जाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी और उनके समय व धन दोनों की बचत होगी।

भारतीय संस्कृति के प्रकाश स्तम्भ थे महर्षि कश्यप : डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा नेकहा कि महर्षि कश्यप भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रकाश स्तंभ थे। उन्होंने ज्ञान, तप और शोध के माध्यम से मानव सभ्यता को नई दिशा दी। उन्होंने स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे ग्रंथों की रचना कर समाज को मार्ग दिखाया। उनका प्रेरणादायक जीवन आज भी मानवता का मार्गदर्शन कर रहा है।

पानीपत रोड स्थित कश्यप चौक पर आयोजित कश्यप जयंती कार्यक्रम में डॉ. अरविंद शर्मा ने महर्षि कश्यप को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि कश्यप समाज का इतिहास प्राचीन काल से गौरवशाली रहा है। इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे शक्तिशाली राजा दिए, जिन्होंने भगवान राम को वनवास के दौरान आश्रय दिया था। आजादी के आंदोलन में भी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि महर्षि कश्यप को सृष्टि के प्रमुख ऋषियों में स्थान प्राप्त है। विभिन्न समाजों और वंशों की उत्पत्ति का श्रेय भी उन्हें दिया जाता है। उन्होंने समाज को भवन निर्माण के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भवन सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों

ज्ञान, सेवा, तप और मानव कल्याण का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

इसके बाद डॉ. अरविंद शर्मा शिव नगर पहुंचे और उत्तराखंड भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में उन्होंने का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस अवसर पर कुलदीप कश्यप, बलजीत सिंह मतौरिया, प्रवीण खुराना, हरीश कर्नाटक, पंडित दयालु तिवारी, दिनेश कांडपाल, श्याम लाल वशिष्ठ, पवन सरपंच, प्रदीप खरब और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

14 साल के बच्चे के अंगदान से कई मरीजों को मिला जीवन दान

एजेंसी

रोहतक। झज्जर जिले के एक 14 वर्षीय मासूम ने मौत के बाद भी जिंदगी की ऐसी मिसाल कायम की है, जिसने पूरे समाज को अंगदान के प्रति जागरूक कर दिया। सड़क हादसे में ब्रेन डेड घोषित हुए इस बच्चे के परिजनों अंगदान कर कई मरीजों को नया जीवन दान दिया है। अंग दान करने की प्रक्रिया सुबह छह बजे ही शुरू कर दी गई, जिसके चलते हृदय, लीवर, किडनी, गुर्दे और दोनों कॉर्निया के दान से कई मरीजों को नया जीवन मिलेगा। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. एच.के. अग्रवाल द्वारा प्रदेश में अंगदान को लेकर चलाई जा रही मुहिम से प्रभावित होकर परिजनों ने अंगदान का ऐतिहासिक फैसला लिया है। झज्जर जिले के गांव निवासी 14 वर्षीय मरीज घायल अवस्था में बीस मई को परिजन उसे पीजीआईएमएस रोहतक लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने भरसक प्रयास किया, लेकिन 21 मई को चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल के मार्गदर्शन में बनी डॉक्टर तरुण, डॉक्टर महिपाल और डॉक्टर अमरनाथ की कमेटी ने दो बार टेस्ट करने के पश्चात मरीज को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डॉ तरुण ने मरीज के ब्रेन डेड होने के पश्चात सोटो हरियाणा की टीम को दी। डॉ. अग्रवाल खुद चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल के साथ आईसीयू पहुंचे और गमगीन परिवार से मिले। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने परिजनों से बातचीत की और कहा कि आपका मासूम बच्चा अब लौटकर नहीं आएगा, यह कड़वा सच है। लेकिन उसका दिल किसी और बच्चे के सीने में धड़क सकता है। उसकी आंखें किसी को दुनिया दिखा सकती हैं। आपका बेटा भले ही चला गया, पर वह कई घरों का चिराग बन सकता है। अंगदान जीवन का सबसे बड़ा दान है। यह मौत पर जिंदगी की जीत है।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर मुनाफे से घाटे में आई, लुढ़ककर कर आधे हुए शेयर

नई दिल्ली।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर मुनाफे से घाटे में आ गई है। अनिल अंबानी की पावर कंपनी को 31 मार्च 2026 को खत्म हुई चौथी तिमाही में 494 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड घाटा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में रिलायंस पावर को 125.57 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ था। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में गिरावट के साथ 26.67 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से आधे से ज्यादा लुढ़क गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 11 जून 2025 को 76.49 रुपए पर थे। कंपनी के शेयर 25 मई को 26.67 रुपए पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 9 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, पिछले 6 महीने में रिलायंस पावर के शेयर 28 फीसदी से ज्यादा टूट गए हैं। इस साल अब तक रिलायंस पावर के शेयरों में 23 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। रिलायंस पावर के शेयर अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 95 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का ऑल टाइम हाई लेवल 565.65 रुपए है। कंपनी के शेयर 11 फरवरी 2008 को इस स्तर पर थे। इस लेवल से रिलायंस पावर के शेयर 95 फीसदी से ज्यादा टूट गए हैं। रिलायंस पावर ने मई 2008 में अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दिया है। कंपनी ने 3ः5 के रेशियो में अपने निवेशकों को बोनस शेयर दिए यानी, कंपनी ने हर 5 शेयर पर अपने शेयरधारकों को 3 बोनस शेयर बांटे। रिलायंस पावर की टोटल इनकम चौथी तिमाही में घटकर 1946.33 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की टोटल इनकम 2065.64 करोड़ रुपए रही है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 336.89 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। वहीं, इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 में रिलायंस पावर को 2947.83 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की टोटल इनकम घटकर 7988.52 करोड़ रुपए रही है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 8257.04 करोड़ रुपए थी।

ग्रामीण रोजगार के नए युग की शुरुआत, वीबी-जी-राम जी के मसौदा नियम जारी

1 जुलाई 2026 से मनरेगा की जगह लेगा यह अधिनियम

मुंबई।

केंद्र सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 (वीबी-जी-राम जी) के मसौदा नियम सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी कर दिए। यह नया अधिनियम 1 जुलाई 2026 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा और ग्रामीण रोजगार गारंटी के लिए एक नए आवंटन मॉडल का प्रस्ताव करता है। मसौदा नियमों पर 21 जून 2026 तक टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं। वीबी-जी-राम जी के मसौदा नियमों के अनुसार, केंद्र एक वित्त वर्ष में राज्यों को मानक निधि आवंटन के लिए 16वें वित्त आयोग के क्षैतिज हस्तांतरण फॉर्मूले का उपयोग करेगा। वित्त वर्ष 2027 से शुरू होकर, इस मानदंड-आधारित आवंटन का एक हिस्सा राज्यों के प्रदर्शन से भी जुड़ा होगा, जिसमें समय पर मजदूरी भुगतान, सामाजिक ऑडिट का अनुपालन और कार्यों को पूरा करने का प्रतिशत जैसे कारक शामिल होंगे। केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आवंटन प्रदर्शन या अन्य उपयुक्त मानदंडों पर आधारित होगा। अधिनियम के तहत केंद्र और राज्यों के बीच कोष का साझाकरण 60ः40 होगा, जबकि उत्तर-पूर्वी और पहाड़ी राज्यों के लिए यह अनुपात 90ः10 रहेगा। हालांकि, सिविल सोसायटी के एक समूह ने इस नए मानक आवंटन की आलोचना की है।

उनका तर्क है कि यह केंद्र को राज्यों को आवंटित की जाने वाली धनराशि की मात्रा मनमाने ढंग से तय करने का अधिकार देता है, जिससे रोजगार के दिनों की संख्या प्रभावित होगी और यह मनरेगा की मांग-आधारित भावना के विरुद्ध है। इसके जवाब में केंद्र ने स्पष्ट किया है कि मानदंड-आधारित धन मुहैया कराना वीबी-जी-राम जी को भारत सरकार की अधिकांश योजनाओं के बजट मॉडल के अनुरूप बनाता है और इससे रोजगार गारंटी कम नहीं होगी।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,134 , निफ्टी 330 अंक उछला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन भारी तेजी के साथ बंद हुआ। ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिका-ईरान के बीच समझौते की बढ़ती उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह आया है। इसी कारण दिन भर के बाजारों के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,134 अंक बढ़कर 76,549.82 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 330 अंक के ऊपर आकर 24,049.55 के पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान हर क्षेत्र में तेजी रही। ऑयल एंड गैस, मीडिया, ऑटो, बैंकिंग, एनर्जी और रिएल्टी सेक्टर्स में 1-1 फीसदी से ज्यादा की मजबूती रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। बड़े शेयरों के साथ-साथ छोटे और मध्यम शेयरों में भी आज काफी खरीदी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की बढ़त रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1 फीसदी उछला।

आज अदाणी समूह की अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में उछाल आया। एक रिपोर्ट के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की, जिससे यह स्टॉक 12 फीसदी से ज्यादा उछलकर 2,850.80 के साथ अपने 52 हफ्ते के नए उच्च स्तर पर पहुंच गये।

बाजार में कुछ शेयरों में मुनाफावसूली दर्ज की गयी। इसमें मैक्स हेल्थकेयर, ओएनजीसी, हिंडाल्को, टीसीएस, बजाज ऑटो, डॉलर के मुकाबले रुपये में शानदार रिकवरी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत रही।

सुबह के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 835 अंकों की बढ़त के साथ 76,250 के स्तर पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 247 अंक चढ़कर 23,967 पर पहुंच गया। एशियाई बाजारों से मिले मजबूत संकेतों ने भी भारतीय बाजार को बल मिला।

बकरीद पर 28 मई को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेगा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह सप्ताह अहम रहने वाला है। केंद्र सरकार ने बकरीद (ईद-उल-अजहा) के उपलक्ष्य में आगामी गुरुवार, 28 मई को गजेटेड हॉलिडे घोषित कर दिया है। इस घोषणा के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इस दिन कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर स्थिति स्पष्ट कर दी है। अब इक्विटी, डेरिवेटिव्स और अन्य सभी सेगमेंट में निवेश करने वाले अपनी खरीद-बिक्री की रणनीति में बदलाव करेंगे। गौरतलब है कि मई का महीना पहले से ही निवेशकों के लिए छुट्टियों भरा रहा है, जिसकी शुरुआत 1 मई के अवकाश से हुई थी। 28 मई की छुट्टी के बाद, 30 और 31 मई को वीकेंड होने के कारण निवेशकों को लंबा अवकाश मिलेगा। हालांकि, इस दौरान अमेरिका, यूरोप और एशियाई बाजारों में सामान्य ट्रेडिंग जारी रहेगी, इसलिए वैश्विक घटनाक्रमों पर नज़र बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

भू-राजनीतिक नरमी से क्रिप्टो बाजार में उछाल, बिटकॉइन 77,325 डॉलर पार

मुंबई।

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव में नरमी के संकेतों के बाद क्रिप्टो करेंसी बाजार में दूसरे दिन भी तेजी जारी है। प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 77,325.74 डालर के स्तर पर पहुंच गया है। इस सकारात्मक बदलाव के कारण निवेशकों का रुझान जोखिम वाली संपत्तियों की ओर बढ़ा है। ईरान और अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते और भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीद ने वैश्विक बाजारों को प्रभावित किया है। सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जबकि क्रिप्टो बाजार में रौनक लौट आई। भारतीय समयानुसार सुबह 11ः50 बजे बिटकॉइन 77,325.74 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था, जो रविवार को 76,688 डॉलर के आसपास था। पिछले 24 घंटों में इसने 0.75 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जबकि इसके` पिछले कारोबारी` दिन दोपहर से पहले 1.64 फीसदी की तेजी देखी गई थी। हालांकि, ईरान के हालिया बयान ने बाजार में नई अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसमें कहा गया है कि यदि अमेरिका उसकी फ्रीज की गई संपत्ति को रिलीज नहीं करता है तो युद्धविराम विफल हो सकता है।

तिमाही नतीजे से आयशर मोटर्स के शेयरों में 5.8 फीसदी की तेजी, निवेशक खुश

कंपनी का प्रदर्शन मार्च क्वार्टर में उम्मीद से बढ़कर अच्छा रहा

नई दिल्ली।

रॉयल इनफील्ड बनाने वाली आयशर मोटर्स के शेयरों की कीमतों में सोमवार को 5.8 फीसदी की तेजी आई। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह तिमाही नतीजे है, जिससे निवेशक काफी खुश हैं। जीएसटी कटौती की वजह से इस कंपनी का प्रदर्शन मार्च क्वार्टर के दौरान उम्मीद से बढ़कर अच्छा रहा। बीएसई में सोमवार को आयशर मोटर्स के शेयर बढ़त के साथ 7200.10 रुपए के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 5.8 फीसदी की तेजी के साथ 7389.55 रुपए के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए थे।

आयशर मोटर्स ने बताया कि मार्च तिमाही में प्रॉफिट 1519.95 करोड़ रुपए रहा है। सालाना आधार पर आयशर मोटर्स का प्रॉफिट 11.58 फीसदी बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 1362.15 करोड़ रुपए था। जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू से 6080.09 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 5241.11 करोड़ रुपए रहा था। बता दें, मार्च क्वार्टर के दौरान रॉयल इनफील्ड की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई है। कंपनी ने कुल 313811 यूनिट बाइक बेची है।

पूरे वित्त वर्ष की बात करें तो आयशर मोटर्स का प्रॉफिट 16.5 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 5515.23 करोड़ रुपए रहा।

वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का रेवन्यू से 24 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद 23407.56 करोड़ रुपए रहा है। आयशर के शेयरों के

प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं।

गोल्डमेन सेसे ने 8400 रुपए का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से बाय रेटिंग दी गई है। वहीं, सीएलएसए ने 7651 रुपए का टारगेट प्राइस सेट किया है।

इस ब्रोकरेज हाउस ने आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस एचएसबीसी ने 8200 रुपए का टारगेट प्राइस आयशर मोटर्स के शेयरों के लिए दिया है। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 35 फीसदी से ज्यादा देखने को मिली। इस कंपनी ने 3 साल में निवेशकों को 101 फीसदी का रिटर्न दिया है।

पाकिस्तान-श्रीलंका से कम बढ़ी भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें

पाकिस्तान, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस और नेपाल में 30 से 86 फीसदी तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक बार फिर बढ़ाई गई हैं, जो 10 दिनों में चौथी वृद्धि है। हालांकि, यह बढ़ोतरी पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार जैसे कई पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम है, जहां ईंधन के दाम आसमान छू रहे हैं। सोमवार को बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बीते 10 दिनों में पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.53 रुपये महंगा हुआ है। इसके विपरीत म्यांमार में पेट्रोल 90 फीसदी और डीजल 110 फीसदी तक महंगा हुआ है। पाकिस्तान, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस और नेपाल जैसे देशों में भी 30 से 86 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यूरोपीय यूनियन में तो पेट्रोल 180 रुपये और डीजल 184 रुपये प्रति लीटर के औसत भाव पर बिक रहा है, जो भारत से कहीं अधिक

है। यह बढ़ोतरी तेल कंपनियों को हो रहे भारी घाटे को कम करने के लिए की जा रही है। यूक्रेन युद्ध के कारण 76 दिनों तक कीमत न बढ़ने से कंपनियों को रोजाना 1000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था, जो अब घटकर 500 करोड़ रुपये रह गया है।

भारत में सोने का शौक बना अर्थव्यवस्था की चुनौती

नई दिल्ली।

भारत में सोना सदियों से भरोसे और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, पर अब इसकी भारी खरीददारी देश की अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन गई है। विशेषज्ञ बढ़ते आयात बिल और कमजोर रुपये के मद्देनजर सोने को परंपरा नहीं, बल्कि जरूरत और निवेश के नजरिए से देखने की सलाह दे रहे हैं, ताकि खरीददारी का तरीका बदला जा सके। भारतीय परिवारों के पास अनुमानित 34,600 टन सोना मौजूद है, लेकिन भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इससे चालू खाता घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव आता है, जो कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के साथ मिलकर आर्थिक दबाव बढ़ाता है। इसी कारण, हाल ही में प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक सोना खरीद टालने की अपील की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि लोग अक्सर गहना, निवेश और केवल मुनाफे के लिए की जाने वाली ट्रेडिंग के बीच अंतर नहीं कर पाते। पारंपरिक ज्वेलरी खरीद में मेकिंग चार्ज, जीएसटी और शुद्धता का आकलन मुश्किल होता है।

ईंधन मूल्य वृद्धि से चमके तेल विपणन कंपनियों के शेयर

एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी के शेयरों में 4 से 6 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बाद सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर कंपनियों के मुनाफे की उम्मीद पर पड़ा, जिससे निवेशक आकर्षित हुए। बीएसई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 5.86 प्रतिशत बढ़कर 412.55 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) में 4.55 प्रतिशत और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के शेयर में 4.15 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। यह तेजी सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2.61 से 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के तुरंत बाद आई, जो दो सप्ताह से भी कम समय में चौथी वृद्धि है। 15 मई से अब तक कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है, जिससे महंगाई और परिवहन लागत बढ़ने की चिंताएं

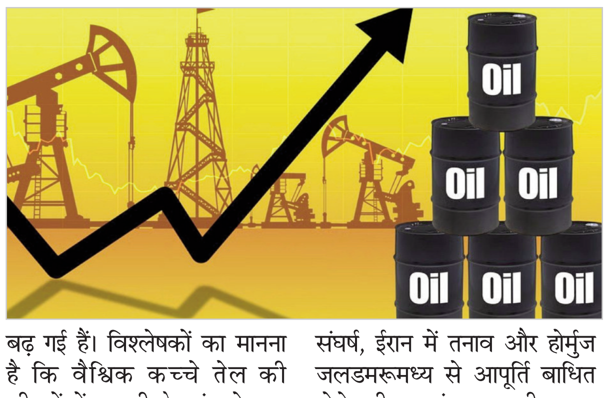

बढ़ गई हैं। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में फरवरी के अंत से अब तक 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। अमेरिका-इजराइल संघर्ष, ईरान में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति बाधित होने की आशंका इसकी मुख्य वजहें हैं, जो कच्चे तेल को महंगा कर रही हैं।

सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत 76,000 करोड़ का अधिकांश फंड किया गया उपयोग

धोलेरा में डिस्प्ले फैब को मिली मंजूरी, 22 महीनों में पहली माइक्रो-एलईडी स्क्रीन का लक्ष्य

नई दिल्ली।

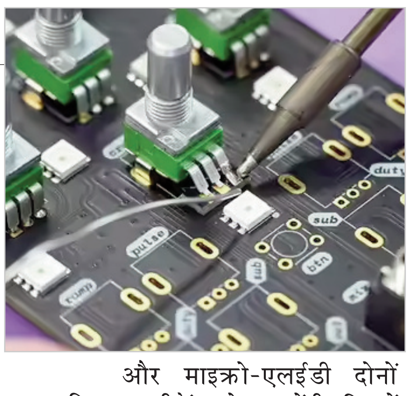

भारत के महत्वाकांक्षी इंडियन सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत निर्धारित लगभग 76,000 करोड़ रुपये के अधिकांश फंड का उपयोग कर लिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस साल देश में माइक्रो-एलईडी पैनल और माइक्रोचिप से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू होने वाली हैं, जो भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करेंगी। सेमीकंडक्टर नीति के तहत, गुजरात के धोलेरा में माइक्रो-एलईडी तकनीक लाने के लिए एक डिस्प्ले फैब को हाल ही में मंजूरी मिली है। मंत्री के अनुसार यह भारत के डिस्प्ले इकोसिस्टम के लिए एक उल्लेखनीय अवसर है। वैश्विक डिस्प्ले उद्योग में ज्योमेट्री के आकार में तेजी से कमी आ रही है, और 50 माइक्रोन पर माइक्रो-एलईडी उपयोगकर्ता अनुभव और कीमत दोनों में एलसीडी व ओएलईडी के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी बन जाता है। धोलेरा संयंत्र में मिनी-एलईडी और माइक्रो-एलईडी दोनों तकनीकें इस्तेमाल होंगी, जिसमें माइक्रो-एलईडी चिप का आकार 30 माइक्रोन गुणा 60 माइक्रोन होगा। उम्मीद है कि इस संयंत्र से पहली माइक्रो-एलईडी स्क्रीन लगभग 22 महीनों में तैयार हो जाएगी। सरकार माइक्रो-एलईडी को आज की तकनीक मानती है और इसमें भारत के लिए आगे बढ़ने का अवसर देखती है। रणनीति में प्रौद्योगिकी को साबित करना, आपूर्ति श्रृंखला बनाना, कार्यबल को प्रशिक्षित करना और फिर विस्तार करना शामिल है। इस लक्ष्य के साथ, भारत 2035 तक सेमीकंडक्टर विनिर्माण में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल होने की राह पर है, जिसमें डिस्प्ले निर्माण एक अहम हिस्सा है। सरकार भविष्य में विस्तार के लिए अतिरिक्त सहायता देने को भी तैयार है।

जून में रेपो दर स्थिर रख सकता है आरबीआई सर्वेक्षण

चालू वित्त वर्ष में दरों में बढ़ोतरी की संभावना

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला में संभावित व्यवधानों से उत्पन्न महंगाई की आशंका के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अपनी आगामी बैठक 3-5 जून में रेपो दर को वर्तमान स्तर पर यथावत बनाए रख सकती है। एक सर्वेक्षण में अधिकांश प्रतिभागियों ने यह उम्मीद जताई है। हालांकि, सर्वेक्षण में शामिल लगभग सभी विशेषज्ञों ने मौजूदा वित्त वर्ष में कम से कम एक बार दर वृद्धि की संभावना व्यक्त की है, जो ब्याज दरों के रुख में जल्द बदलाव का संकेत देता है। विश्लेषकों का मानना है कि खुदरा मुद्रास्फीति का आरबीआई के लक्ष्य (4 फीसदी) से नीचे बने रहना और पश्चिम एशिया संघर्ष के विकास दर पर संभावित नकारात्मक प्रभाव, केंद्रीय बैंक को प्रतीक्षा करो और देखो की रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

एचडीएफसी बैंक की एक अर्थशास्त्री के अनुसार, मौजूदा हालात में आरबीआई के लिए स्थिति पर नजर रखना सबसे उपयुक्त होगा। अप्रैल में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 3.48 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.40

फीसदी थी, मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण। हालांकि, यह अभी भी आरबीआई के 2 से 6 फीसदी के वहनीय दायरे में है। सर्वेक्षण के प्रतिभागियों का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक से लेकर तीन बार तक वृद्धि हो सकती है। उम्मीद है कि एमपीसी जून से नीतिगत दरों में वृद्धि शुरू कर देगी, जिससे वित्त वर्ष 2027 में कुल 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी होगी।

इसका कारण जिंसों के ऊंचे दाम और रुपये पर बढ़ता दबाव है, जिसने पिछले एक साल में डॉलर के मुकाबले 10 फीसदी से अधिक की गिरावट देखी है, जिससे मुद्रास्फीति का जोखिम बढ़ गया है। आरबीआई का मुद्रास्फीति लक्ष्य का लचीला ढांचा उसे आपूर्ति-पक्ष के झटकों को नजरअंदाज करने की गुंजाइश प्रदान करता है, जब तक कि मुद्रास्फीति 6 फीसदी की ऊपरी सीमा से नीचे रहती है।

उपभोक्ताओं को अब मिलेगा पूरा ईंधन, डिस्पेंसर जांच के बदले नियम

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल पंपों और गैस स्टेशनों पर उपभोक्ताओं को सही मात्रा में ईंधन सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब सरकारी मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) इन वितरण मशीनों की जांच कर उनकी सटीकता की पुष्टि करेंगे। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल के साथ-साथ सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और भविष्य के ईंधन हाइड्रोजन डिस्पेंसरों की सटीक माप सुनिश्चित करने के लिए कानूनी माप विज्ञान नियमों में संशोधन किया है। इस बदलाव के बाद, अब सरकारी मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र इन सभी ईंधन वितरण मशीनों की जांच करेंगे, जिससे उपभोक्ताओं को मिलने वाली मात्रा में पारदर्शिता और सटीकता बढ़ेगी। पहले जीएटीसी केवल 18 प्रकार के उपकरणों की जांच करते थे, लेकिन पांच नए ईंधन वितरण तंत्रों को शामिल करने के बाद यह संख्या बढ़कर 23 हो गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ईंधन वितरण में धोखाधड़ी पर अंकुश लगाना, राज्यों के विभागों पर बढ़ते दबाव को कम करना और स्वच्छ ईंधन के बढ़ते चलन के बीच उपभोक्ताओं के हितों की बेहतर सुरक्षा करना है। नए नियमों के तहत पेट्रोल-डीजल डिस्पेंसर की जांच के लिए प्रति

नोजल 5 हजार रुपये और अन्य ईंधन के लिए 10 हजार रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इससे निजी प्रयोगशालाओं की भागीदारी बढ़ेगी और जांच प्रक्रिया में तेजी व दक्षता आने की उम्मीद है।

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

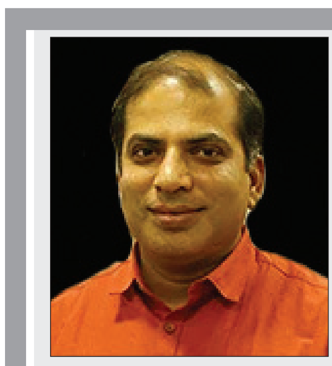

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा।

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि 'मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।' ट्रंप ने यह तक कहा कि 'हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।' यह बयान सिर्फ दोस्ती का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वॉशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है।

दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे में ताजमहल के दीदार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है।

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं।

दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है।

अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी

जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे। रूस के साथ रक्षा संबंध हों या पश्चिम एशिया में संतुलन, भारत किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होने से बचता रहा है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत भी है।

एक चीज और उभर कर आ रही है कि अमेरिका को अब भारत के साथ संबंधों में सिर्फ रणनीतिक भाषा नहीं, बल्कि व्यावहारिक निवेश की भी जरूरत है। अगर वॉशिंगटन वास्तव में चीन का प्रभाव कम करना चाहता है, तो उसे भारत में निर्माण, तकनीक और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने में गंभीर निवेश करना होगा। केवल भाषणों और समझौतों से बात नहीं बनेगी। देखा जाये तो भारत के भीतर कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिकी निवेश बड़ा बदलाव ला सकता है। उच्च तकनीक, रक्षा उपकरण निर्माण, डिजिटल डेटा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। एक तो अमेरिका को चीन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी दूसरा भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने का मौका मिलेगा।

लेकिन इस साझेदारी की असली परीक्षा भरोसे पर होगी। अमेरिका का पिछला रिकॉर्ड कई बार अस्थिर रहा है। अफगानिस्तान से अचानक वापसी और बदलती नीतियों ने उसके सहयोगियों को सतर्क किया है। भारत इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठा रहा है। वैसे भी आज की दुनिया में गठबंधन केवल युद्ध लड़ने के लिए नहीं बनते, बल्कि तकनीक, व्यापार, डेटा और सप्लाई चेन पर नियंत्रण के लिए भी बनते हैं। अमेरिका और भारत के रिश्ते अब इसी नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। यह संबंध केवल दो देशों के बीच साझेदारी नहीं, बल्कि एशिया और दुनिया की नई शक्ति संरचना का आधार बन सकता है। मार्को रुबियो की यात्रा इसी बदलती भू-राजनीति का संदेश है। संकेत साफ है कि अमेरिका को अब भारत की जरूरत महसूस हो रही है। और भारत भी यह समझ चुका है कि वैश्विक राजनीति में अब निर्णायक खिलाड़ी बनकर उतरने का समय आ गया है।

इसके अलावा, हाल के घटनाक्रमों ने यह भी साफ कर दिया है कि अमेरिका की चीन नीति उतनी सफल नहीं रही, जितनी ट्रंप प्रशासन उम्मीद कर रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चीन दौरे पर गए थे, लेकिन वहां उन्हें कोई बड़ी रणनीतिक सफलता हासिल नहीं हुई। व्यापार, तकनीक और भू-राजनीतिक तनाव जैसे मुद्दों पर बीजिंग ने अमेरिकी दबाव के सामने झुकने के संकेत नहीं दिए। विश्लेषकों का मानना है कि इसी के बाद वॉशिंगटन को दोबारा यह एहसास हुआ कि एशिया में चीन का संतुलन केवल भारत के सहयोग से ही संभव है। यही वजह है कि ट्रंप के सुर अब बदले-बदले नजर आ रहे हैं। ट्रंप की चीन यात्रा के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत पहुंचे और उन्होंने भारत को ह्लनेचुरल पार्टनरह्व बताते हुए रिश्तों को नई दिशा देने की बात कही। माना जा रहा है कि ट्रंप ने अपने बेहद करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भारत के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है। खुद सर्जियो गोर ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संबंधों को बेहद अहम मानते हैं। दरअसल, अमेरिका अब समझ चुका है कि चीन के साथ 'प्रतिस्पर्धा और सहयोग' की उसकी रणनीति सीमित परिणाम दे रही है, जबकि भारत के साथ मजबूत साझेदारी इंडो-पैसिफिक में उसे कहीं अधिक स्थिर और भरोसेमंद आधार दे सकती है।

संभवतः यह भी एक कारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने दौरे के दौरान साफ शब्दों में कहा कि भारत अब अमेरिका के 'सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगियों' में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों के बाद रुबियो ने संकेत दिए कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर सहमति बन सकती है। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि यह साझेदारी केवल टैरिफ या व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, निवेश, सप्लाई चेन और सामरिक सुरक्षा में गहरा सहयोग स्थापित करना है। क्वॉड को लेकर भी अमेरिका अब केवल औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर उसे वास्तविक आर्थिक और सामरिक गठबंधन के रूप में विकसित करना चाहता है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला प्रमुख एजेंडा होंगे। रुबियो के बयानों से यह साफ झलकता है कि वाशिंगटन अब भारत को केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में देख रहा है।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिछले लगभग एक वर्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के खिलाफ तीखे बयान, व्यापारिक दबाव और कई असहज संकेत लगातार सामने आते रहे, लेकिन नई दिल्ली ने कभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया या सार्वजनिक बयानबाजी का रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने संयम, धैर्य और रणनीतिक चुप्पी बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। भारत न तो अमेरिकी दबाव के आगे झुका और न ही संबंधों को टकराव की दिशा में जाने दिया। इसकी बजाय सही समय का इंतजार करते हुए भारत ने अपनी आर्थिक ताकत, वैश्विक प्रतिष्ठा और रणनीतिक महत्व को और मजबूत किया। आज स्थिति यह है कि वही अमेरिका, जो कभी भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था, अब रिश्तों को सुधारने और भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताने पर मजबूर है। यह केवल कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वासी भारत की तस्वीर है जिसने दुनिया को दिखा दिया कि मजबूत राष्ट्र शोर से नहीं, बल्कि धैर्य, संतुलन और सही रणनीति से अपनी जगह बनाते हैं।

संपादकीय

रुपये की गिरावट

यूं देश के आयात-निर्यात असंतुलन के चलते पिछले दो दशकों से रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट देखी गई है, लेकिन हाल के कुछ महीनों में इस गिरावट में तेजी आई है। खासकर ईरान-अमेरिकी युद्ध शुरू होने के बाद इसमें छह फीसदी की चिंताजनक गिरावट आई है। जो हमारी आयात पर अत्यधिक निर्भरता को ही दशार्ता है। यद्यपि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसे मुद्रा संकट कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया गिरावट हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, यह गिरावट भू-राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं। खासकर ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन, मालभाड़ा वृद्धि, भोजन और घरेलू खर्चों पर पड़ा है। इसके चलते रुपये के अवमूल्यन से कंपनियां तथा देश के नीति-निमार्ता भी खासे चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा में ऋण लेने वाली भारतीय कंपनियों पर ऋण चुकाने का अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। दरअसल, इन सभी कारणों से बढ़ते व्यापार घाटे का चालू खाते के घाटे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। जिसके चलते शेयर बाजार में लगातार गिरावट का ट्रेंड देखा जा रहा है। वास्तव में विदेशी निवेशक अनिश्चितता के वातावरण में सुरक्षित अमेरिकी कंपनियों में निवेश बढ़ा रहे हैं। फलतः अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश में लगातार निकासी का रुझान देखा जा रहा है। जिसने हमारी आर्थिक चिंताओं को और बढ़ाया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस जारी अस्थिरता को कम करने के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के माध्यम से हस्तक्षेप किया है, लेकिन ऐसे उपाय महज गिरावट की गति को कम करने के अलावा बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं।

चिंतन-मनन

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ। उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया। शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को निठल्ले नहीं बैठना है। तभी अवंतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हखा के कायाकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर आवंतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपइया : आम आदमी पर महंगाई की मार

दिलीप कुमार पाठक

आजकल सुबह आंख खुलते ही सबसे पहला डर इसी बात का होता है कि आज कौन सी चीज महंगी हो गई। हर दिन की तरह आज भी पेट्रोल और डीजल के दाम फिर बढ़ गए हैं। आज पेट्रोल में करीब 2.61 रुपए और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी हुई है। पिछले दस दिनों में यह चौथी बार है जब जेब पर इस तरह का डाका डाला गया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं मुंबई में तो पेट्रोल 111 रुपए के भी पार बिक रहा है। एक आम इंसान के लिए अब यह रोज का सिरदर्द बन चुका है। कमाई वही है, लेकिन खर्चे रॉकेट की रफ्तार से भाग रहे हैं।

साल 2014 में जब देश में मोदी सरकार आई थी, तब हर तरफ एक ही चर्चा थी कि अब महंगाई के दिन खत्म होने वाले हैं। बहुत हुई महंगाई की मार वाला नारा तो सबको याद ही होगा। तब लोगों को लगा था कि चलो, अब कोई ऐसी सरकार आई है जो रसोई गैस, दाल, तेल और पेट्रोल-डीजल के दाम कम करके आम जनता को चैन की सांस देगी। लेकिन आज इतने साल बीतने के बाद जब हम अपनी जेब देखते हैं, तो लगता है कि राहत की उम्मीद करना ही बेकार था। राहत मिलना तो दूर, अब तो गुजारा करना भी भारी पड़ रहा है। तेल के दाम बढ़ने का मतलब सिर्फ गाड़ी में महंगा पेट्रोल डालना नहीं होता। डीजल महंगा होते ही ट्रक और गाड़ियों का किराया बढ़ जाता है। इसका सीधा असर हमारे घर के राशन और रसोई पर पड़ता है। जो सब्जियां, दाल, दूध और अनाज मंडियों से हमारे घर तक आते हैं, उन सब की कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं। हाल ही में सरकार ने जो खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक देश की महंगाई दर 3.48% पर है। लेकिन इसी सरकारी आंकड़े में खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.20% से भी ऊपर चल रही है। सरकार भले ही टीवी और अखबारों में आंकड़ों का खेल दिखाकर यह कहे कि सब कुछ नियंत्रण में है, लेकिन बाजार जाकर जब जेब से पैसे ढीले होते हैं, तब असली हकीकत समझ आती है। जो सामान कुछ महीने पहले जितने में आता था, आज उतने पैसे में आधा सामान भी नहीं मिल रहा।

त्योहारों की खुशियाँ मनाने के बजाय अब लोग महीने का खर्च देखकर डरने लगे हैं।परेशानी सिर्फ खाने-पीने की चीजों तक ही रुकी हुई नहीं है। घर का गैस सिलेंडर आज हजार रुपये के पार पहुंच चुका है। इसके ऊपर से बच्चों की स्कूल फीस, बिजली का बिल और बीमारी के समय दवाइयों का खर्च अलग से कमर तोड़ देता है। सरकारी अस्पताल हो या प्राइवेट, हर जगह इलाज और दवाइयां आम आदमी के बजट से बाहर हो चुकी हैं। नौकरीपेशा लोगों की सैलरी सालों-साल उतनी ही रहती है, लेकिन बाजार की हर चीज महंगी होती जा रही है। महीने की दस या पंद्रह तारीख आते-आते मध्यमवर्गीय लोग पैसे गिनने लगते हैं कि बाकी का आधा महीना कैसे कटेगा।जब भी इस पर बात होती है, तो सरकार की तरफ से कह दिया जाता है कि दुनिया भर में मंदी है या कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। ठीक है, दुनिया की बातें अपनी जगह हैं, लेकिन जनता यह भी तो देखती है कि जब बाहर कच्चे तेल के दाम कम होते हैं, तब हमारे यहाँ पेट्रोल-डीजल सस्ता क्यों नहीं होता? सरकार भारी-भरकम टैक्स और सेस लगाकर अपना खजाना भरने में लगी है और उसका पूरा बोझ सीधे उस जनता पर आ रहा है जो पहले से ही पाई-पाई के लिए परेशान है।

आखिर में सवाल यही घूम-फिर कर आता है कि क्या वे अच्छे दिन सिर्फ चुनाव जीतने के वादे थे? लोगों ने बड़ी उम्मीद से वोट दिया था कि उनकी जिंदगी थोड़ी आसान होगी। लेकिन आज सच यह है कि सुबह की चाय से लेकर रात की रोटी तक, हर चीज पर महंगाई का हथौड़ा चल रहा है। अब लोग बुनियादी जरूरतों में कटौती करने लगे हैं - कोई दूध कम ले रहा है, तो कोई बच्चों की ट्यूशन बंद करवा रहा है। सरकार को अब यह कागजी आंकड़े छोड़ देने चाहिए और जमीन पर आकर देखना चाहिए, क्योंकि जब तक आम आदमी की थाली सस्ती नहीं होगी, तब तक तरक्की की सारी बातें बेकार हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

भारत की कृषि आत्मा को समर्पित जनसेवा प्रसारक का स्वर्णिम अध्याय

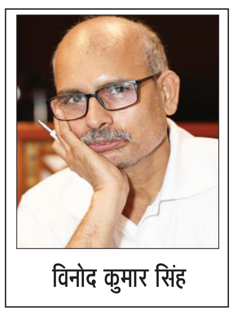

विनोद कुमार सिंह

डीडी किसान : 11 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा, जिसने खेत-खलिहानों को दिया ज्ञान, विश्वास और नई दिशा...

भारत केवल शहरों और महानगरों का देश नहीं है।इसकी वास्तविक आत्मा गांवों में बसती है,जहाँ खेतों की हरियाली,किसान का श्रम और ग्रामीण संस्कृति मिलकर राष्ट्र की आर्थिक शक्ति को मजबूत बनाते हैं।भारतीय लोकतंत्र की जड़ें यदि गाँवों में हैं,तो गाँवों की धड़कन किसान है।यही कारण है कि खेती, किसान और ग्रामीण भारत से जुड़ी सूचना,शिक्षा और जागरूकता का महत्व अत्यंत बढ़ जाता है।इसी आवश्यकता को समझते हुए 26 मई 2015को भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक दूरदर्शन ने 'डीडी किसान' चैनल की शुरूआत की थी।आज यह चैनल अपनी सफलतापूर्वक 11 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी कर चुका है। यह केवल एक टेलीविजन चैनल नहीं,बल्कि भारतीय कृषि समाज की आवाज,किसानों का साथी और ग्रामीण भारत का विकास मंच बन चुका है।डीडी किसान की शुरूआत ऐसे समय हुई थी जब भारतीय कृषि अनेक चुनौतियों से जूझ रही थी।जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून,खेती की बढ़ती लागत, घटती कृषि योग्य भूमि,बाजार की अस्थिरता और वैज्ञानिक जानकारी के अभाव जैसी समस्याएँ किसानों को प्रभावित कर रही थीं।ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल जागरूकता सीमित थी और अधिकांश किसान परंपरागत अनुभवों के आधार पर खेती कर रहे थे।ऐसे समय में किसानों के लिए समर्पित 247 चैनल की शुरूआत अपने आप में ऐतिहासिक कदम था।इस चैनल का उद्देश्य केवल कृषि समाचार देना नहीं था,बल्कि 'किसान को सूचना से सशक्त' बनाना था।यही कारण है कि डीडी किसान ने खेती को परंपरागत सीमाओं से निकाल कर आधुनिक विज्ञान,तकनीक और बाजार व्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया।भारत दुनिया की सबसे बड़ी कृषि अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है।ऐसे विशाल कृषि समाज के लिए समर्पित राष्ट्रीय चैनल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।डीडी किसान ने इस आवश्यकता को पूरा करते हुए किसानों तक उपयोगी और वैज्ञानिक जानकारी पहुँचाने का सशक्त माध्यम तैयार किया।डीडी किसान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसने किसानों को 'सूचना का अधिकार' व्यवहारिक रूप में प्रदान किया। वर्षों तक किसान केवल स्थानीय अनुभवों और सीमित जानकारी पर निर्भर रहते थे,लेकिन इस चैनल ने खेती को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने की नई सोच विकसित की। मौसम आधारित खेती,जल संरक्षण,ड्रिप इरिगेशन,प्राकृतिक खेती, जैविक उर्वरकों का उपयोग, फसल विविधीकरण, मधुमक्खी पालन,मत्स्य पालन,डेयरी उद्योग और कृषि आधारित स्वरोजगार जैसे विषयों को लगातार प्रमुखता दी गई।चैनल के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मौसम खबर'और'मंडी समाचार' किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए।'मौसम खबर' में विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुसार मौसम पूवार्नुमान और फसल आधारित सलाह दी जाती रही, जबकि 'मंडी समाचार' ने किसानों को विभिन्न मंडियों के भाव और बाजार की जानकारी देकर बेहतर निर्णय लेने में सहायता प्रदान की।डीडी किसान ने किसानों को खेती की बदलती तकनीकों से भी जोड़ा। आज देश का किसान मोबाइल एप, ड्रोन तकनीक,मिट्टी परीक्षण, माइक्रो इरिगेशन,डिजिटल मंडी और प्राकृतिक खेती जैसे आधुनिक कृषि शब्दों से परिचित है।इस जागरूकता के पीछे जनसंचार माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है,जिसमें डीडी किसान अग्रणी रहा।चैनल ने केवल खेती तक अपने कार्यक्रम सीमित नहीं रखे, बल्कि ग्रामीण जीवन के व्यापक विकास को भी केंद्र में रखा।महिला स्वयं सहायता समूह,ग्रामीण उद्यमिता, डिजिटल भुगतान,कौशल विकास,ग्रामीण स्वास्थ्य,शिक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों को भी प्रमुखता दी गई।यही कारण है कि यह चैनल 'कृषि चैनल' से आगे बढ़कर 'ग्रामीण भारत का विकास चैनल' बन गया।डीडी किसान की एक प्रेरक पहल 'सफल किसान' कार्यक्रम रहा। इसमें देशभर के उन किसानों की कहानियाँ दिखाई गईं जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक तकनीक अपनाकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।किसी किसान ने जैविक खेती से लाखों की आय अर्जित की, तो किसी ने मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन को रोजगार का माध्यम बनाया।इन वास्तविक कहानियों ने लाखों किसानों के भीतर आत्मविश्वास जगाया।भारत में दूरदर्शन की परंपरा स्वयं अत्यंत गौरवशाली रही है।वर्ष 1967 में शुरू हुआ 'कृषि दर्शन' कार्यक्रम भारतीय टेलीविजन इतिहास के सबसे लंबे समय तक चलने वाले कार्यक्रमों में गिना जाता है।डीडी किसान ने उसी परंपरा को आधुनिक स्वरूप और 24 घंटे की निरंतरता प्रदान की।डीडी किसान की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने कृषि वैज्ञानिकों,शोध संस्थानों और किसानों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया।कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों से जुड़े विशेषज्ञों को मंच देकर चैनल ने वैज्ञानिक शोध को खेतों तक पहुँचाने का कार्य किया।इससे 'लैब टू लैंड' की अवधारणा को मजबूती मिली।आज डिजिटल मीडिया के युग में भी डीडी किसान का महत्व कम नहीं हुआ है।देश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी दूरदर्शन और डीडी फ्री डिश की पहुँच अत्यंत व्यापक है।सीमित संसाधनों वाले किसान परिवारों तक निःशुल्क पहुँचने की क्षमता ने इस चैनल को विशेष रूप से प्रभावशाली बनाया है।यही इसकी सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति है।ग्रामीण भारत में आज भी ऐसे लाखों परिवार हैं जहाँ निजी डिजिटल प्लेटफॉर्म या महँगे चैनल उपलब्ध नहीं हैं,लेकिन डीडी किसान उनके घर तक पहुँचता है।यही कारण है कि इसकी विश्वसनीयता लगातार बनी हुई है।डीडी किसान ने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को लोकप्रिय बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।पिछले कुछ वर्षों में रसायन मुक्त खेती,देसी बीजों के संरक्षण और मोटे अनाज यानी मिलेट्स के प्रति बढ़ती जागरूकता में जनसंचार माध्यमों की बड़ी भूमिका रही है।चैनल ने लगातार मिलेट्स, गो आधारित खेती और पर्यावरण संतुलन जैसे विषयों को प्रसारित कर कृषि को सतत विकास से जोड़ने का प्रयास किया।जल संकट और बदलते जलवायु परिदृश्य को देखते हुए चैनल ने 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप',सूक्ष्म सिंचाई और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को भी प्रमुखता दी।खेती में पानी बचाने की तकनीकों पर आधारित कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में काफी लोकप्रिय हुए।डीडी किसान ने ग्रामीण महिलाओं की भूमिका को भी नई पहचान दी।खेतों से लेकर पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।चैनल ने महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों की सफलता की कहानियों को सामने लाकर उन्हें प्रेरणा का स्रोत बनाया। वैश्विक महामारी कोविड- 19 महामारी के दौरान डीडी किसान किसानों के लिए भरोसेमंद सूचना माध्यम बनकर उभरा। लॉकडाउन के समय किसानों के सामने फसल कटाई,श्रमिक संकट और परिवहन जैसी समस्याएँ थीं।उस समय चैनल ने किसानों तक आवश्यक जानकारी पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।उस दौर में यह चैनल ग्रामीण भारत की सूचना जीवनरेखा बन गया था।तकनीकी दृष्टि से भी डीडी किसान ने समय के साथ स्वयं को बदला है।हाल के वर्षों में चैनल ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और आधुनिक प्रस्तुति शैली को अपनाया।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एआई एंकर 'एआई कृष' और 'एआई भूमि' की शुरूआत ने इसे तकनीकी नवाचार की दिशा में भी अग्रणी बना दिया।यह इस बात का संकेत है कि भारतीय कृषि संचार भी तेजी से डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ रहा है।डीडी किसान की 11 वर्षों की यात्रा वास्तव में भारतीय कृषि संचार क्रांति की कहानी है।यह यात्रा केवल एक चैनल की सफलता नहीं, बल्कि उस सोच की सफलता है जिसमें किसान को राष्ट्र निर्माण का केंद्र माना गया।आज भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।ऐसे समय में कृषि क्षेत्र की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला किसान ही हैं।इसलिए किसानों को सशक्त बनाना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका की पीएम बोलीं- तनाव भरी दुनिया में कॉमनवेल्थ बेहद जरूरी मंच

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसुरिया ने कहा है कि आज के बढ़ते वैश्विक तनाव और अस्थिर माहौल में राष्ट्रमंडल राष्ट्र सदस्य देशों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मंच बन गया है। उन्होंने 21 मई 2026 को कॉमनवेल्थ महासचिव शर्ली बॉचवे से मुलाकात के बाद यह बयान दिया। श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय कानून लगातार कमजोर हो रहे हैं। ऐसे समय में कॉमनवेल्थ जैसे संगठन देशों के बीच भरोसा बढ़ाने और संवाद बनाए रखने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सहयोग, साझेदारी और एक-दूसरे की आवाज सुनना आज पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। अमारासूर्या ने कहा कि कॉमनवेल्थ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विविध सदस्यता है, जहां छोटे और विकासशील देशों को भी अपनी बात रखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे संघर्षों का असर सीधे श्रीलंका जैसे देशों पर पड़ रहा है। मध्य पूर्व संकट के कारण खाद्य पदार्थ, ईंधन और उर्वरकों की कीमतें बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों पर पड़ रहे असर को कम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कॉमनवेल्थ आने वाले समय में और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है।

बांग्लादेश- दो अहम बंदरगाहों का इस्तेमाल करेगा अमेरिका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश और अमेरिका के बीच हुए 3 बड़े रणनीतिक समझौतों के बाद बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक समीकरण बदलने के संकेत मिल रहे हैं। बांग्लादेश ने अमेरिका को अपने दो अहम बंदरगाहों चिटगांव-मतारबाड़ी के इस्तेमाल की अनुमति देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सैन्य और सुरक्षा से जुड़ी खुफिया सूचनाएं साझा करने पर भी सहमति बनी है। अमेरिकी नौसेना व सैन्य जहाज अब इन दोनों बंदरगाहों का इस्तेमाल कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अमेरिका की हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में रणनीतिक मौजूदगी काफी मजबूत होगी। चिटगांव बंदरगाह भारत के अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से करीब 1100 किमी दूर है, इसलिए इसे भारत की सुरक्षा और सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका की विशेष नजर मलक्का स्ट्रेट पर है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है और वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। तेल, गैस और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए भी यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

स्पेन : रैली निकाल मांगा पीएम का इस्तीफा

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन के समाजवादी प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को राजधानी मैड्रिड में हजारों स्पैनवासियों ने विशाल विरोध रैली निकाली। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पीएम के आधिकारिक आवास के चारों और लगी बाधाओं को तोड़ने की कोशिश भी की। स्पेनिश सिविल सोसाइटी एसोसिएशन की अगुवाई में स्पैनवासियों ने यह रैली भ्रष्टाचार के कई घोटालों के सामने आने के विरोध में निकाली। इन लोगों के हाथों में समाजवादी माफिया का इस्तीफा और अन्य नारों वाले बैनर थे। विपक्षी पीपल्स पार्टी और धुर-दक्षिणपंथी वॉक्स पार्टी के नेताओं ने भी इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान पुलिस ने पीएम के आवास मोंक्लोआ पैलेस की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क पर नकाबपोश लोगों के एक समूह को हिरासत में लिया। इस पैलेस में ही सांचेज अपने परिवार के साथ रहते हैं। मार्च फॉर डिग्निटी (गरिमा मार्च) में हजारों प्रदर्शनकारी शामिल हुए।

सेनेगल : राष्ट्रपति ने पीएम को हटाया

डकार, एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने वर्षों से जारी तनाव के बाद पीएम ओस्मान सोनको को बर्खास्त कर दिया है। सरकार के महासचिव उमर सांबा बा ने शुक्रवार देर रात इस फैसले की घोषणा की। पास्टेफ पार्टी के फाये व सोनको के बीच खुले टकराव के बाद यह बर्खास्तगी की गई। दबा ने कहा, पीएम को बर्खास्त करने के बाद सरकार के सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।

स्पेसएक्स का अब तक का सबसे बड़ा स्टारशिप प्रक्षेपित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अब तक का अपना सबसे बड़ा, शक्तिशाली व अगली पीढ़ी के उन्नत स्टारशिप रॉकेट का सफल परीक्षण किया। इस परीक्षण में रॉकेट में 20 नकली उपग्रहों का एक समूह तैनात किया था। स्टारशिप, टेक्सास के दक्षिणी छोर से रवाना हुआ और हिंद महासागर में नियंत्रित लैंडिंग की। यह उस रॉकेट की 12वीं परीक्षण उड़ान है, जिसे एलन मस्क लोगों को मंगल तक ले जाने के लिए तैयार कर रहे हैं।

ट्रंप थे व्हाइट हाउस के अंदर, बाहर चलीं गोलियां; सीक्रेट सर्विस ने संदिग्ध को किया ढेर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास शनिवार रात अचानक गोलीबारी से हड़कंप मच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस परिसर के नजदीक 17 स्ट्रीट और पेनसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू इलाके में करीब 30 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनी गई। यह इलाका आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवन के पास स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक संदिग्ध बंदूकधारी ने व्हाइट हाउस के बाहर बने सुरक्षा बूथ पर फायरिंग शुरू कर दी, जहां सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। जवाबी कार्रवाई में सीक्रेट सर्विस के जवानों ने भी गोली चलाई, जिसमें संदिग्ध हमलावर घायल हो गया। इस गोलीबारी में एक राहगीर भी घायल हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि किसी सीक्रेट सर्विस अधिकारी के घायल होने की खबर नहीं है।

गोलीबारी के समय व्हाइट हाउस में मौजूद थे ट्रंप : घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे। फिलहाल उनके सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि व्हाइट हाउस की छत पर काउंटर स्नाइपर्स को तैनात किया गया, ताकि किसी भी संभावित खतरे से तुरंत निपटा जा सके। घटना के समय सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके की निगरानी बढ़ा दी थी। इस गोलीबारी के बाद पूरे इलाके में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई। व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन को तुरंत खाली कराया गया और कुछ समय के लिए लॉकडाउन लागू किया गया। वहां मौजूद पत्रकारों ने बताया कि गोलियों की आवाज सुनते ही उन्हें प्रेस ब्रीफिंग रूम के अंदर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया।

सोशल मीडिया पर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने दी जानकारी : अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्हें 17वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू के पास गोली चलने की सूचना मिली है। यह इलाका व्हाइट हाउस से सिर्फ एक ब्लॉक दूर बताया जा रहा है। एजेंसी ने कहा कि जमीन पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर जानकारी की पुष्टि की जा रही है।

रिपोर्ट- हमलावर खुद को जीजस मानता था : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नासिरे बेस्ट मानसिक रूप से परेशान था और वह पहले भी कई बार व्हाइट हाउस के आसपास देखा गया था। उसके खिलाफ कोर्ट का आदेश था कि वह व्हाइट हाउस के पास नहीं आए, लेकिन उसने इस आदेश को नहीं माना। रिपोर्ट के मुताबिक, 26 जून 2025 को उसने सड़क पर गाड़ियों का रास्ता रोक दिया था। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेंटल हेल्थ सेंटर भेजा गया था। करीब दो हफ्ते बाद, 10 जुलाई 2025 को वह व्हाइट हाउस के प्रतिबंधित इलाके में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गिरफ्तारी के समय उसने खुद को आज के दौर का जीजस बताया था। उसने अधिकारियों से यह भी कहा था कि वह गिरफ्तार होना चाहता था।

इलाके में 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही : गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद पत्रकारों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस एजेंट्स हथियारों के साथ पूरे इलाके में तैनात हो गए और करीब 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही। एफबीआई, सीक्रेट सर्विस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी। व्हाइट हाउस कॉम्प्लेक्स के नॉर्थ लॉन को खाली करा दिया गया है। स्वच्छ डायरेक्टर काश पटेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सुरक्षा एजेंसियां फायरिंग की खबर पर कार्रवाई कर रही हैं।

व्हाइट हाउस में मौजूद थे कई पत्रकार : रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को व्हाइट हाउस परिसर के आसपास मौजूद पत्रकारों ने कई गोलियों की आवाजें सुनीं। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत सभी पत्रकारों को प्रेस ब्रीफिंग रूम में जाने का निर्देश दिया। कुछ देर बाद सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से उन्हें बाहर निकलने से भी रोक दिया। इससे इलाके में तनाव और सतर्कता का माहौल बन गया।

घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित बताए गए हैं और उन्हें किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं, वॉशिंगटन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने फिलहाल मामले पर विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्द ही मामले को लेकर बयान जारी कर सकती है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके की निगरानी कर रही हैं और आसपास की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

कांगो में इबोला का खतरा बढ़ा: इलाज केंद्र में आगजनी के बाद 18 संदिग्ध मरीज लापता

किंशासा , एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला वायरस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। हालात तब और गंभीर हो गए जब गुस्साए लोगों ने इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए एक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। इस घटना के बाद 18 संदिग्ध मरीज वहां से भाग निकले और अब उनका कोई पता नहीं चल पाया है। यह एक सप्ताह के भीतर दूसरा हमला है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं वायरस को और तेजी से फैलाने का खतरा बढ़ा रही हैं। इलाके में पहले से ही डर और तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय अस्पताल के निदेशक डॉ. रिचर्ड लोकुडी ने बताया कि मोंगबवालु शहर में शुक्रवार रात कुछ लोग इलाज केंद्र पहुंचे और वहां लगे एक टेंट में आग लगा दी। यह टेंट संदिग्ध और पुष्टि वाले इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाया गया था। यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठन बिना सीमाओं के डॉक्टर की मदद से चलाया जा रहा था। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और मरीज जान बचाने के लिए बाहर भागने लगे। इसी दौरान 18 संदिग्ध मरीज लापता हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना बेहद चिंताजनक है क्योंकि संक्रमित लोग समुदाय में वायरस फैला सकते हैं। इससे एक दिन पहले र्वामपारा शहर में भी एक इलाज केंद्र को आग लगा दी गई थी। वहां एक व्यक्ति की इबोला से मौत का शक था और प्रशासन ने परिवार को शव ले जाने की अनुमति नहीं दी थी। इबोला से मरने वाले लोगों के शव बेहद संक्रामक माने जाते हैं और अंतिम संस्कार के दौरान वायरस फैलने का

खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से प्रशासन खुद अंतिम संस्कार करवा रहा है। लेकिन कई परिवार और स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शनिवार को र्वामपारा में भारी सुरक्षा के बीच इबोला मरीजों का सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया। सैनिकों और पुलिस की मौजूदगी में रेड क्रॉस के कर्मचारी सुरक्षा सूट पहनकर ताबूत दफनाते दिखाई दिए। परिवार के लोग दूर खड़े होकर रोते रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कांगो में इबोला का खतरा अब बहुत उच्च स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसके फैलने का खतरा अभी कम माना जा रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने बताया कि असली संक्रमितों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकती है। यह वायरस बंडीबुग्यो प्रकार का दुर्लभ इबोला है, जिसका अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों के अनुसार शुरुआती मामलों की पहचान में देरी हुई, जिससे वायरस कई हफ्तों तक बिना पकड़े फैलता रहा। पूर्वोत्तर कांगो में प्रशासन ने 50 से ज्यादा लोगों के जुटने और अंतिम संस्कार सभाओं पर रोक लगा दी है।रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ ने बताया कि उसके तीन स्वयंसेवकों की भी इबोला संक्रमण से मौत हुई है।

मोरक्को के राजा ने अफ्रीका कप फाइनल हिंसा के 18 सेनेगली प्रशंसकों को दी माफी; सांचेज से मांगा इस्तीफा

रबात, एजेंसी। मोरक्को के राजा मोहम्मद ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फाइनल के दौरान हुई हिंसा के मामले में जेल भेजे गए 18 सेनेगली फुटबॉल प्रशंसकों को माफ कर दिया है। यह फैसला ईद-अल-अजहा के मौके पर मानवीय आधार पर लिया गया। इन प्रशंसकों को फरवरी 2026 में खेल परिसर को नुकसान पहुंचाने और खेल आयोजन के दौरान हिंसा फैलाने के आरोप में एक साल तक की सजा सुनाई गई थी। कुछ लोग अपनी सजा पूरी भी कर चुके थे। जनवरी में खेले गए अफ्रीका कप फाइनल में सेनेगल और मोरक्को के बीच मुकाबले के दौरान भारी हंगामा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ सेनेगली समर्थकों ने मैदान में घुसने की कोशिश की थी। वहीं सेनेगल की टीम ने मेजबान मोरक्को को दिए गए आखिरी मिनट के पेनल्टी फैसले का विरोध करते हुए मैदान छोड़ दिया था। हालांकि सेनेगल ने मैच 1-0 से जीत

लिया था, लेकिन बाद में अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ ने विवादित फैसला लेते हुए सेनेगल से खिताब छीनकर मोरक्को को चैंपियन घोषित कर दिया। सेनेगल ने इस फैसले के खिलाफ अपील की थी। घटना के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया था और सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले संदेश भी सामने आए थे। इसके बावजूद दोनों देशों के नेताओं ने आपसी रिश्ते मजबूत बनाए रखने और व्यापार बढ़ाने पर सहमति जताई।

असीम मुनीर ने पेजेश्कियन और गालिबाफ से की मुलाकात, ईरान के राष्ट्रपति ने इस्लामिक एकता पर दिया जोर

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर से संबंधित बातचीत के सिलसिले में तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से मुलाकात की। ईरान के आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, सीडीएफ मुनीर ने ईरान के संसदीय स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी मुलाकात की है। अल अरबिया ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि मुनीर ने तेहरान को अमेरिका के मैसेज भेजे थे और उन मैसेज में युद्ध फिर से शुरू करने की धमकी भी शामिल थी। मेहर न्यूज के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि 'अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।' पेजेश्कियन ने मुनीर से मुलाकात के दौरान अपनी बात की शुरुआत इस्लामिक एकता की जरूरत पर जोर देते हुए की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने असल में अंतरराष्ट्रीय कानूनी फ्रेमवर्क के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने जोर दिया, 'हम बस अपने देश के जायज और कानूनी अधिकारों को असलियत में लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। ' बार-बार वादे तोड़ने, बातचीत के दौरान हमलों और अधिकारियों की हत्याओं की वजह से अमेरिका पर ईरानियों के भरोसे में कमी का जिक्र करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा, 'ऐसे हालात में, ईरान बातचीत के रास्ते पर है, पाकिस्तान जैसे दोस्त देशों के साथ भाईचारे वाले संबंधों पर भरोसा कर रहा है, लेकिन हमारा मुख्य मकसद बस सही समाधान के साथ ईरानी देश के हितों को सुरक्षित करना है। ' उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में अमेरिका नहीं जीतेगा; बल्कि, इस इलाके और दुनिया के देशों को गंभीर नुकसान होगा। यहूदी शासन ही एकमात्र पार्टी है जो युद्ध के जरिए इस इलाके में अपने फायदे सुरक्षित करना चाहती है। ' दूसरी तरफ, मुनीर ने कहा कि इजरायल मुसलमानों के बीच झगड़े और मतभेद में अपना फायदा ढूंढता है। पाकिस्तान सिर्फ स्थिरता बनाना चाहता है और इलाके में युद्ध को जारी रहने और दोबारा होने से रोकना चाहता है। सेना ने एक बयान में कहा है कि आसिम मुनीर ने ईरान का एक छोटा लेकिन बहुत फायदेमंद दौरा पूरा कर लिया है। इस दौरे के दौरान उन्होंने ईरानी नेतृत्व के साथ उच्च स्तरीय मीटिंग की। बयान में कहा गया है कि पिछले ?24 घंटों में हुई बातचीत से आखिरी समझौते की दिशा में अच्छी तरक्की हुई है। इसके अलावा, पाकिस्तान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान में ईरान के कृषि मंत्री घोलमरेजा नूरी घेजेलजेह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने कृषि क्षेत्र में समझौतों में तेजी लाने और जरूरी चीजों के ट्रांसपोर्ट को आसान बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच कृषि और पशुधन व्यापार में साझा मौकों पर भी जोर दिया।

सर्बिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज, बेलग्रेड में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। हजारों लोगों ने राष्ट्रपति के खिलाफ प्रदर्शन किया। रैली खत्म होने के बाद कुछ प्रदर्शनकारी समूहों और दंगा पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, बोतलें और फ्लेयर फेंके, जबकि पुलिस ने जवाब में पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। सर्बिया में पिछले कई महीनों से भ्रष्टाचार और सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है। इस प्रदर्शन को छात्र संगठनों और युवाओं का बड़ा समर्थन मिला। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। हजारों लोग राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिच की सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन की शुरुआत नवंबर 2024 की ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद हुई थी। छात्र संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं और समय से पहले चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया।

प्रदर्शन के बाद बेलग्रेड में हिंसा कैसे भड़की : बेलग्रेड के केंद्रीय चौक पर हुई बड़ी रैली शुरुआत में शांतिपूर्ण रही। प्रदर्शनकारी 'स्टूडेंट्स विन' लिखी टी-शर्ट और बैनर लेकर पहुंचे थे। लेकिन मुख्य कार्यक्रम खत्म होने के बाद कुछ युवा समूह पुलिस से भिड़ गए। रिपोर्ट के अनुसार इनमें कई फुटबॉल हूलीगन भी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर कूड़ेदान लाकर बैरिकेड बनाए और पुलिस पर चीजें फेंकीं। इसके बाद दंगा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। पुलिस ने इलाके में दंगा नियंत्रण वाहन भी तैनात किए ताकि प्रदर्शनकारी दोबारा मुख्य इलाके में न पहुंच सकें।

छात्र आंदोलन आखिर किस मुद्दे पर शुरू हुआ : सर्बिया में यह आंदोलन नवंबर 2024 में हुई एक ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद शुरू हुआ था। देश के उत्तरी हिस्से में हुई इस दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने भ्रष्टाचार और सरकारी लापरवाही के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन शुरू कर दिए। आंदोलन लगातार बढ़ता गया और भारी दबाव के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक को इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि बाद में सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया। छात्र संगठनों का आरोप है कि सरकार भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग को रोकने में विफल रही है। प्रदर्शनकारी अब समय से पहले संसदीय चुनाव कराने और कानून के शासन को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। प्रदर्शन में शामिल माजा मिलास मार्कोविच नाम की एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि छात्रों ने अपनी ऊर्जा और एकजुटता से लोगों को साथ लाने का काम किया है।

रूस के कॉलेज पर हुए ड्रोन हमले में मौत का आंकड़ा बढ़ा, मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हुई

मॉस्को, एजेंसी। रूस के लुहांस्क इलाके के स्टारोबेल्स्क में एक डॉरमेट्री पर हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार मलबे में और शव मिले हैं। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सर्विस ने बताया कि मलबे के नीचे तीन और बच्चे हो सकते हैं। रूस की तास न्यूज एजेंसी ने मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया, 'मलबे से दो और लोगों की लाशें बरामद की गईं। इससे घायलों की कुल संख्या 60 हो गई है, जिनमें से 18 की मौत हो गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को स्टारोबिल्स्क कॉलेज पर यूक्रेन के हमले की निंदा की थी। रूसी जांच कमेटी की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको के मुताबिक, कॉलेज को यूक्रेन की आर्म्ड फोर्सेज ने चार फिक्स्ड-विंग यूएवी से हमला किया था। जब हमला हुआ, तो 14 से 18 साल के 86 बच्चे उस जगह पर मौजूद थे। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस हमले की निंदा की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, 'हम आम लोगों और आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले किसी भी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वे कहीं भी हों। यूक्रेन के बारे में, मैं यह बताना चाहूंगा कि हम स्टारोबिल्स्क शहर में एक कॉलेज की बिल्डिंग और डॉरमेट्री पर रातभर हुई गोलाबारी की रिपोर्ट पर चिंता के साथ नजर रख रहे हैं, जिसमें बच्चों समेत कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। ' इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन हैं। दुजारिक ने आगे कहा, 'हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे ऐसे किसी भी काम से बचें जिससे पहले से ही खतरनाक स्थिति और बिगड़ सकती है।

हमले के बाद रूस के कहने पर बुलाई गई सुरक्षा परिषद की मीटिंग में वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि हथियारों वाली लड़ाई के दौरान बच्चों, स्कूलों और अस्पतालों को कभी भी टारगेट नहीं बनाया जाना चाहिए। फ्रेजियर ने कहा, 'आम लोगों, बच्चों, मानवीय मदद करने वाले लोगों और आम चीजों को, जिसमें स्कूल और अस्पताल भी शामिल हैं, कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उनके घरों, उनके क्लासरूम और उनके भविष्य को नुकसान नहीं स्वीकार किया जा सकता। ' यूएन में अमेरिका की उपस्थायी प्रतिनिधि टैमी ब्रूस ने कहा, 'हम कल रात लुहांस्क में हुई मौतों और घायलों की रिपोर्ट पर नजर रख रहे हैं। इस हमले से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिले हैं। जब तक हम इन सवालों के जवाब का इंतजार कर रहे हैं, हम युद्ध को हमेशा के लिए, बातचीत से खत्म करने के तरीके के तौर पर तुरंत और पूरी तरह से सीजफायर की जरूरत पर जोर देते हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा : अमेरिका-ईरान शांति समझौता लगभग तय, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोला जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन और तेहरान एक बड़े शांति समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब पहुंच चुके हैं। यह बातचीत मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के कई नेताओं के साथ हुई कॉल्स के बाद आगे बढ़ी, जिनमें पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर और खाड़ी देशों के नेता भी शामिल थे। शनिवार को 'ट्रुथ सोशल' पर किए गए एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्र के कई देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है और अब सिर्फ कुछ आखिरी बातें बाकी हैं। ट्रंप ने लिखा, 'मैं व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हूं, जहां अभी हमारी सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद, यूएई के मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, कतर के अमीर तमीम बिन हमद बिन खलीफा अल थानी, प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम बिन जाबेर अल थानी, कतर के मंत्री अली अल-थावादी, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर अहमद शाह, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यह बातचीत ईरान और शांति से जुड़े एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर केंद्रित थी।'

ट्रंप ने कहा कि यह हाल के महीनों में ईरान और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर उनकी सबसे बड़ी कूटनीतिक पहल में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि? अमेरिका, ईरान और ऊपर बताए गए दूसरे देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है, बस अंतिम मंजूरी बाकी है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने अलग से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और वह भी बहुत अच्छी रही।

ट्रंप के मुताबिक, अब बातचीत समझौते की आखिरी शर्तों और विवरणों पर चल रही है। डील के अंतिम पहलुओं और बारीकियों

पर चर्चा जारी है, और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। ट्रंप के बयान का सबसे अहम हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर था। यह एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल गुजरता है। उन्होंने लिखा, 'समझौते के कई दूसरे हिस्सों के साथ-साथ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी खोला जाएगा।' इस बयान पर भारत में भी खास नजर रहेगी, क्योंकि भारत अपनी तेल जरूरतों के लिए खाड़ी देशों से बड़े पैमाने पर आयात करता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव को हमेशा चिंता की नजर से देखता रहा है।

अगर ईरान से जुड़ा तनाव कम होता है, तो इससे तेल की कीमतों, शिपिंग में रुकावट और सप्लाई चेन से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, ट्रंप ने इस प्रस्तावित समझौता ज्ञापन की पूरी जानकारी साझा नहीं की और न ही यह बताया कि इसमें कौन-सा देश क्या भूमिका निभाएगा। व्हाइट हाउस की तरफ से भी फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की गई है।

60 दिन के लिए बढ़ेगा अमेरिका-ईरान युद्धविराम : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर बड़ी कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार दोनों देश 60 दिन के लिए युद्धविराम बढ़ाने के करीब पहुंच गए हैं। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को धीरे-धीरे दोबारा खोलने और ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम भंडार को कम करने या सौंपने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी पाबंदियों में ढील देने और कुछ प्रतिबंध हटाने पर सहमत हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम को पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

खाने की गलत आदतें बनाती हैं मधुमेह का रोगी

स्वस्थ रहने के लिए मीठा और नमक कम लें

- यह मायने नहीं रखता है कि आप दिन में कितना अच्छा खाते हैं लेकिन उसे किस समय और कितनी मात्रा में खाते हैं यह मायने रखता है
- खाने की कुछ सामग्री जैसे स्वीट स्नैक, डीप फ्राइड स्नैक आदि खाना मधुमेह होने के सबसे बड़े कारण है
- हाई ग्लेसेमिक फूड जैसे-पास्ता, मैगी, कोल्ड ड्रिंक, बर्गर आदि खाने से शरीर में ब्लड शुगर बढ़ती है
- डिनर के बाद डेजर्ट का सेवन बहुत रिस्की होता है क्योंकि खाने में पहले ही शुगर मौजूद होती है और इसके बाद भी मीठा आपके ब्लड शुगर में कितना इजाफा कर देगा शायद आपको इसका अंदाजा भी नहीं हो पाएगा

हमारा शरीर एक मशीन है और मशीन में कुछ भी ज्यादा डाला जाएगा तो वह अनियंत्रित हो जाएगी जैसे खाने में नमक ज्यादा होगा तो हाई बीपी, यदि खाने में मीठा ज्यादा लेंगे तो ब्लड शुगर हो जाएगी। खाने में मिर्च-मसाले ज्यादा लेंगे तो आंतों और किडनी की प्रॉब्लम हो जाएगी। खाने में तला-भुना ज्यादा लेंगे तो दिल की बीमारी हो जाएगी। पूरे विश्व में आज मीठे की बीमारी यानी शुगर अनाप-शनाप भोजन की आदतों के चलते एक आम संकट बनती जा रही है। मल्टीनेशनल कम्पनियां, खाने को प्रिजर्व करके लोगों के सामने पेश करती हैं जिससे लोग उसके आदी हो जाते हैं और उनको मधुमेह जैसे रोग होने का रिस्क बढ़ जाता है। फास्ट फूड और जंक फूड खाने की गंदी आदतें सबसे ज्यादा यंग जेनरेशन और बच्चों में देखने को मिलती हैं। ऐसे खाद्य पदार्थो को खाने से बॉडी में केलोस्ट्रॉल बढ़ जाता है जिससे मोटापा होता है और मोटापा ही अधिकांश बीमारियों की जड़ है। यह बात साफ है कि हाई ग्लेसेमिक फूड जैसे-पास्ता, मैगी, कोल्ड ड्रिंक, बर्गर आदि खाने से शरीर में ब्लड शुगर बढ़ती है जिससे शरीर में डायबटीज हो जाती है क्योंकि बॉडी में इंसुलिन कम हो जाती है। ऐसी ही कई और भी खाने की गलत आदतें हैं जो लोगों में डायबटीज का कारण बनती है।

किन आदतों से होती है डायबटीज

ब्रेकफास्ट न करना: कई लोग सुबह नाश्ता नहीं करते या नाश्ता करने में ढिलाई बरतते हैं। नाश्ता करने से पूरे दिन शरीर को ऊर्जा मिलती है और यह सबसे हेल्दी आदत होती है। अगर आप सदैव सुबह समय पर नाश्ता करते हैं तो डायबटीज का खतरा कम हो जाता है। भूखे रहने से शरीर में शुगर लेवल बढ़ जाता है जिससे डायबटीज होने का खतरा बढ़ जाता है।

उच्च जीआई फूड खाना : फास्ट फूड और जंक फूड, उच्च जीआई फूड होते हैं। इनके सेवन से डायबटीज होने का शत-प्रतिशत खतरा रहता है क्योंकि इन्हें खाने से बॉडी में जल्दी से ग्लूकोज स्रवित होता है और ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

बैड वसा का सेवन करना : हर तरीके का फैट, शरीर व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं होता है। ऑलिव ऑयल और फिश ऑयल, शरीर को ताकत देते हैं। लेकिन फास्ट फूड या जंक फूड में अनहेल्दी फैट होते हैं जो शरीर में चर्बी को बढ़ाते हैं जो ताकत नहीं देते। इनमें जीरो फाइबर होता है।

स्नैक्स : यह मायने नहीं रखता है कि आप दिन में कितना अच्छा खाते हैं लेकिन उसे किस समय और कितनी मात्रा में खाते हैं यह मायने रखता है। इसके अलावा, खाने की कुछ सामग्री जैसे-स्वीट स्नैक, डीप फ्राइड स्नैक (जैसे समोसा) आदि खाना मधुमेह होने के सबसे बड़े कारण बनते हैं।

कोल्ड ड्रिंक : कई लोग खाने के दौरान कोल्ड ड्रिंक पीते हैं जो सबसे हानिकारक होते हैं। इससे मोटापा तो बढ़ता ही है साथ में शरीर भी खराब होता है यानी कई रोग लग जाते हैं।

फलों-सब्जियों का सेवन न करना : फलों और सब्जियों में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और फाइबर होते हैं जो शरीर को मजबूत बनाते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखते हैं, इनसे पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। कई लोग फल-सब्जियों को नहीं खाते, इससे उनके शरीर में शुगर लेवल अंसतुलित हो जाता है।

हानिकारक है किसी भी समय खा लेना : स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थो को खाने की आदत अच्छी होती है। वहीं हर टाइम कुछ न कुछ खाने की आदत अच्छी नहीं होती। कुछ लोगों को कभी भी और कहीं भी कुछ भी खा लेने में एतराज नहीं होता जैसे आधी रात में उठकर खाने लगना आदि। इससे पाचन क्रिया तो खराब होती ही है साथ ही शुगर लेवल बढ़ जाता है।

खाने के बाद डेजर्ट : मार्केटिंग के जर्बदस्त तरीके ने यह ट्रेंड ला दिया है कि खाने के बाद डेजर्ट जैसे आइसक्रीम, मिठाई खाई जाती है। फैक्ट यह है कि डिनर के बाद डेजर्ट का सेवन बहुत रिस्की होता है क्योंकि जो आपने खाना खाया है उसमें पहले ही शुगर मौजूद होती है और इसके बाद भी मीठा आपकी ब्लड शुगर में कितना इजाफा कर देगा शायद आपको इसका अंदाजा भी नहीं होगा।

बच्चों को एडिक्ट होने से बचाएं

लंदन। किसी भी चीज की लत हमेशा बुरी ही कहलाती है जबकि समय-समय पर किए जाने वाले कार्यो में यह बात लागू नहीं होती। लंदन में हुए एक शोध में बच्चों के विभिन्न तरह के एडिक्शन्स को लेकर शोध किया गया। इसमें मुख्य रूप से टीवी, मोबाइल और वीडियो गेम्स को शामिल किया गया। जिसमें पाया गया कि तकरीबन 84 प्रतिशत बच्चे वीडियो गेम खेलने के एडिक्ट निकले, जबकि अन्य 16 प्रतिशत का आंकड़ा अन्य चीजों में व्यस्तता का निकला, वह भी थोड़े-थोड़े समय के अंतराल में। इस शोध के नतीजों में पाया गया कि बच्चों के लंबे समय तक टेलीविजन देखने या मोबाइल पर गेम्स खेलने से उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ने के साथ--साथ उनमें भावनात्मक समस्याएं भी पैदा होती हैं। लंदन में हुए एक नए शोध में यह चेतावनी जारी की गई है। इतना ही नहीं 7 साल की उम्र के बच्चों के इंटरनेट इस्तेमाल को नियंत्रित नहीं करने पर उनका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी बढ़ जाता है। लड़कियों के लिए यह समस्या ज्यादा गंभीर है। चार साल की बच्चियों के सप्ताहांत में वीडियो गेम्स और कम्प्यूटर का इस्तेमाल करने से उनके छह साल के होने तक उनमें भावनात्मक समस्याएं पैदा होने लगती हैं।ज्यादा टीवी देखने से लड़के और लड़कियों दोनों का परिवार के साथ भावनात्मक संबंध खत्म होने का जोखिम भी बढ़ जाता है।

पैरेन्ट्स थोड़ा ध्यान दें :

बच्चों के एडिक्शन को नरजअंदाज करने की आदत सबसे पहले पैरेन्ट्स को बदलना होगी। सबसे पहली ड्यूटी उन्हीं की बनती है कि वे बच्चे की रोजमर्रा की आदतों पर ज्यादा से ज्यादा गौर करें और उन्हें किसी भी एडिक्शन से बचाने में उनकी मदद करें। अगर बच्चा टेलीविजन देख रहा है या वीडियो गेम खेल रहा है तो अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी सामग्री उनकी आयु के हिसाब से उपयुक्त है। उसे कितना समय इन चीजों में बिताना चाहिए यह भी तय होना जरूरी है। तभी काफी हद तक बच्चों के व्यवहार में सुधार लाया जा सकता है।

यह शोध यूरोप के दो से छह साल की आयु के 3600 बच्चों पर किया गया। यह शोध 'जर्नल जेएएमए पीडिएट्रिक्स' में प्रकाशित हुआ है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

हंसी के फूव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'

'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ .'

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.

'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.

'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?

रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा- 'यह साइकिल तुम्हारी है?'

'जी नहीं.'

'तुम्हारा नाम'

'जी वह मेरा अपना है.'

काकुरो पहेली - 4065

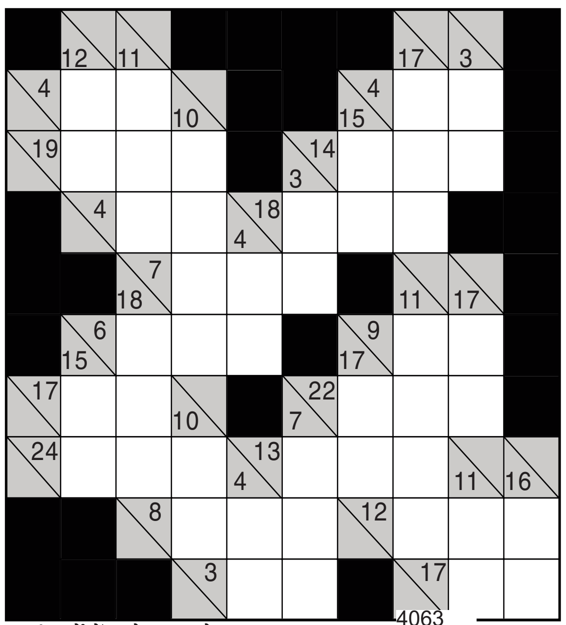

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

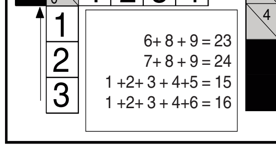

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 342 का हल

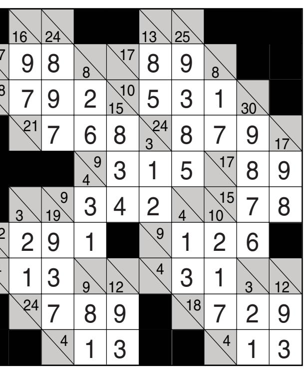

फिल्म वर्ग पहेली - 4065

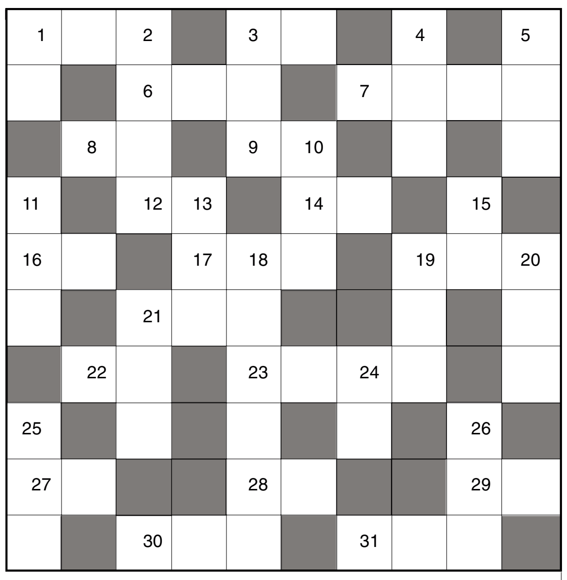

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म4063

फिल्म वर्ग पहेली - 342

सूडोकु -4065

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4064 हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली 4065

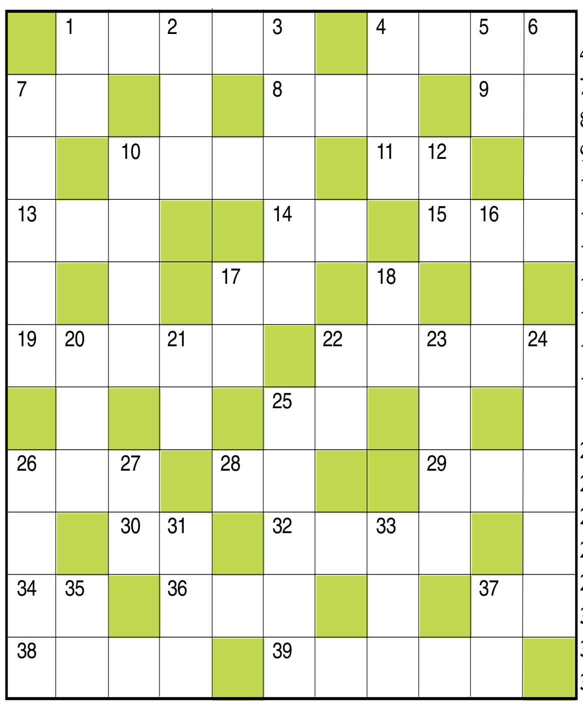

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोङ्क्टग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली 4064 का हल

एएसजी आई हॉस्पिटल ने मनाई दूसरी वर्षगांठ, एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं आंखों के सभी प्रमुख इलाज

एजेंसी

नई दिल्ली। आंखों से जुड़ी सभी प्रमुख जांच और उपचार सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने वाले एएसजी आई हॉस्पिटल ने अपनी दूसरी वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सकों, अस्पताल कर्मियों और अन्य अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. शिशिर शेखर सिंह, डॉ. ईशा अग्रवाल, डॉ. चेतन, डॉ. अंकुर भटनागर, डॉ. अक्षय कुमार और डॉ. मोह्ताशम तौहीद सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। डॉ. शिशिर शेखर सिंह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में अस्पताल ने हजारों मरीजों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा, क्यू-लासिक, रेटिना जांच एवं सर्जरी, ग्लूकोमा उपचार, भेंगापन उपचार, ऑक्यूलोप्लास्टी, बाल नेत्र रोग उपचार और चश्मा परामर्श सहित विभिन्न नेत्र रोगों का उपचार अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से किया जा रहा है। वर्षगांठ के अवसर पर मरीजों के लिए विशेष नेत्र जांच शिविर और परामर्श सुविधा भी आयोजित की गई। अस्पताल प्रबंधन ने भविष्य में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई।

अमेरिकी विदेश मंत्री के 500 अरब डॉलर के आयात वाले बयान पर कांग्रेस का हमलावर, देश की विदेश नीति प्रभावित करने का जड़ा आरोप

नई दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के भारत द्वारा ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और कृषि क्षेत्रों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान खरीदने वाले बयान पर कांग्रेस हमलावर है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत की विदेश नीति और व्यापार समझौतों से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रमों की जानकारी लगातार वॉशिंगटन से सामने आ रही है, जबकि नई दिल्ली की ओर से चुप्पी बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अमेरिका के सामने एकतरफा झुकाव दिखा रही है और इससे देश के आर्थिक एवं रणनीतिक हित प्रभावित हो रहे हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि वर्तमान में भारत का वार्षिक आयात 52.9 अरब डॉलर के आसपास है। ऐसे में यदि अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान खरीदने की प्रतिबद्धता का दावा सही है तो भारत को अमेरिका से अपने आयात में भारी वृद्धि करनी होगी। इससे देश की अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार और घरेलू उद्योगों पर असर पड़ सकता है। रमेश ने आरोप लगाया कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा ट्रंप प्रशासन के टैरिफ से जुड़े फैसले को रद्द किए जाने के बाद मलेशिया जैसे देशों ने अमेरिका के साथ अपने व्यापार समझौतों को निरस्त घोषित कर दिया, लेकिन भारत सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया।

बंगाल सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए 'होल्डिंग सेंटर' बनाने का दिया आदेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने राज्य के सभी जिलों में संदिग्ध अवैध बांग्लादेशियों और प्रत्यावर्तन की प्रतीक्षा कर रहे विदेशी कैदियों के लिए 'होल्डिंग सेंटर' स्थापित करने का निर्देश दिया है। राज्य गृह एवं पर्वतीय मामलों विभाग की विदेशी शाखा ने 23 मई को जारी आदेश में जिला प्रशासन से आवश्यक ढांचा तैयार करने को कहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इन केंद्रों का उपयोग उन विदेशी नागरिकों को अस्थायी रूप से रखने के लिए किया जाएगा, जिन पर अवैध रूप से भारत में रहने का संदेह है या जिनकी निर्वासन प्रक्रिया जारी है। आदेश में कहा गया है कि यह कदम केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हाल ही में राज्य में 'डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट' नीति लागू करने की घोषणा की थी। इसके बाद इस प्रशासनिक आदेश को सरकार की सख्त घुसपैठ विरोधी नीति का हिस्सा माना जा रहा है। आदेश में पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्रालय की उस सलाह का उल्लेख किया गया है, जिसमें भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं से निपटने की प्रक्रिया तय की गई थी। जिला मजिस्ट्रेटों से कहा गया है कि वे 'पकड़े गए विदेशियों' और 'रिहा किए गए विदेशी कैदियों' के लिए होल्डिंग सेंटर स्थापित करें, ताकि प्रत्यावर्तन पूरा होने तक उन्हें वहां रखा जा सके।

कर्नाटक नदी हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख, मृतक परिजनों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के कारवार जिले में हुए नदी हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स हैंडल पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के कारवार जिले में हुई त्रासदी से वह गहरे आहत हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार क्षेत्र में तत्थेहकालु नदी में बड़ा हादसा हो गया। पुलिस के अनुसार एक ही परिवार के लोग नदी में सीपियां इकट्ठा करने गए थे। इसी दौरान अचानक पानी का स्तर बढ़ गया और तेज बहाव में कई लोग बह गए। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 7 महिलाएं हैं।

सूरत में 'जमनाबा विद्यार्थी भवन' का लोकार्पण, 1000 विद्यार्थियों को मिलेगी आधुनिक शिक्षा और संस्कारयुक्त आवास सुविधा

एजेंसी

सूरत। सूरत के वालक पाटिया स्थित मणिबेन चौक में श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज-सुरत द्वारा निर्मित भव्य 'जमनाबा विद्यार्थी भवन' का सोमवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के हाथों लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने 31 फीट ऊंची और 9 टन वजनी सरदार वल्लभभाई पटेल की पंचधातु प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, राज्यसभा सांसद गोविंद ढोलकिया सहित बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक और औद्योगिक क्षेत्र के अग्रणी उपस्थित रहे।नवनिर्मित छात्र भवन में 1000 विद्यार्थियों के लिए रहने और अध्ययन की आधुनिक व्यवस्था की गई है। यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान प्रयोगशाला, अत्याधुनिक पुस्तकालय तथा संस्कारयुक्त वातावरण उपलब्ध कराया

गया है। साथ ही परिसर में 'स्वर्गीय केशुभाई पटेल सभागार' का उद्घाटन भी किया गया। भवन के प्रवेश द्वार पर 51 फीट ऊंचे स्तंभ पर राष्ट्रध्वज फहराया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि पाटीदार समाज ने खेती से लेकर पंचायत और संसद तक हर क्षेत्र में अपनी मेहनत और प्रतिभा से अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि सूरत को विश्वस्तरीय हीरा, वस्त्र और निर्माण केंद्र बनाने में पाटीदार समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने समाज की दानशीलता और शिक्षा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि जिस समाज ने शिक्षा को प्राथमिकता दी, उसने हमेशा प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को हासिल किया है।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का उल्लेख करते हुए लोगों से पेट्रोल, पानी, बिजली और अन्य संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को जीवनशैली बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज और सरकार मिलकर कार्य करें तो विकास को नई गति मिल सकती है। हर्ष संघवी ने कहा कि सौराष्ट्र और गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों से सुरत पढ़ने आने वाले सामान्य परिवारों के विद्यार्थियों के लिए यह भवन वरदान साबित होगा।

महेसाणा में भीषण सड़क हादसा, तेज रफ्तार कार ने बाइक और मोपेड को मारी टक्कर, दो की मौत, आठ घायल

एजेंसी

महेसाणा। गुजरात के महेसाणा जिले में विजापुर के मोतीपुरा गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब राजस्थान की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बाइक और मोपेड से जा टकराई। जानकारी के अनुसार, कार चालक ने अचानक वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार ने सड़क से गुजर रहे बाइक और मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों दोपहिया वाहन सड़क से उछलकर पास के खेत में जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।

इस हादसे में बाइक और मोपेड सवार दोनों व्यक्तियों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं कार में सवार आठ लोगों को गंभीर और सामान्य चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल विजापुर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही विजापुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने बताया की दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण कार की तेज रफ्तार और चालक की लापरवाही माना जा रहा है, जिसकी जांच की जा रही है।

मन की शांति ही तन का योग सादृश्य... यही है आर्ट ऑफ लिविंग : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमने कभी दुनिया को हथियारों के बल पर जीतने की चेष्ठा नहीं की। हमने विश्वशक्ति नहीं, विश्वगुरु बनने का मार्ग चुना है। हमने हमेशा सबके सुख की कामना की है और वैश्विक कल्याण का नारा दिया है। उन्होंने कहा कि मन की शांति ही तन के योग सादृश्य है। जब मन शांत होता है, तभी शरीर सही संतुलन, स्वास्थ्य और सामंजस्य में रहता है। यही आर्ट ऑफ लिविंग है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कर्नाटक राज्य में आर्ट ऑफ लिविंग के इंटरनेशनल सेन्टर, उदयपुरा, बैंगलुरू में श्रीश्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव एवं आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' हमारी संस्कृति का मूल है और श्रीश्री रविशंकर इसी संदेश को पूरे विश्व में प्रसारित कर रहे हैं। श्रीश्री ने दुनिया के लाखों-करोड़ों लोगों को तनाव से मुक्ति दिलाकर शांत, स्वस्थ और सुखी जीवन का मार्ग दिखाया है।मुख्यमंत्री ने

श्रीश्री रविशंकर से कहा कि वे मध्य प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से उन्हें जन्मोत्सव की अनंत और अशेष मंगलकामनाएं देने स्वयं यहां (उदयपुरा) आए हैं। उन्होंने कहा कि बीते सात दशक की श्रीश्री की ऊर्जा और करुणा इस व्यस्त और ऊथल पुथल के दौर में भी हर दिन नई और चिरयुवा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग इस विश्व को श्रीश्री की देन है। यह सेवा, साधना और शांति का परम संगम है। आर्ट ऑफ लिविंग पवित्र श्रीमद्भगवद्गीता में बताये गये निष्काम कर्मयोग और जीवन को एक उत्सव की तरह जीने की कला का सहज मार्ग है, एक नव वैश्विक स्वरूप है। उन्होंने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग सिर्फ जीवन जीने की कला नहीं, जीवन को सार्थक बनाने का मार्ग भी है। आर्ट ऑफ लिविंग ने योग, प्राणायाम, ध्यान और भारतीय संस्कृति की मूल भावना से जोड़कर लोगों को आत्मिक शांति प्रदान की है।

केन्द्रीय मंत्री साहू ने की जबलपुर के विकास के कार्यों की समीक्षा, नवाचारों और बुनियादी विकास को सराहा

एजेंसी

जबलपुर। केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने मध्य प्रदेश के जबलपुर प्रवास के दौरान नगर निगम और स्मार्ट सिटी जबलपुर के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं और लोक-कल्याणकारी कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने शहर में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और नागरिक सेवाओं में किए गए बेहतरीन नवाचारों के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। समीक्षा बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बारी-बारी से नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के कार्यों के प्रगति की जानकारी दी। जनकारी के पश्चात केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने नगर निगम और स्मार्ट सिटी के कार्यों की सराहना करते हुए अच्छे कार्यों के लिए सभी को बधाई दी और स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान में बेहतर रैंक प्राप्त करने की शुभकामनाएं भी दी। बैठक में केन्द्रीय राज्य मंत्री साहू ने स्मार्ट

सिटी मिशन के अंतर्गत चल रही प्रगति और केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान राशि से क्रियान्वित की जा रही विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस कल्चरल इन्फॉर्मेशन सेन्टर के संचालन और शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने के लिए चलाई जा रही हेरिटेज कन्जर्वेशन परियोजनाओं की प्रगति को सराहा, मदन महल ईको जोन के विकास और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए जा रहे इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रशंसा की। साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए नॉन-मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट के निर्माण, प्रमुख चैराहों के सौंदर्यीकरण व विकास, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के सुचारू संचालन को आधुनिक शहर की दिशा में बड़ा कदम बताया। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने शहर के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाली बुनियादी योजनाओं की भी गहन समीक्षा की, जिनमें अमृत-1 और अमृत-2 सीवरेज स्कीम्स के क्रियान्वयन तथा जलप्रदाय योजना के अंतर्गत प्रस्तावित आगामी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी सराहा।

वक्फ संपतियों को पोर्टल पर दर्ज कराने में मप्र वक्फ बोर्ड देश में प्रथम, स्कॉच अवार्ड से नवाजा गया

एजेंसी

भोपाल। भारत सरकार द्वारा वक्फ संपतियों का लेखा-जोखा उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराने में मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। परिणामस्वरूप मप्र वक्फ बोर्ड को स्कॉच अवार्ड से नवाजा गया है। म.प्र. वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड ने नवीन वक्फ अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से वक़्फ़ संपत्तियों के संरक्षण, पारदर्शी प्रबंधन और जनहित में उनका उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक और प्रभावी कार्रवाई की है। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों से वर्षों से अवैध कब्जाधारियों को हटाया गया और भौतिक सत्यापन के बाद जरुरतमंद लोगों को संपत्ति के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया गया। वक्फ बोर्ड की आय कैसे बड़े इस पर अन्य राज्यों की वफ्फ समितियां से चर्चा कर, राजस्व बढ़ाने के लिए कार्य किया गया। डॉ. सनवर पटेल ने बताया कि देश में वक्फ संशोधन कानून लागू होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में म.प्र. वक्फ बोर्ड ने कानून के

मंशानुरूप कई समाजिक परिवर्तनकारी कार्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज को नई दिशा दी है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री की इच्छा शक्ति के परिणामस्वरूप 1552 बेटा-बेटियों को ड्रॉप आउट होने से बचाया गया। वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें, इसके लिए समुचित रुप से आर्थिक सहायता की व्यवस्था भी की गई, नवीन वक्फ अधिनियम के बाद समाज के बेटा-बेटियों के लिए नई राहें खुली है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 25 मई को रवीन्द्र भवन में भोपाल जिले के 849 मेधावी बेटा-बेटियों को स्कॉलरशिप प्रदान कर सम्मानित करेंगे। यह शुरुआत है, वक्फ बोर्ड मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में इस तरह बेटा-बेटियों को स्कॉलरशिप देकर सम्मानित करेगा। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड द्वारा 'पढ़ो पढ़ाओ - राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनों' जैसे नवाचार की चर्चा के बाद मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड की योजनाओं और कार्य करने की शैली को समझने के लिए अनेक राज्यों द्वारा अपने अधिकारी- कर्मचारियों को मध्य प्रदेश वक़्फ़ बोर्ड के कार्यालय में भेजा जा रहा है। डॉ. पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में नवीन वक्फ अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड को कानूनी एवं प्रशासनिक मजबूती प्राप्त हुई। वक्फ माफियाओं, दागदार प्रबंधकों और अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध कठोर अभियान चलाया गया। वक्फ संपत्तियों को दागदार हाथों से मुक्त कर स्वच्छ और जवाबदेह प्रबंधन को सौंपने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए गए। समानांतर वक्फ बोर्ड चलाकर वक्फ संपत्तियों को हानि पहुंचाने वाले तत्वों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की गई। वक्फ को हानि पहुंचाने वाले प्रबंधकों के विरुद्ध कुल 41 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली के लिए आरआरसी/वसूली नोटिस जारी किए गए और वसूली की कार्यवाही भी की गई।

कांग्रेस ने ओबीसी विभाग में सरोज प्रधान और अपर भानुदास शंकर माली को नई जिम्मेदारी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संगठन के ओबीसी विभाग में नई नियुक्तियां की हैं। पार्टी ने सरोज प्रधान को ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग का प्रदेश अध्यक्ष और अपर भानुदास शंकर माली को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के ओबीसी विभाग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। दोनों नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी सूचना के अनुसार, इन नियुक्तियों को कांग्रेस अध्यक्ष की मंजूरी के बाद अंतिम रूप दिया गया। उल्लेखनीय है कि सरोज प्रधान ओडिशा में कांग्रेस संगठन के भीतर ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे लंबे समय से राज्य स्तर पर पार्टी के संगठनात्मक ढांचे से जुड़े कार्यकर्ता माने जाते हैं। संगठन के भीतर उनकी पहचान मुख्य रूप से जमीनी स्तर के कार्यकर्ता और समन्वयक के रूप में रही है, जो पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व

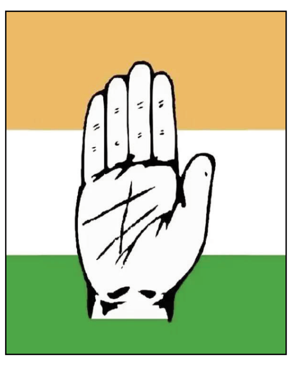

और संगठन विस्तार से जुड़े अभियानों में सक्रिय रहे हैं। वहीं, भानुदास शंकर माली पार्टी के भीतर पिछड़ा वर्ग से जुड़े संगठनात्मक कार्यों और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर काम करते रहे हैं।

नदी में सीप निकालने के दौरान अचानक जलस्तर बढ़ने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत

एजेंसी

भटकल। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल तालुक के तट्टेहक्कलु नदी क्षेत्र में बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया। नदी में सीपियां (कप्पेचिप्पु) निकालने के दौरान अचानक पानी का जलस्तर बढ़ने से एक ही परिवार के नौ लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि चार लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। दो अन्य की तलाश अभी भी जारी है। मुख्यमंत्री ने घटना पर शोक जताया और मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक को पांच लाख रुपये देने की बात कही है। जानकारी के अनुसार पडुशिराली शारदहोळे गांव के 14 लोग आज सुबह तट्टेहक्कलु नदी में सीप निकालने गए थे। नदी में सीप निकालने के दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया और पानी के तेज बहाव व भंवर में फंस कर कई लोग बह गए। स्थानीय मछुआरों और ग्रामीणों की मदद से जब तक लोगों को निकाला गया, तब तक नौ लोगों की मौत हो गई। मछुआरों और ग्रामीणों की मदद से चार लोगों को बचा

लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया। अग्निशमन दल, स्थानीय मछुआरे और राहत टीमें नदी में लगातार खोज अभियान चला रही हैं।पुलिस के अनुसार मृतकों में एक पुरुष और आठ महिलाएं शामिल हैं। इनकी पहचान लक्ष्मी मादेव नायक (38), लक्ष्मी शिवराम नायक (39), मालती जट्टप्पा नायक (38), मास्तम्मा मंजुनाथ नायक (43), लक्ष्मी नायक, लक्ष्मी अण्णप्पा नायक (44), ज्योति नायक (37), उमेश मंजुनाथ नायक (42) और मंजम्मा के रूप में हुई है। अभी दो अन्य लोग लापता हैं जिनकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। नदी से निकाले गए नौ शवों को भटकल तालुक सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। राज्य सरकार मृतकों के परिजनों को मानवीय आधार पर पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि देगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अभी कुछ लोगों के लापता होने की सूचना है और उनकी तलाश के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से लापता व्यक्तियों के सुरक्षित मिलने की प्रार्थना करने की अपील की।

केन्द्रीय मंत्री अठावले बोले- राहुल गांधी का प्रधानमंत्री बनने का सपना पूरा होना मुश्किल

एजेंसी

ग्वालियर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने ग्वालियर प्रवास के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का भविष्य विपक्ष के नेता के रूप में अच्छा हो सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री बनने का उनका सपना पूरा होना मुश्किल है।

केन्द्रीय मंत्री मध्य प्रदेश के ग्वालियर पहुंचे थे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राहुल गांधी भले ही देश का प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हों, लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में इसकी संभावना नजर नहीं आती। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और केंद्र सरकार की उपलब्धियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि देश की जनता लगातार भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। अठावले ने पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों के चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने कई जगह बड़ी जीत

हासिल की है, जबकि कांग्रेस बहुमत तक पहुंचने के लिए भी संघर्ष करती दिखाई दे रही है। केंद्रीय मंत्री अठावले ने प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली की जमकर सराहना की। उन्होंने मोदी को देश का 'मजबूत प्रधानमंत्री' बताते हुए कहा कि उनकी सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं ने देश के औद्योगिक विकास को नई गति दी है और भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दलितों, पिछड़े वर्गों और गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ काम कर रही है और समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार की कई योजनाओं का सीधा लाभ गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचा है। रामदास अठावले ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार और वर्तमान मोदी सरकार की आर्थिक स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि जब देश में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार थी, तब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 10वें स्थान पर थी, जबकि आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियों और विकास योजनाओं को दिया।

उन्होंने कहा कि जनधन योजना, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं ने देश की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत किया है। करोड़ों लोगों के बैंक खाते खुलने से आर्थिक पारदर्शिता बढ़ी है और गरीबों तक सीधे सरकारी सहायता पहुंची है।

नक्सलवाद के खात्मे से खुश दिखा जनजातीय समाज, कहा- हमें विकास से दूर रखा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लालकिला परिसर में आयोजित जनजातीय समागम में पहुंचे विभिन्न राज्यों के जनजातीय प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के कमजोर पड़ने को 'नई उम्मीद की शुरुआत' बताया। बलिराम नेताम जनजातीय समाज बस्तर के कोंडा गांव के अध्यक्ष हैं। उनसे जब नक्सलवाद के समाप्त होने और उसके असर के बारे में पूछा गया तो उनका कहना था कि इसके खत्म होने से स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि होगी। शिक्षा में भी सुधार होगा। विद्यालय खुलेंगे और गृह मंत्री ने हमसे वादा किया है कि बस्तर संभाग में वो सारी सुविधाएं होंगी जिससे यह भाग अछूता रहा है।

अनिशा कोठारी कांकेर बस्तर संभाग एक ग्रेजुएट युवती है। एक पढ़ी-लिखी युवती की तरह उसे भी रोजगार की संभावना बढ़ती दिख रही

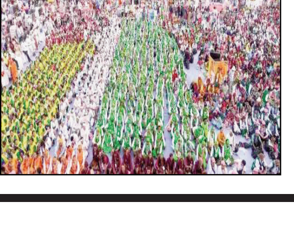

है। लेकिन इसके साथ ही विकास के नाम पर कट रहे जंगलों से वह असहमत भी है। जब उससे कंवर्जन के बारे में पूछा गया तो उसने कहा कि यह एक बड़ी समस्या है। कंवर्जन वहां सबसे ज्यादा है लेकिन वर्तमान सरकार के प्रयास से यह कम हुआ है। अनिशा का कहना है कि जो लोग कन्वर्ट हो चुके थे वे अब वापसी भी कर रहे हैं। कई प्रतिभागियों से भी इन्हीं मुद्दों पर बात हुई। उनकी बातें दशकों तक हिंसा और भय के कारण आदिवासी समाज की दुर्दशा की कहानी कह रहे थे। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से दूर रहा यह समाज अब एक उम्मीद के साथ सरकार की तरफ देख रहा है। समागम में आए युवाओं ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि अब बस्तर के आदिवासी युवा बंदूक नहीं बल्कि शिक्षा, खेल और रोजगार के माध्यम से अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। कुछ प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि केवल सुरक्षा अभियान ही नहीं बल्कि स्थानीय संस्कृति, जल-जंगल-जमीन के अधिकार और सम्मानजनक विकास को साथ लेकर चलना जरूरी है। उनके अनुसार, बस्तर में स्थायी शांति तभी संभव होगी जब विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

रहाणे अभी आईपीएल खेलते रहेंगे, संन्यास के संकेत नहीं दिये

कोलकाता।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम आईपीएल के 19 वें सत्र में यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के साथ ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। केकेआर का इस सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और टीम लीग स्तर के 14 मैचों में से केवल 6 ही जीता पायी जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इससे 13 अंक लेकर वह 7वें स्थान पर रही। रहाणे की कप्तानी में ये लगातार दूसरा सत्र है जब टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। टूर्नामेंट से टीम के बाहर होने के बाद रहाणे से जब उनके भविष्य की योजना को बारे में पूछा गया तो उन्होंने संन्यास के कोई संकेत नहीं दिये। उन्होंने कहा, ÷मेरे लिए बस कुछ दिनों का ब्रेक है। मैं मुंबई में अपनी स्थानीय लीग खेलने जा रहा हूं जिसके लिए मैं उत्साहित हूं। मैं तब तक खुश हूं जब तक मैं क्रिकेट खेल रहा हूं। कुछ दिनों के बेक्र के बाद फिर फिर मैदान में आउंगा।÷ इससे साफ है कि वि अभी खेलते रहेंगे। रहाणे ने कहा कि सत्र समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ियों के साथ एक बैठक होगी। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि फिलहाल खिलाड़ियों की अपनी प्रतिबद्धताएं हैं।

आईपीएल प्लेऑफ प्रारुप इस प्रकार करता है काम

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेअ (आईपीएल) के प्लेऑफ मुकाबले मंगलवार से शुरु हो रहे हैं। इसमें लीग स्टेज में शीर्ष पर रही चार सर्वश्रेष्ठ चार टीमें खिताब के लिए टकरायेगी। ये प्रारुप पारंपरिक सेमीफाइनल प्रणाली से अलग है और इसमें प्लेऑफ के ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत करने और खेल को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए लाया गया है। ये प्रारुप इस प्रकार काम करता है।

जहां आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट्स में सेमीफाइनल होते हैं। वहीं प्लेऑफ की प्रणाली ऐसी है कि एक हार के बाद भी टीम को अवसर मिलता है। जिससे एक खराब दिन के कारण कोई टीम बाहर नहीं हो सकती। इसमें कुल चार मुकाबले होते हैं- क्वालीफायर 1, एलिमिनेटर, क्वालीफायर 2 और फाइनल।

क्वालीफायर 1 अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर 1 खेलती हैं। इस मैच का विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाता है, जबकि हारने वाली टीम को टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया जाता। उसे अपनी किस्मत आज़माने का एक और मौका मिलता है, और वह क्वालीफायर 2 में जाती है। यह शीर्ष दो में रहने का सबसे बड़ा लाभ है।

एलिमिनेटर- नंबर तीन और चार पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला होता है। यह नॉक आउट मैच होता है। इसमें हारने वाली टीम का सफर तुरंत खत्म हो जाता है। वहीं जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में प्रवेश करती है।

क्वालीफायर 2- यह फाइनल में पहुंचने का अंतिम रास्ता है। इसमें क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर की विजेता टीम खेलती है। इसमें जीतने वाली टीम फाइनल में जाती है, जबकि हारने वाली टीम बाहर हो जाती है।

इससे साफ है कि लीग में केवल शीर्ष 4 में आना ही काफी नहीं, बल्कि शीर्ष -2 में जगह बनाना सबसे लाभदायक है। ऐसे में फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलते हैं।

इसके विपरीत, तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के लिए राह बेहद चुनौतीपूर्ण होती है; उन्हें ट्रॉफी जीतने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होते हैं, एक भी हार उन्हें बाहर कर देती है।

इस प्रकार हुई शुरुआतआईपीएल ने अपने शुरुआती तीन सीज़न (2008-2010) में पारंपरिक सेमीफाइनल प्रारुप का इस्तेमाल किया था। लेकिन ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद एक खराब दिन के कारण बाहर होने वाली टीमों को राहत देने दे प्रारुप शुरु किया गया। इसी को ध्यान में रखते हुए, 2011 में आईपीएल में पहली बार प्लेऑफ प्रारुप को पेश किया गया।

यह इतना सफल और रोमांचक साबित हुआ कि आज ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश सहित दुनिया भर की कई अन्य क्रिकेट लीग भी इसी प्रारुप के आधार पर चल रही हैं।

फ्रेंच ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

पेरिस ।

सर्बिया के शीर्ष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रौला गैरा में शुरु हुए फ्रैंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है। जोकोविच ने पहले ही दी दौर में मेजबान देश के खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। यह बेहद कड़ा रहा। इस दौरान जोकोविच ने एकसाथ कई नए रिकॉर्ड भी बनाये। इस मैच की शुरुआत जोकोविच के लिए आसान नहीं रही। युवा पेरीकार्ड ने अपनी दमदार सर्विस से उन्हें पहले सेट में एक भी ब्रेक अंक नहीं दिया। पेरीकार्ड ने जोकोविच की सर्विस तोड़कर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी जोकोविच को संघर्ष करना पड़ा और वह शुरुआत में नौ ब्रेक पॉइंट में से एक भी भुना नहीं पाए। हालांकि, महत्वपूर्ण पलों में अपनी अनुभव का इस्तेमाल करते हुए जोकोविच ने वापसी की। 5-6 के स्कोर पर पेरीकार्ड ने तीन सेट अंक बचाये, लेकिन एक लंबी रैली के बाद उनका फोरहैंड पासिंग शॉट कोर्ट से बाहर चला गया, और जोकोविच ने निर्णायक ब्रेक हासिल कर दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया। इसके बाद, जोकोविच ने और पेरीकार्ड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। तीसरे सेट को 6-1 और चौथे को 6-4 से जीतकर उन्होंने कुल 2 घंटे 51 मिनट तक चले इस मुकाबले को अपने नाम किया।

मिलर की एक गलती से दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ के हाथ से निकला प्लेऑफ का अवसर

नई दिल्ली ।

आईपीएल 2026 के इस सत्र में सीज़न दिल्ली कैपिटल्स के लिए की टीम 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी। दिल्ली की टीम को किस्मत का भी साथ नहीं मिला और प्लेऑफ की दौड़ से उनका बाहर होना केवल एक रन के अंतर से हुआ। डेविड मिलर का एक गलत फैसला भी इसका कारण बना। लीग की शुरुआत में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पहले दो मैच जीते थे। उनका तीसरा मुकाबला गुजरात टाइटन्स के खिलाफ था, जो बेहद रोमांचक रहा। 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स जीत के बेहद करीब थी। अंतिम ओवर में जीत के लिए उसे 13 रनों की ज़रूरत थी, और गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाज़ी कर रहे थे। पहली गेंद पर विपराज निगम ने चौका जड़कर लगाया पर अगली ही गेंद पर वे आउट हो गए। नए बल्लेबाज़ कुलदीप यादव ने तीसरी गेंद पर एक रन लिया, जिसके बाद सारी उम्मीदें अनुभवी बल्लेबाज़ डेविड मिलर पर आ गईं। चौथी गेंद पर मिलर ने एक ज़ोरदार छक्का लगाया जिससे मैच दिल्ली के पाले में आ गया। ऐसे में अंतिम दो गेंदों पर जीत के लिए सिर्फ़ दो रन चाहिए थे, और मिलर क्रीज़ पर थे। मिलर ने शॉट खेला पर रन नहीं लिया। इस एक गलती से टीम के हाथ से मैच निकल गया क्योंक इसके बाद एक बाई रन लेने के प्रयास में कुलदीप यादव रन आउट हो गए और दिल्ली कैपिटल्स मुकाबला एक रन से हार गयी।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त होने के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में गुजरात टाटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार नंबर एक पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अंतिम लीग मैच में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष तीन गेंदबाजों में आ गये हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्चर ने 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसी के साथ ही आर्चर के आईपीएल 2026 सत्र में कुल 21 विकेट हो गये हैं। वे अब 14 मुकाबलों में 21 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 14 मुकाबलों में 24 विकेट लेकर नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी गेंदबाज कगिसो रबाडा इतने ही मुकाबलों में 24 विकेट विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। वहीं जोफ्रा आर्चर अब 21 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। राशिद खान 14 मुकाबलों में 19 विकेट लेने के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। ऑरेंज कैप के लिए गुजरात के सुदर्शन नंबर एक पर हैं। उनके नाम 14 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से कुल 638 रन हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 13 मुकाबलों में 616 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 14 मुकाबलों में 593 रनों के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 583 रनों के साथ शीर्ष पांच में अपनी जगह बनाए हुए हैं

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2026 में सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम बनी सनराइजर्स हैदराबाद

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसमें सनराइजर्स हैदराबाद टीम सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम के तौर पर सामने आयी है। आईपीएल 2026 के लीग स्तर में 70 रोमांचक मुकाबलों के बाद कुल 25,846 रन बने। इन मैचों के बाद चार टीमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंची हैं। क्वालीफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच 26 मई को जबकि एलिमिनेटर सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच 27 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। इस पूरे लीग चरण के दौरान बल्लेबाज हावी रहे। सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीम सनराइजर्स हैदराबाद रही। उसने लीग स्टेज में कुल 2,854 रन बनये। आंकड़ों पर गौर करें तो 10 में से 9 टीमें 2500 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रहीं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स सबसे कम 2,309 रन बनाकर इस सूची में सबसे नीचे रही। सनराइजर्स हैदराबाद के बाद पंजाब किंग्स 2,711 रनों के साथ दूसरे, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 2,642 रनों के साथ तीसरे, राजस्थान रॉयल्स 2,619 रनों के साथ चौथे, दिल्ली कैपिटल्स 2,559 रनों के साथ पांचवें, गुजरात टाइटंस 2,558 रनों के साथ छठे, मुंबई इंडियंस 2,553 रनों के साथ सातवें, चेन्नई सुपर किंग्स 2,553 रनों के साथ आठवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 2,511 रनों के साथ नौवें पायदान पर रही। इस सत्र में कुल 16,790 रन चौके और छक्के से बने । लीग स्टेज में कुल 2,174 चौके और रिकॉर्ड तोड़ 1,349 छक्के लगे, जो आईपीएल इतिहास में पहली बार छक्कों का आंकड़ा 1300 के पार ले गया है। व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने सर्वाधिक 53 छक्के लगाये, वहीं गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 62 चौकों के साथ सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गेंदबाजी और फील्डिंग के आंकड़ों पर नज़र डालें तो लीग स्टेज के दौरान कुल 15,731 गेंदें फेंकी गईं, जिसमें 759 वाइड और 58 नो बॉल भी शामिल थीं।

बीमारी से जूझते कांबली का दिखा अटूट क्रिकेट प्रेम, मैच देखने स्टेडियम पहुंचे

मुम्बई ।

पूर्व क्रिकेट विनोद गंभीर रुप से बीमार होने के बाद भी मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। गंभीर इस दौरान बिना सहारे के ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। इसके बाद भी उनका स्टेडियम पहुंचना क्रिकेट के प्रति उनके जुनून को दिखता है। इस एक वीडिया भी सोशल मीडिया पर छाया है। इसमें 54 साल के कांबली दो लोगों का सहारा लिए हुए धीरे-धीरे चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कमजोर दिख रहे कांबली के चेहरे पर हालांकि क्रिकेट देखने की खुशी इस दौरान नजर आयी। कांबली के स्वास्थ्य को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार चिंताएं बनी हुई हैं। उनकी बीमारी और अस्पताल में लंबे समय तक भर्ती रहने की खबरें आती रही हैं। इस वीडियो से संकेत मिलते हैं कि वह अब धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। कांबली काफी समय बाद सार्वजनिक तौर पर नजर आए हैं।

आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड

एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन

मुम्बई ।

मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक यॉर्कर और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमरार पर इस सत्र में जमकर चौके, छक्के लगे। सत्र में बुमराह ने कुल 13 मैच खेले और हैरान वाली बात यह रही कि वे केवल 4 विकेट ही ले पाए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लीग के अंतिम मुकाबले में उन्हें आराम दिया गया था। सत्र के 13 मैचों में 4 विकेटों के लिए उन्होंने कुल 410 रन दे दिये। ये रन उन्होंने 294 गेंदों में दिए गए। यदि उनके एक विकेट पर खर्च हुए रनों का औसत निकाला जाए, तो यह आंकड़ा हैरान कर देने वाला 102.5 रन प्रति विकेट आता है। टी20 क्रिकेट के इतिहास में यह किसी भी ऐसे गेंदबाज का सबसे खराब औसत है जिसने एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंके हों। बुमराह ने इस सीजन में कुल 49 ओवर गेंदबाजी की थी। बुमराह टी20 विश्व कप 2024 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट और टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच जैसे अवार्ड विजेता रहे हैं। ऐसे विश्व-स्तरीय प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उनका उनके प्रदर्शन में गिरावट निराशा की बात है। इस खराब प्रदर्शन के पीछे के कारणों को मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है। उनके अनुसार, बुमराह के खराब फॉर्म का एक बड़ा कारण उनकी फिटनेस संबंधी दिक्कतें रही हैं। जयवर्धने ने बताया कि टी20 विश्व कप से वापस आने के बाद से ही बुमराह थोड़ी परेशानी से जूझ रहे थे, जिससे विश्व कप के दौरान भी उन्होंने खेला था। इसका सीधा असर टूर्नामेंट के दौरान उनकी लया और तेजी दोनों पर पड़ा, जिससे उनकी रफ्तार में कमी

आई। कोच ने यह भी जोड़ा कि इस सत्र में विपक्षी टीमों ने बुमराह के एक अलग रणनीति बनायी थी। मुंबई इंडियंस के दूसरे गेंदबाज दूसरी छोर से दबाव बनाने में सफल नहीं हो पाए, जिसका फायदा उठाते हुए बल्लेबाजों ने बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लिया जिसमें वे सफल रहे। गया है जिसे वे और उनके प्रशंसक जल्द से जल्द भुलाना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया है। सूर्यकुमार के अनुसार ऐसे लोगों को क्रिकेट की समझ नहीं है। सूर्या ने कहा कि उनकी कलाई में कोई चोट नहीं लगी है और उससे जुड़ी जो भी खबरें आ रही हैं। वह केवल अफवाह भर हैं। सूर्या ने कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने आईपीएल में बल्लेबाजी की है उससे उनकी फिटनेस साबित होती है। आईपीएल के इस सत्र में सूर्यकुमार अधिक रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठ रहे हैं। इससे टी20 टीम में उनकी जगह भी खतरे में दिख रही है। ऐसे में अपनी कथित चोट को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, सबसे पहले, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। जो लोग कलाई की चोट की बात कर रहे हैं, वे या तो पक्के फिजियो हैं या ऐसे लोग हैं जिन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। उन्होंने तर्क दिया, अगर मुझे सच में कलाई की चोट या ऐसी कोई समस्या होती, तो मैं अभ्यास और मैचों में वो शॉट नहीं खेल पाता, खासकर मेरे फ्लिक शॉट, जो पूरी तरह से कलाई और हाथ-आंख के तालमेल पर आधारित होते हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सूर्या ने कहा, मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि यह मेरे नियंत्रण में नहीं है। ये सभी अनियंत्रित कारक हैं और मैं इन पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। आईपीएल के खराब प्रदर्शन को लेकर भी सूर्या ने कहा कि उन्होंने काम के तरीके में में कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने बताया, मैंने पूरे सीजन में कड़ी मेहनत की है। मैंने साल की शुरुआत में भी कड़ी मेहनत की थी। न्यूजीलैंड सीरीज में, मैंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था। फिर मेरा वर्ल्ड कप अच्छा रहा, कम से कम मेरे हिसाब से तो ऐसा ही था। फिर आईपीएल आया। मैंने आईपीएल में रन नहीं बनाए, लेकिन मैंने कभी कड़ी मेहनत करना बंद नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, मैं उस पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं जो मेरे हाथ में है। आखिरकार, प्रदर्शन की कोई गारंटी नहीं होती। जो आपके नियंत्रण में है, वह है कड़ी मेहनत। इसलिए मैं कड़ी मेहनत करता रहता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं।

मैदान पर दिल का दौरा पड़ने के बाद कर्नाटक के पूर्व रणजी क्रिकेटर अक्षय की मौत

बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में एक मैच के दौरान ही पूर्व रणजी क्रिकेटर एसएल अक्षय को दिल का मौत का दौरा पड़ा। अक्षय को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। 39 साल के अक्षय की अचानक ही इस प्रकार हुई मौत होने से क्रिकेट जगह में दुख की लहर फैल गयी है। यह दुखद घटना बेंगलुरु के केआर पुरम में एक थर्ड-डिवीजन मैच के दौरान हुई। एक रिपोर्टो के अनुसार अक्षय मैच में दोपहर के समय अक्षय फील्डिंग कर रहे थे। तभी उन्होंने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। बिना किसी देरी के उन्हें तत्काल ही पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अक्षय ने अपने करियर में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी में खेला था।

आईपीएल प्लेऑफ के पहले क्वालिफायर में उतरने जा रहीं आरसीबी और टाइटंस को हारने पर भी मिलेगा दूसरा अवसर

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लीग स्तर के रोमांचक मुकाबले खत्म होने के साथ ही अब प्लेऑफ मुकाबले शुरु होंगे। इसमें शीर्ष चार टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने जगह बनायी है। अंक तालिका में पहले दो स्थान हासिल करने वाली आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच पहला क्वालिफायर मंगलवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में हारने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने का एक और अवसर मिलेगा। आईपीएल के प्लेऑफ नियमों के अनुसार, लीग स्टेज में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को एक विशेष लाभ मिलता है। वे सीधे पहले क्वालिफायर में भिड़ती हैं, और इस मुकाबले में हारने के बाद भी बाहर नहीं होती हैं। पहले क्वालिफायर में पराजित होने वाली टीम को दूसरे क्वालिफायर में खेलने का अवसर मिलता है, जहां उसका सामना एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से होता है। इस तरह, आरसीबी और जीटी, दोनों में से जो भी टीम पहले क्वालिफायर में हारती है, उसे फाइनल में जगह बनाने के लिए एक और अवसर मिलेगा। इससे मुकाबले का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

इस सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन असाधारण रहा है। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में, रजत पाटीदार की कुशल अगुवाई में टीम ने लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की है। लीग स्टेज के 14 मुकाबलों में से 9 में जीत दर्ज कर और केवल 5 में हार का सामना कर, आरसीबी ने 18 अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजी में, पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 14 मैचों में 163 के शानदार स्ट्राइक रेट से 557 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी है। देवदत्त पडिक्कल ने भी बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने खुद भी मध्यक्रम में महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। टिम डेविड ने निचले क्रम में फिनिशर की भूमिका को बखूबी निभाया है, जिससे टीम को कई अहम जीत मिली हैं। गेंदबाजी

की बात करें तो भुवनेश्वर कुमार ने इस सीजन अपनी स्विंग और नियंत्रण से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है, और उन्हें जोश हेजलवुड का भी साथ मिला। वहीं दूसरी ओर, युवा शुभमन गिल के नेतृत्व में गुजरात टाइटंस ने भी इस सीजन में धमाकेदार खेला है। 14 लीग मैचों में 9 जीत और 18 अंकों के साथ, जीटी ने अंक तालिका में दूसरा स्थान सुरक्षित किया।

राहुल ने गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, कई अन्य उपलब्धियां भी अपने नाम कीं

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अपनी इस पारी में राहुल ने 5 चौके और 4 छक्के लगाये। इसी के साथ ही राहुल ने आईपीएल में छक्के लगाने के मामले में गेल का एक रिकार्ड तोड़ दिया। राहुल अब आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी में एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सीजन में राहुल ने 31 छक्के लगाये हैं। इससे पहले, राहुल ने पंजाब किंग्स के लिए 2018 में (32 छक्के) और 2021 में (30 छक्के), तथा लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए 2022 में (30 छक्के) लगाये थे। इससे वह आईपीएल इतिहास में तीन टीमों से इतने अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। इस रिकॉर्ड को तोड़कर राहुल ने क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने यह कारनामा 2-2 आईपीएल टीमों के लिए किया था। क्रिस गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए चार बार (2011, 2012, 2013, 2015) और पंजाब किंग्स के लिए एक बार (2019) एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाए थे। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल ने पंजाब किंग्स (2014) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2023) के लिए 1-1 बार यह रिकार्ड बनाया था। सिर्फ छक्कों के रिकॉर्ड तक ही केएल राहुल का कमाल सीमित नहीं रहा। कोलकाता के खिलाफ लगाया गया यह अर्धशतक उनके आईपीएल करियर का 51वां अर्धशतक था।

सैफ अली खान ने बताई प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह

सैफ अली खान हाल ही में 'कर्तव्य' फिल्म में नजर आए हैं। फिल्म में उनके काम की प्रशंसा हुई है। बतौर अभिनेता सैफ अली खान लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन बतौर निर्माता सैफ ने कुछ ही फिल्मों के निर्माण के बाद अपने प्रोडक्शन हाउस 'इल्यूमिनाती फिल्म्स' को बंद कर दिया। जबकि सैफ ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले कुछ सफल फिल्में भी बनाईं। अब सैफ अली खान ने प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह बताई है।

यह कष्टदायक काम है 'लव आज कल' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने के बाद सैफ अली खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले 'एजेंट विनोद', 'कॉकटेल', 'गो गोवा गॉन' और 'हैप्पी एंडिंग' जैसी फिल्मों का निर्माण किया। लेकिन जल्द ही उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस बंद कर दिया। अब सैफ ने स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान इसके पीछे के कारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक बहुत बोरिंग काम हो सकता है। लेकिन यह बहुत क्रिएटिव है। मुझे एक आइडिया के साथ साउंड और लुक जैसी क्रिएटिव चीजों पर बात करने का आइडिया पसंद है। मुझे निर्माण करने में मजा आया, लेकिन यह बहुत कष्टदायक भी हो सकता है। इल्यूमिनाती फिल्म्स की सफलता का श्रेय मेरे डिस्ट्रिब्यूशन पार्टनर, इरोस इंटरनेशनल और मेरे प्रोड्यूसिंग पार्टनर दिनेश विजयन की मैडॉक फिल्म्स को भी जाता है।

समय बदलता रहता है

अभिनेता ने आगे कहा कि समय बदलता रहता है, लोग बदलते रहते हैं। यह हर जगह देखने को मिलता है। दिनेश एक बेहतरीन निर्माता बन गए हैं और यह बहुत अच्छी बात है। हमारा भी एक अच्छा दौर था। मैंने उससे बहुत फायदा कमाया और इसमें इरोस की उस समय की एक्टिविटीज का भी बहुत बड़ा योगदान था। यह एक शानदार मौका था, लेकिन कुछ चीजें हमेशा के लिए बनी रहती हैं।

सबा आजाद ने पूरी की सीरीज 'स्टॉर्म' की शूटिंग

ऋतिक रोशन ने की है प्रोड्यूस

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड व अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही ऋतिक के प्रोडक्शन हाउस एचआरएक्स फिल्म्स के बैनर तले बन रहे अगले प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। हाल ही में सबा ने खुलासा किया कि उन्होंने आगामी थ्रिलर सीरीज 'स्टॉर्म' की शूटिंग पूरी कर ली है। सबा ने अपने सीरीज की कहानी और अपने किरदार को लेकर बात की।

बताया करियर का सबसे मुश्किल किरदार

हालिया बातचीत के दौरान सबा आजाद ने बताया कि इस भूमिका ने उन्हें इमोशनली बहुत प्रभावित किया। उन्होंने इस किरदार को अपने करियर की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण परफॉर्मेंस में से एक बताया। सीरीज में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया मेरे लिए काफी हैरान करने वाली और शानदार रही। इस सीरीज ने मुझे उन तरीकों से झकझोर दिया, जिनकी मैंने उम्मीद नहीं की थी। मुझे लगता है कि मैं इसे घर ले गई और मुझे नहीं लगता कि मैं पहले कभी किसी किरदार को घर ले गई हूं। मैं लोगों के इसे देखने के लिए काफी उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि उस शो में कुछ बेहतरीन कलाकार हैं और अजीतपाल सिंह (निर्देशक) एक जीनियस हैं।

ऐसी है 'स्टॉर्म' की कहानी

'स्टॉर्म' की कहानी मुंबई में हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े एक घोटाले में फंसी पांच महिलाओं के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, ये महिलाएं भ्रष्टाचार, धोखे और मुंबई जैसे शहर में अपने जीवन के संघर्ष से जूझती नजर आती हैं। इस सीरीज में सबा आजाद के अलावा पार्वती थिरुवोथु, अलाया एफ,

सृष्टि श्रीवास्तव और रामा शर्मा सहित कई दमदार कलाकार नजर आएंगे। अजीतपाल सिंह द्वारा निर्देशित 'स्टॉरम' का निर्माण ऋतिक रोशन और ईशान रोशन अपने बैनर एचआरएक्स फिल्म्स के तहत कर रहे हैं। कहानी अजीतपाल सिंह, फ्रांकोइस लुनेल और स्वाति दास द्वारा लिखी गई है।

अनुराग कश्यप की फिल्म में नजर आएंगी सबा

'स्टॉर्म' के अलावा सबा आजाद का इस साल एक और बड़ा प्रोजेक्ट रिलीज होने वाला है। वह अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित होने वाले 'व्हाट्स योर गायनेक?' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इसके बाद अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप की आगामी क्राइम ड्रामा फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा के साथ दिखाई देंगी। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं।

बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है।

अक्षय कुमार के डांस की मुरीद हुईं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भोजपुरी गाने पर डांस करने की ख्वाहिश जताई है। जिसका एक खास वीडियो अभिनेत्री ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है।

वीडियो शेयर कर मांगा मौका

अक्षरा सिंह ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो की शुरुआत में वह अपने टैब पर अक्षय कुमार का मशहूर गाना 'टिप-टिप बरसा पानी' देखती नजर आ रही हैं। इसके बाद वह वीडियो में अक्षय कुमार से कहती हैं, 'प्रणाम अक्षय, मेरा नाम अक्षरा सिंह है और मैं भोजपुरी सिनेमा में काम करती हूं।'

अक्षय के साथ डांस करना चाहती हैं अक्षरा

अक्षरा ने आगे कहा, 'मैं काफी समय से आपके हिंदी गाने देख रही हूं। आपने कई हिंदी गानों पर डांस किया है, अब थोड़ा भोजपुरी गानों पर भी हमारे साथ ठुमका लगाइए। आप बस दिन और समय बता दीजिए, मैं आ जाऊंगी।'

अक्षय का रिप्लाई

अक्षरा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'भोजपुरी गाने पर ठुमका लगाने का एक चांस दे दें क्या, अक्षय कुमार?' अक्षरा सिंह का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया क्रिएटर्स इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। अक्षरा के इस वीडियो पर अक्षय कुमार ने रिप्लाई दिया है। अक्षय ने लिखा, 'तो फिर बात पक्की अक्षरा। समय सुबह 11:30 बजे, दिन सोमवार, 25 मई और जगह सभी सोशल मीडिया। मिलते हैं।'

तुम्बाड 2 में कैमियो और तीसरे में लीड रोल करेंगी आलिया

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है। आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी।

इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी।

ओटीटी ने महिलाओं को अलग नजरिए से देखना शुरू कर दिया है

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने सिनेमा, अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिर्जापुर' और अभिनय के शुरुआती दौर के किस्से साझा किए।

नई सोच को अगर डिफाइन करोगे तो कितना बदलाव आया है?

नई सोच में सबसे मुश्किल चीज होती है कि हमारी जो खुद की सोच होती है, उसमें बहुत सारी चीजें होती हैं जो हमारी सोच को हमारी बनाती है। हम क्या फिल्मे देखते हैं। हम नाटक देखने जाते हैं या नहीं। आर्ट और कल्चर से एजुकेशन से जब हम खुद को जोड़ते हैं तो ये सब चीजें हमें बहुत प्रभावित करती हैं। मेरा बैकग्राउंड बहुत अकेडमिक है। मेरी सोच बदलती रही और यह बहुत जरूरी है। हमें अपनी सोच को पकड़कर नहीं रखना है। हमें ग्रो करना है। अनुभवों की वजह से मैं हूं। डरिए मत नई सोच से। कोई जबर्दस्ती तो नहीं कह रहा कि यही करना है आपको। एक और चीज मैं कहूंगी कि धैर्य रखिए। सुनिए और समझिए कि सामने वाला क्या कहने को कोशिश कर रहा है।

गोलू के किरदार से लाइफ कितनी बदली?

मिर्जापुर तो लव है हमारा। गोलू और मिर्जापुर अब मेरे साथ नौ साल से है। नौ साल की रिलेशनशिप बहुत सुंदर होती है। इस सफर में क्या-क्या जुड़ा? अली फजल, वो भी लखनऊ से है। मिर्जापुर की जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और पहला एपिसोड पढ़ा तो बहुत मजा आया। मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा होना है। गोलू के साथ-साथ मैंने भी बहुत ग्रोथ की है।

मिर्जापुर की फिल्म भी आने वाली है?

हमारी फिल्म लंबी तो होगी। आप क्या कहानी बताना चाहते हो, कितना टाइम चाहिए उसे बताने में। हम एक्टिंग तो उतनी ही करेंगे। लेकिन, सीरीज में आप डूब सकते हो। उसका मजा अलग है। ओटीटी ने राइटर, डायरेक्टर, महिला किरदार, क्रू सदस्यों को बहुत सारे मौके दिए हैं। महिलाओं को अब सिर्फ ब्रैकेट में नहीं डाला जा रहा है। किरदार में अब नए कलर और फ्लेवर हैं।

बदलाव आता है तो बदलाव पूरी इंडस्ट्री में आता है। यहां हम जहां तक पहुंचे हैं, इसमें बहुत सारी औरतों का तो रोल है ही, मेल एक्टर्स का भी बहुत हाथ है। पीछे से कुछ सीखने को है अगर तो वह सीखकर आगे बढ़ना चाहिए। यह जिम्मेदारी दर्शकों की है। दर्शक जो देखेगा, वही बनेगा। मैं यहा सभी से रिक्वेस्ट करना चाहूंगी कि वैसा कंटेंट देखिए, जिसे आप देखना चाहते हैं।

श्वेता प्रोड्यूसर भी हैं आप। कंटेंट का आइडिया कहां से आया?

सोच की बात है। डर में नहीं रहना चाहिए। डर की वजह से हम अपने परों को काट देते हैं, जिनसे हम उड़ सकते हैं।

कई एक्ट्रेस अब आवाज उठाने लगी हैं कि आठ घंटे ही हमें काम को देने हैं। निर्माता के रूप में आप कैसे देखती हो?

बहुत सारी बातें पहले ही क्लियर कर लेनी चाहिए। अभी एक प्रोजेक्ट है, जहां कई शर्ते हैं। वैनिटी वैन नहीं होगी। फोन की इजाजात नहीं होगी तो पहले ही इन पर बात करो। प्रोजेक्ट पर निर्भर करता है सब। मैं महिलाओं के केस में यह कह सकती हूं कि बहुत काम करना होता है। प्रोफेशनली भी हम जो वक्त मांग रहे हैं, वह हमारी मेंटल पीस के लिए बहुत जरूरी है। बहुत फॉर ग्रांटेड ले लिया हम लोगों को। वह टाइम का जो हम मांग रहे हैं, सोच-समझकर मांग रहे हैं।

आप थिएटर से भी कैसे जुड़ी रहीं

मैं एक्टर बनना चाहती थी, क्योंकि मैं एक्टर्स को स्टेज पर देखती थी दिल्ली में। मैं लंदन भी गई थी अपनी दोस्त के साथ। वहां हमने परफॉर्मेंस देखीं। मेरे पापा ने भी बचपन में कहा था कि जो भी पैसा या टाइम आप खर्च कर रहे हो उसे अनुभवों पर खर्च करो, क्योंकि यह जिंदगी भर साथ रहता है। सही टाइम वो होता है, जब आप किसी चीज को लेकर फैसला ले लो। मेरे माता-पिता बहुत प्रेरित करने वाले हैं। बचपन से ही मुझे बहुत प्रेरित किया गया था, डांस के लिए और ड्रामा के लिए। उन्हें ऐसा लगा होगा कि यह मेरी पर्सनैलिटी में बहुत हेल्पफुल होगा। इसके लिए मेरे पेरेंट्स का शुक्रिया। मैं भी उन चीजों को पकड़े रखी। मैं केजी से स्टेज पर रही हूं। मैं गर्मी की छुट्टियों में भी वर्क शॉप करती थी। लेकिन, ये मत भूलना कि आपने जब शुरू किया तो क्यों शुरू किया? खुद पर कोई प्रेशर मत डालो। लाइफ को एंजॉय करो।

एंक्लेट्स स्टाइल का ट्रेंडी फंडा

मैंने पायल है खनकाई..., झनक झनक पायल बाजे..., मै नाचूं बिन पायल घुघरू टूट गए तो क्या...। इसी तरह के अनेको गाने कहीं न कहीं पायल के बारे कुछ कहते हैं। कुछ साल पहले छन छन करते पायल की मधुर ध्वनि थोड़ी कम सुनाई पड़ने लगी थी लेकिन फैशन के भी हजारो रंग होते हैं। पायल ने लिटेस्ट फैशन के अनुसार अपने आप को ढाला और एकदम नए रूप में फिर से अपने जलवे दिखाने आ गई। आइए जानते हैं स्टाइलिश पायल यानीकि एंक्लेट्स के बारे में।

फैशन में अब हर जगह ग्लैमरस का तड़का लगने लगा है। ड्रेस से लेकर एक्ससीरीज तक। तो भला इसमें गहने क्यों पीछे रहें। एंक्लेट्स भी फैशन का तड़का लगाकर मार्केट में छा गई है। आपको स्टाइलिश बनाने के लिए कई तरह की एंक्लेट्स मार्केट में है। आप इन्हें अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से चूज कर सकती हैं। आज कल की कालेज गोविंग गर्ल्स अपने लुक को लेकर सबसे अधिक परेशान रहती हैं। वे अपने पैरों को भी ग्लैमरस और स्टाइलिश बनाने के लिए पूरी जोर आजमाइश करती रहती हैं और इसके लिए तरह- तरह के एंक्लेट्स ट्राई करती रहती हैं। मार्के ट में इनके कई डिजाइंस मौजूद हैं। बस जरूरी है सही एंक्लेट्स के चुनाव का। मार्केट में इनकी बहुत सी वैरायटी है मगर अपने पैरों के साइज और कलर को देखकर ही सही एंकलेट पसंद करें।

डिजाइन का रखें ध्यान

पैरों में एंक्लेट्स तो अच्छे लगते हैं लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपने पैरों के अनुसार ही इसका चुनाव करें। बहुत से लोग ऐसे हैं जो किसी भी डिजाइन और स्टाइल की एंकलेट्स कैरी कर लेते हैं। मार्केट में सिल्वर, गोल्ड, चेन, नग, मल्टी स्टोन और मल्टी कलर वाली एंकलेट्स हैं जो आपको परफेक्ट लुक देंगी, मगर खरीदने से पहले इस बात पर जरूर ध्यान दें कि किस तरह की एंकलेट्स आपके पैरों को सूट करेगी।

चेन दे सिंपल लुक

यदि आप चाहती हैं कि आप ऐसा एंक्लेट्स पहने जिससे आप के पैर सिंपल लुक के साथ अच्छे लगें तो इसके लिए जरूरी है कि आप चेन वाले एंक्लेट्स ट्राई करें। ये एंकलेटस बहुत ही सिंपल होते हैं। इनकी बहुत सी वैरायटी भी मिल जाती है। इसमें आप चाहें तो सिंगल लेयर से लेकर चार लेयर तक की एंकलेट्स कैरी कर सकती हैं। इसके साथ मैचिंग नेकलेस भी पहनना अच्छा रहेगा। इसे ऑफिस गोइंग गर्ल्स भी कैरी कर सकती हैं।

लेदर का एंक्लेट्स

बहुत सी लड़कियों की पर्सनैलिटी टॉम बाय जैसी होती है। ऐसी लड़कियों पर लेदर के एंक्लेट्स खूब फबते हैं। इस तरह की एंक्लेट्स कैरी करते समय यह ध्यान देना चाहिए कि ये ज्यादा चौड़ी न हो। अधिक चौड़ी होने पर लुक अच्छा नहीं लगता।

ऑरनामेंटल

क्रिस्टल के बने एंक्लेट्स बहुत ही खूबसूरत होने के साथ स्टाइलिश भी हैं। इसे पहनने के बाद आपको किसी तरह की खास एक्सेसरीज की जरूरत नहीं है। सिंपल और सोबर ड्रेस के साथ आप इसे पहन सकती हैं। ब्लैक, वाइट और ग्रे कलर के आउटफिट के साथ ये ज्यादा खूबसूरत लगती हैं।

नग वाला एंक्लेट्स

एक बार फिर से नग वाला एंक्लेट्स फैशन में लौट आया है। आप अपनी साड़ी, सूट और ड्रेस की मैचिंग को ध्यान में रखकर इनको पहन सकती हैं। इस तरह की एंक्लेट्स कुछ खास अंदाज और मल्टी मल्टी कलर में भी मौजूद है। यह सभी प्रकार के ड्रेसे पर परफेक्ट लुक देता है। वैसे इसमें डार्क कलर चलन अधिक है।

भारी नग वाला

हैवी नग वाली एंक्लेट्स आप तौर पर शादी व पार्टियों के मौके पर पहना जाता है। इसमें सिंगल से लेकर पांच लेयर तक की एंक्लेट्स आती हैं, जो आप अपनी जरूरत के हिसाब से पहन सकती हैं।

बीड्स दे सॉफ्ट लुक

इस तरह के एंकलेट्स की खासियत है कि आप इसे किसी भी ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। ये एंकलेट्स आपको सिंपल लुक देती हैं। इन्हें पहनते समय ज्यादा मेकअप की जरूरत नहीं पड़ती। यदि बीड्स का कलर आपकी ड्रेस से मेल खाता हुआ हो तो यह आप के लुक में चार चांद लगा देगा।

पर्स पर नहीं है भारी

इन एंक्लेट्स की सबसे खास बात यह है कि इनकी कीमतें सभी लोगों की पहुंच में हैं। लोकल मार्केट में ये 20 से लेकर 50 रुपये तक है। वहीं शोरूमों में इनकी कीमतें 200 से लेकर 500 रुपये तक है।

ड्रेप्ड ड्रेस

जैसा कि इसके नाम से ही लग रहा है कि यह कोई ऐसा ड्रेस है जो लपेटा हुआ होता है। यदि आप इस ड्रेस को देखें तो ऐसा लगेगा कि किसी ने टॉवल या बेडशीट लपेट लिया हो लेकिन ऐसा नहीं है। यह एक पूरा का पूरा ड्रेस है। अपने देश में इसका चलन अभी शुरूआती दौर में हैं लेकिन विदेशों में यह खूब पसंद किया जा रहा है। रिऐलिटी शो बिग बॉस में हॉलिवुड एक्टर्स पामेला एंडरसन ने इस ड्रेस को पहन कर लोंगो को ड्रेप्ड ड्रेस से रूबरू कराया था। अधिकांश लोग तो समझ ही नहीं पाए थे कि टॉवल जैसी दिखने वाली यह ड्रेस आखिर में है क्या? क्या पॉमेला ने कोई कपड़ा लपेटा है या यह कोई खास ड्रेस है। फैशन डिजाइनर मानते हैं कि ड्रेप्ड ड्रेस फिटेड हो या लूज, अगर इसे अच्छे से कैरी करेंगी, तो वह खूब फबेगी। ड्रेप्ड ड्रेसेस को अभी तक बड़े महानगरों में ही पार्टीयों में पहने देखा गया है।

जज्बा आत्मविश्वास का

एक स्वयंसेवी संस्था ने उनको प्रशिक्षित करने की व्यवस्था की है अगली बार टैक्सी बुलाने पर अगर आसमानी रंग की कमीज, काली पैंट और जूते पहने महिलाएं टैक्सी चलाती नजर आएं, तो चौंकिएगा नहीं। भारत की राजधानी दिल्ली के एक स्वयंसेवी संस्था ने देश में पहली बार महिलाओं को टैक्सी चलाकर रोजगार कमाने का मौका दिया है।

मेगा कैब नाम की संस्था के साथ काम कर रही सभी महिलाओं ने गाड़ी चलाने की शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण आईटीडीआर (इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग, ड्राइविंग और रिसर्च) से लिया है। साथ ही साथ दुर्घटना की स्थिति में उपयोगी प्राथमिक उपचार और आत्मरक्षा के लिए कराटे भी सीख रखा है। अभी महिला टैक्सी चालकों का प्रशिक्षण काल चल रहा है, जिसमें कंपनी वाले उन्हें ढाई हजार रुपए महीना मेहनताना देते हैं और पीएफ भी काटा जाता है। जहां तक घरवालों के सहयोग और सहमति की बात है, वहां कंपनी वाले नियुक्ति के समय ही घरवालों से यह लिखित रूप से ले लेते हैं कि इससे उन्हें कोई आपत्ति नहीं।

साहस का परिचय : टैक्सी चालक अनुराधा का कहना हैं कि मैं इस नौकरी से बहुत खुश हूं। जहां पहले मैं कहीं अकेली नहीं जा पाती थी, वहीं नौकरी करने के बाद अकेली जाती भी हूं और लोगों को पहुंचाती भी हूं। इससे मेरा आत्मविश्वास दोगुना हो गया है। पति की घर चलाने में मदद भी हो जाती है और बच्चे इसलिए खुश हैं कि उनकी मम्मी पैंट-कमीज पहनती हैं और गाड़ी भी चलाती हैं।

ये हैं सुविधाएं : यह तो रही ड्राइवरों की समझ, पर अपनी महिला ड्राइवरों के लिए क्या खास इंतजाम हैं। आपको बता दें कि इन महिलाओं को हफ्ते में छः दिन काम पर आना होता हैं। ड्यूटी सुबह दस बजे से शाम सात बजे तक होती है। हर टैक्सी में वॉकी-टॉकी है, जिससे सीधी नियंत्रण कक्ष में बात की जा सकती है। उन्हें कार चलाने के अलावा आत्मरक्षा के लिए कराटे का भी प्रशिक्षण दिया गया है। गाड़ी बिगड़ने पर या टायर पंक्चर होने पर, वैसे तो यह महिलाएं खुद गाड़ी ठीक करने में सक्षम हैं, पर ज्यादा खराबी होने पर तुरंत दूसरा ड्राइवर वहां भेजा जाता है जहां गाड़ी खराब है और महिला चालक को मदद पहुंचाई जाती है।

क्या कहते हैं यात्री : महिला टैक्सी ड्राइवरों के साथ सफर कर चुकी श्रेया यादव कहती हैं, यह जानकर अच्छा लगा कि अब लड़कियां और महिलाएं भी टैक्सी चलाती हैं तथा अब से मुझे सिर्फ महिला ड्राइवर चाहिए, क्योंकि मैं उनके साथ खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। बहुत से परिवार महिला ड्राइवर इसलिए चाहते हैं, क्योंकि उनके घर में बहू और बेटियां हैं और कई इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि महिलाएं पुरुषों के बजाय अच्छी गाड़ी चलाती हैं।

महिलाएं कमाती हैं ज्यादा

जमाना बदल चुका है महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ रही हैं। ब्रिटेन में हर तीसरी महिला अपने पति से अधिक धन कमाती है और इस तरह वह घर का खर्चा चलाने में अहम् भूमिका निभा रही है।

वुमेन सर्वे 2010 के अनुसार 30 प्रतिशत महिलाएं अपने पति से अधिक धन कमा रही हैं और लगभग 20 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो अपने पति के बराबर पैसा कमा रही हैं। दस परिवारों में से एक परिवार में बच्चों की देखभाल पति करता है, जबकि पत्नी नौकरी करती है। दस प्रतिशत महिलाओं ने स्वीकार किया कि इस भूमिका ने उनके रिश्तों पर तनाव डाला। कुछ का कहना था कि इसके चलते उन्हें रिश्ते तोड़ने पड़े। सर्वेक्षण के अनुसार गृहिणियों में से लगभग आधे ने खुद धन अर्जित नहीं करने को लेकर असंतोष जताया, जबकि करीब 2100 महिलाओं ने कहा कि बच्चे होने के बाद वह पूरी तरह घर में बंधे रहने से अच्छा कोई न कोई पार्ट टाइम नौकरी करना पसंद करती हैं। भारतीय महिलाएं भी अब नौकरी करने के क्षेत्र में ब्रिटेन से पीछे नहीं और वह दिन अब ज्यादा दूर नहीं, जब भारत में भी गृहिणियां धन-अर्जन में पीछे नहीं रहेंगी।